@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

सोमवार, 6 अप्रैल 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 151 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संक्षिप्त समाचार

आचार संहिता लागू होने के बाद से पांच राज्यों में 651.51 रुपये करोड़ की नकदी जब्तः चुनाव आयोग

•यह कार्रवाई निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही हैः अयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने आगामी विधानसभा चुनावों और उपचुनाव के मद्देनज़र लागू आदर्श आचार संहिता के तहत कार्रवाई करते हुए अब तक 651.51 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी और अवैध सामग्री जब्त की है। आयोग ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है। चुनाव आयोग के अनुसार, चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में चुनावी तैयारियों के बीच आचार संहिता के प्रभावी पालन के लिए व्यापक निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत 5,173 से अधिक फ्लाइंग स्क्वॉड और 5,200 से ज्यादा स्टैटिक सर्विलांस टीमें तैनात की गई हैं। ये टीमें विभिन्न क्षेत्रों में लगातार जांच, तलाशी और नाकाबंदी अभियान चला रही हैं, ताकि अवैध गतिविधियों पर तुरंत अंकुश लगाया जा सके।

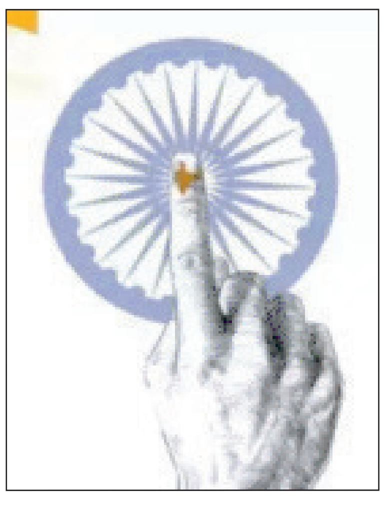

आयोग की ओर से बताया गया कि इलेक्ट्रॉनिक सीजर मैनेजमेंट सिस्टम (ईएसएमएस) के माध्यम से 26 फरवरी से अब तक बड़ी मात्रा में अवैध वस्तुओं की जब्ती दर्ज की गई है। इसमें 53.2 करोड़ रुपये नकद, 79.3 करोड़ रुपये की शराब, 230 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ, 58 करोड़ रुपये की कीमती धातु और 231.01 करोड़ रुपये के अन्य मुफ्त उपहार शामिल हैं। राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे अधिक जब्ती पश्चिम बंगाल में 319 करोड़ रुपये की हुई है। इसके बाद तमिलनाडु में 170 करोड़ रुपये, असम में 97 करोड़ रुपये, केरल में 58 करोड़ रुपये और पुडुचेरी में 7 करोड़ रुपये की जब्ती दर्ज की गई है।

भारत के समुद्री क्षेत्र की अपार क्षमता का पूरा उपयोग करेंगे : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। 'नेशनल मेरीटाइम डे' के अवसर पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत केंद्रीय मंत्रियों ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोगों के योगदान को सराहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि यह दिन भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को याद करने और इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के अमूल्य योगदान को सम्मान देने का अवसर है। समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोगों की मेहनत और समर्पण देश की अर्थव्यवस्था, व्यापार और कनेक्टिविटी को मजबूत बनाता है। पीएम मोदी ने भरोसा जताया कि

भारत अपने समुद्री क्षेत्र की अपार संभावनाओं का उपयोग कर एक समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ता रहेगा। प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश भी साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा, '21वीं सदी में, भारत का समुद्री क्षेत्र तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। हमने सदियों पुराने औपनिवेशिक शिपिंग कानूनों की जगह 21वीं सदी के आधुनिक और भविष्योन्मुखी कानून लागू किए हैं। ये नए कानून राज्य समुद्री बोर्डों को सशक्त बनाते हैं, सुरक्षा और स्थिरता को मज़बूत करते हैं, और बंदरगाह प्रबंधन को डिजिटल बनाते हैं।' उन्होंने बताया कि 'मैरीटाइम इंडिया' विज़न के तहत 150 से ज्यादा पहलें शुरू की गई हैं, जिसके बाद बड़े बंदरगाहों की क्षमता दोगुनी हो गई है, टर्नअराउंड समय कम हो गया है और क्रूज़ पर्यटन में तेजी आई है। उन्होंने कहा, 'शांति के समय हो या मुश्किलों भरे दौर में, देश के विकास को आगे बढ़ाने में आपके पेशेवरपन और साहस ने अहम भूमिका निभाई है। देश आपकी निष्ठा को सलाम करता है।'

•इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'राष्ट्रीय समुद्री दिवस के अवसर पर भारत के समुद्री क्षेत्र के कर्मियों को मेरी शुभकामनाएं।'

उन्होंने कहा, 'शांति के समय हो या मुश्किलों भरे दौर में, देश के विकास को आगे बढ़ाने में आपके पेशेवरपन और साहस ने अहम भूमिका निभाई है। देश आपकी निष्ठा को सलाम करता है।'

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा जैतो को 28.68 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

कौमी पत्रिका

फरीदकोट, 5 अप्रैल। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज राज्य भर में विकास कार्यों को आगे बढ़ाते हुए फरीदकोट के जैतो में 28.68 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें कम्युनिटी हेल्थ सेंटर को 30 बिस्तरों वाले अस्पताल में अपग्रेड करना तथा पीने के साफ पानी और खेल ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश शामिल है। उन्होंने कहा कि 2022 में 'झाड़ू' (आप का चुनाव चिन्ह) के लिए लोगों के जनादेश ने शहीद-ए-आज़म भगत सिंह के सपनों को साकार करने की नींव रखी, जो अब पूरे हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने 'आप' के शासन मॉडल की तुलना विपक्षी दलों से करते हुए कहा कि जहां 'आप' साफ पानी, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा और महिलाओं को आर्थिक सहायता दे रही है, वहीं पारंपरिक

पार्टियां हमेशा लोगों की सेवा करने में विफल रही हैं। उन्होंने भाजपा, कांग्रेस और अकाली दल पर तीखा हमला बोलते हुए उनके शासनकाल पर सवाल उठाए और उन पर भाई-भतीजावाद तथा आपराधिक तत्वों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने बढ़ती गरीबी और मुश्किलों के लिए केंद्र सरकार को भी जिम्मेदार ठहराया। 13 अप्रैल को बैसाखी के दिन होने वाले विशेष सत्र में एक साल तक कोई जमानत न देने और उम्रकैद की सजा का प्रावधान रखने वाला सख्त बेअदबी विरोधी कानून बनाने की घोषणा करते हुए भगवंत सिंह मान ने 2027 के चुनावों को अपनी सरकार के पक्ष में स्पष्ट माहौल बताया। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस का संबंध शुरू से ही सिख विरोधी दंगों से जुड़ा रहा है, वहीं अकाली दल अपने काले कारनामों के कारण पूरी तरह बदनाम हो चुका है और केवल उनकी 'आप' पार्टी ही बेहतर शासन-आधारित एकमात्र विकल्प है, जो रंगला पंजाब बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जैतो की धरती ने हमेशा इतिहास रचा है, जिसे उनकी पार्टी सलाम करती है। उन्होंने कहा कि साहित्य हो या संघर्ष, जब भी किसी क्षेत्र में जरूरत पड़ी, जैतो हमेशा आगे बढ़कर सबसे आगे खड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि अकालियों को दी गई हर वोट गुरु और गुरबाणी की बेअदबी के पक्ष में फैसला होगी। उन्होंने कहा कि अकालियों ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी कर हर व्यक्ति की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि अकालियों ने महान गुरुओं की बाणी का अपमान किया और बहिबल कलां तथा बरगाड़ी में निर्दोष लोगों पर गोली चलाने का आदेश दिया था। उन्होंने कहा कि अकालियों ने श्री अकाल तख्त साहिब का भी गंभीर अपमान किया है। उन्होंने आगे कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदारों की नियुक्ति भी अकालियों की मनमानी से होती है, जो पंजाब के लोगों के साथ अन्याय है। विकास के दावों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री दावा करते हैं कि उनके शासनकाल में राज्य में बड़े पैमाने पर विकास हुआ, लेकिन कोटकपूरा, बहिबल कलां और अन्य स्थानों पर जहां श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी हुई और निर्दोष मारे गए, उन मुद्दों पर वे चुप्पी साध लेते हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

महाराष्ट्र में नासिक कुंभ 2026 पर 35,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगेः देवेंद्र फडणवीस

• इस साल का कुंभ भव्य और दिव्य होगाः देवेंद्र फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को नासिक में कहा कि राज्य सरकार नासिक सिंहस्थ कुंभ मेला 2026 पर 35,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी। राज्य सरकार नासिक कुंभ को भव्य और दिव्य बनाना चाहती है। मुख्यमंत्री फडणवीस आज नासिक में आयोजित अखिल भारतीय संत सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस साल का कुंभ भव्य और दिव्य होगा, यह कहते हुए मुख्यमंत्री ने 35,000 करोड़ रुपये के कामों का रोडमैप पेश किया। त्र्यंबकेश्वर शहर में भगवान श्री राम और सभी संतों-महंतों का स्वागत करते हुए उन्होंने सनातन संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ भक्तों के लिए हम सभी सुविधाएं तैयार रखेंगे। उन्होंने कहा कि भले ही नासिक में जगह सीमित है, लेकिन ज्यादा से ज्यादा जगह देने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, सनातन संस्कृति ने सब कुछ संभाल रखा है। कई हमलों के बाद भी यह अभी भी बची हुई है। हमारे पास महाराष्ट्र की वारकरी पंथ की परंपरा है। औरंगजेब ने चाहे कितनी भी मुश्किलें क्यों न खड़ी की हों, हमारी वारकरी परंपरा जारी है। संतों के विचार न सिर्फ हमारे मन को पवित्र करते हैं बल्कि हमारी आत्मा को भी पवित्र करते हैं। इसके लिए कुंभ मेला एक महत्वपूर्ण त्योहार है। सभी संत महंतों ने हमें अपना बनाया है। इसलिए हम इस साल के कुंभ को भव्य और दिव्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के नासिक दुष्कर्म मामले की ईडी भी जांच करेगी : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि नासिक मामले के आर्थिक ऐंगल की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम करेगी। ईडी ने इस मामले से जुड़े आर्थिक मामलों की जानकारी लिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस रविवार को नासिक में पत्रकारों को बताया, अशोक खरात केस में अब तक 12 केस दर्ज किए गए हैं। इस केस में एसआईटी जांच चल रही है और इसकी घोषणा हर दिन नहीं की जा सकती। धोखेबाज अशोक खरात के केस की पूरी जांच की जाएगी। उसके सभी लेन-देन की जांच की जाएगी। ईडी ने इस केस की जानकारी ली है। इसलिए, उसकी ईडी जांच करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने अशोक खरात का सीडीआर जारी किया।

प्रदेश की धरती पर नहीं पनपने देंगे गुंडेः सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा है कि वे उत्तर प्रदेश की धरती पर गुंडों और माफिया को पनपने नहीं देंगे। गुंडों और माफिया की जहां जगह होगी, वहां उन्हें पहुंचा दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश में दंगे, कर्फ्यू, अराजकता और लूट-खसोट के दिन लद गए हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में व्यापारियों व महिलाओं की सुरक्षा की गारंटी है। सरकार हर व्यक्ति के जीवन सुगमता और उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सीएम योगी ने यह बातें गोरखपुर में कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के बाद आज भी प्रदेश, इसका तंत्र और पुलिस वही है लेकिन आज इसकी पहचान बदल गई है। 2017 के पहले हर जिले में माफिया की समानांतर सरकार थी, नौजवानों के सामने पहचान का संकट था। जबकि आज प्रदेश के नौजवान को अन्य जगहों पर सम्मान मिलता है। आज का उत्तर प्रदेश अब उपद्रव नहीं उत्सव प्रदेश बन चुका है। अब यहां अराजकता नहीं है बल्कि यह माफियामुक्त हो चुका है। सुरक्षित माहौल में व्यापारी और बेटियों ने स्वावलंबन की नई ऊंचाई की यात्रा शुरू की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कि जब सरकार की नीयत साफ होती है तो नजारा बदलते देर नहीं लगती। विरासत गलियारा और मल्टीलेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स इसका उदाहरण है। सरकार की नीयत साफ है तो विरासत गलियारा के पहले फेज का काम लगभग पूरा हो गया है।

बदरीनाथ धाम यात्रा

7 अप्रैल को ऋषिकेश पहुंचेगी गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा

एजेंसी

ऋषिकेश। बदरीनाथ धाम यात्रा शुरू होने से पहले गाडू घड़ा (तेल कलश) यात्रा 7 अप्रैल को नरेन्द्र नगर राजदरबार से प्रारंभ होकर रात्रि विश्राम के लिए ऋषिकेश पहुंचेगी। यह गाडू घड़ा (तेल कलश) यात्रा बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति और डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। मंदिर समिति के अनुसार, 7 अप्रैल की रात्रि को यात्रा रेलवे रोड स्थित चेला चेतराम धर्मशाला में ठहरेगी। 8 अप्रैल की सुबह श्रद्धालु गाडू घड़ा तेल कलश के दर्शन कर सकेंगे। पूजा-अर्चना एवं प्रसाद वितरण के बाद यात्रा लक्ष्मण झूला होते हुए श्रीनगर गढ़वाल के लिए रवाना होगी।

मुख्यमंत्री के खिलाफ होगी कानूनी कार्रवाई : राहुल गांधी

•एक दिन जनता से मांगेंगे माफी : राहुल गांधी

एजेंसी

बिश्वनाथ (असम)। लोकसभा सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को असम के बिश्वनाथ में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और एक दिन ऐसा आएगा जब उन्हें असम की जनता के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगनी पड़ेगी। अपने भाषण की शुरुआत में राहुल गांधी ने असम की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि श्रीमंत शंकरदेव, अजान फकीर, जुबीन गर्ग और तरुण गोगोई की है।

उन्होंने कहा कि जुबीन गर्ग ने हमेशा समाज को जोड़ने का काम किया और कभी किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि असम को एटीएम की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। राज्य की जमीन उद्योगपतियों जैसे गौतम अडानी और बाबा रामदेव को दी जा रही है, जबकि यह जमीन असम के लोगों और किसानों की है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जब चाहें प्रधानमंत्री मोदी का राजनीतिक करियर खत्म कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने नरेन्द्र मोदी और अमित शाह पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए।

दिल्ली में पार्किंग विवाद को लेकर महिला सब-इंस्पेक्टर ने बुजुर्ग दुकानदार को थप्पड़ मारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहिणी सेक्टर 7-8 की डिवाइडिंग रोड पर शनिवार रात पार्किंग को लेकर एक विवाद भड़क गया। जानकारी के अनुसार, कार सवार महिला ने 78 वर्षीय एक बुजुर्ग दुकानदार को थप्पड़ मार दिया, जिससे आसपास के दुकानदारों में हंगामा मच गया। घटना के दौरान आरोपित महिला ने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए अन्य दुकानदारों को धमकी देना भी शुरू कर दिया। इस पर स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने पर महिला चालक को हिरासत में लिया गया और उससे पूछताछ जारी है। महिला ने अपना नाम सब-इंस्पेक्टर भारती तोमर बताया है। पुलिस ने पीड़ित बुजुर्ग दुकानदार के बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना ने इलाके में तनाव पैदा कर दिया था। पुलिस ने लोगों को शांति बनाए रखने और जांच में सहयोग करने की अपील की है।

बहराइच में साधारण प्रिंटर से नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में पुलिस ने जाली मुद्रा तैयार करने और उसे बाजार में खपाने वाले एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी किसी अत्याधुनिक या हाईटेक मशीन के बजाय एक साधारण कलर प्रिंटर का इस्तेमाल कर नकली नोट छाप रहे थे। ये आरोपी इन नोटों को स्थानीय बाजारों में असली बताकर चला भी रहे थे। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान इस गैंग के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से 500 रुपये के 23 नकली नोट बरामद हुए हैं, जिनकी कुल कीमत 11,500 रुपये है। इसके साथ ही पुलिस ने वह कलर प्रिंटर भी जब्त कर लिया है, जिसका उपयोग नोटों की छपाई के लिए किया जा रहा था। बहराइच के पुलिस अधीक्षक विजयजीत श्रीवास्तव ने बताया कि खैरिघाट इलाके में शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात को मिली एक गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई थी, जिसमें चारों आरोपियों को रंगे हाथ दबोचा गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गुरूचरण सिंह उर्फ विजय, सलीम उर्फ सूरज, हरिराम लोधी और अर्जुन के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया है कि वे कलर प्रिंटर की मदद से नोट तैयार करते थे। उनकी कार्यप्रणाली यह थी कि वे नकली नोटों को असली जैसा दिखाने के लिए उन्हें छोटे-छोटे लेनदेन में इस्तेमाल करते थे, ताकि किसी को उन पर शक न हो। गिरोह अक्सर भीड़भाड़ वाले बाजारों और छोटी दुकानों को निशाना बनाता था, जहां व्यस्तता के कारण लोग नोटों की बारीकी से जांच नहीं कर पाते थे। इस सफल ऑपरेशन के बाद पुलिस अब इस नेटवर्क की गहराई तक जाने में जुटी है। जांच का मुख्य केंद्र यह है कि यह गिरोह कब से सक्रिय था और अब तक कितनी नकली करंसी बाजार में खपा चुका है। साथ ही पुलिस इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि क्या इस रैकेट के तार अन्य जिलों या राज्यों से भी जुड़े हैं। फिलहाल, चारों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने आम जनता से भी अपील की है कि वे बड़े नोटों का लेनदेन करते समय सतर्क रहें और उनकी प्रामाणिकता की जांच अवश्य करें।

माओवादी प्रशांत की अस्पताल में मौत, शव लेने नहीं पहुंचा परिवार का कोई सदस्य

-जेल में बंद पत्नी ने पत्र लिखकर कहा- प्रशासन करे अंतिम संस्कार की व्यवस्था

रांची(एजेंसी)। भाकपा माओवादी के वरिष्ठ नेता और पोलित ब्यूरो सदस्य प्रशांत बोस का 3 अप्रैल को निधन हो गया। उनके निधन के बाद अंतिम संस्कार को लेकर प्रशासन के सामने एक खास स्थिति बन गई, क्योंकि उनके परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं है। उनके निधन के बाद उनका शव रिम्स की मोर्चरी में रखा गया है। इस बीच उनकी पत्नी शीला मरांडी, जो खुद भी माओवादी संगठन की नेता हैं और फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय जेल में बंद हैं, उन्होंने जेल प्रशासन के जरिए जिला प्रशासन को पत्र भेजा है। उन्होंने पत्र में कहा है कि उनके पति का कोई अन्य परिजन नहीं है, इसलिए प्रशासन ही उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था करे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रशांत बोस पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के यादवपुर इलाके के रहने वाले थे। उन्हें 12 नवंबर 2021 को झारखंड पुलिस ने सरायकेला जिले के कांड्रा स्थित मुंडरी चेक पोस्ट के पास गिरफ्तार किया था। उस समय उनके साथ उनकी पत्नी शीला मरांडी और चार अन्य माओवादी भी पकड़े गए थे। गिरफ्तारी के वक्त प्रशांत बोस पर सरकार ने एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित किया था। बताया जाता है कि वह उस समय इलाज कराने जा रहे थे। गिरफ्तारी से पहले उन्होंने कई राज्यों में नक्सल गतिविधियों को फैलाने में अहम भूमिका निभाई थी। झारखंड में उनके खिलाफ 70 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। वहीं, उनकी पत्नी शीला मरांडी भी माओवादी संगठन की सेंट्रल कमेटी की सदस्य और नारी मुक्ति संघ की प्रमुख रह चुकी हैं फिलहाल वह जेल में बंद हैं।

हिंद महासागर में 4.2 तीव्रता का आया भूकंप, जान-माल का नुकसान नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। रविवार तड़के हिंद महासागर में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया, जिसने क्षेत्र में भूगर्भीय हलचल पैदा की। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक यह भूकंप समुद्र तल से करीब 90 किलोमीटर की गहराई पर आया। सुबह के समय आए इस भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। विशेषज्ञों ने इसे सामान्य और कम तीव्रता वाला भूकंप बताया है, जिसके कारण किसी बड़े खतरे की संभावना नहीं बनी। साथ ही, किसी भी प्रकार की सुनामी चेतावनी भी जारी नहीं की गई है। हालांकि वैज्ञानिकों का मानना है कि समुद्र के अंदर होने वाली ऐसी हलचलें भूगर्भीय गतिविधियों का संकेत होती हैं, जिन पर लगातार निगरानी बनाए रखना जरुरी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप केवल सतह पर ही नहीं, बल्कि पृथ्वी के अंदर कई गहराइयों पर भी उत्पन्न होते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भूकंपों को उनकी गहराई के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा जाता है। उथले भूकंप सतह से 70 किलोमीटर तक की गहराई में आते हैं, मध्यवर्ती भूकंप 70 से 300 किलोमीटर के बीच और गहरे भूकंप 300 से 700 किलोमीटर तक की गहराई में उत्पन्न होते हैं। वर्तमान भूकंप मध्यवर्ती श्रेणी में आता है, जो अपेक्षाकृत कम विनाशकारी होता है। हिंद महासागर का क्षेत्र भूगर्भीय दृष्टि से अत्यंत सक्रिय है।

सरकार ने की अपील: पैनिक न हों देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है, अफवाहों से बचें

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट में उत्पन्न बाधाओं के बीच, भारत सरकार ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि देश में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और सुचारू है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर नागरिकों से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पैनिक बाइंग यानी घबराहट में खरीदारी न करने की पुरजोर अपील की है।

सरकार ने भरोसा दिलाया है कि पेट्रोलियम उत्पादों से लेकर कुकिंग गैस तक की उपलब्धता बिना किसी रुकावट के बनी हुई है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सरकार घरेलू एलपीजी और पाइप्ड नेचुरल गैस की आपूर्ति को घरों, अस्पतालों और अन्य आवश्यक सेवाओं के लिए प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित कर रही है। रिफाइनरी उत्पादन बढ़ाकर मांग को नियंत्रित करने के लिए विशेष उपाय लागू किए गए हैं, जिसमें एलपीजी रिफिलिंग के अंतराल को

व्यवस्थित करना भी शामिल है। सरकार ने लोगों से आग्रह किया है कि वे केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें और ऊर्जा संरक्षण पर ध्यान दें।ईंधन की कालाबाजारी और अवैध जमाखोरी को रोकने के लिए सरकार सख्त कदम उठा रही है। जारी रिपोर्ट के अनुसार, अब तक देश भर में 3,700 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की गई है। इस कार्रवाई के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले एलपीजी वितरकों को लगभग 1,000 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं और अब तक 27 डीलरों के लाइसेंस निलंबित किए जा चुके हैं। सरकार ने साफ कर दिया है कि संकट का फायदा उठाने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मंत्रालय द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद वितरण केंद्रों पर एलपीजी की कमी की कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। बीते शुक्रवार को ही देशभर में करीब 51 लाख एलपीजी सिलेंडर बांटे गए, जिनमें से 95 प्रतिशत मांग ऑनलाइन बुकिंग के जरिए पूरी की गई। एहतियात के तौर पर कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई को फिलहाल 70 प्रतिशत तक सीमित किया गया है और विकल्प के रूप में केरोसिन व कोयले जैसे ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। मंत्रालय ने अंत में पुष्टि की है कि सभी रिफाइनरियां कच्चे तेल के पर्याप्त भंडार के साथ काम कर रही हैं और देश भर के पेट्रोल पंप पूरी तरह से भरे हुए हैं, इसलिए घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

हमें पैसे नहीं चाहिए, सच्चाई जाननी है, ब्लैक बॉक्स रिकॉर्डर डेटा सार्वजनिक किया जाए

-अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ित परिवारों ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे के 10 महीने बाद करीब 30 पीड़ित परिवारों ने शनिवार को पीएम मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने मोदी से फ्लाइट का ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर डेटा सार्वजनिक करने की मांग की है। परिजनों ने कहा कि हमें पैसे नहीं चाहिए। हमें सच्चाई जाननी है। हम जानना चाहते हैं कि हादसा क्यों हुआ और क्या इसमें कोई तकनीकी खराबी थी। परिजनों का कहना है कि अगर ब्लैक बॉक्स डेटा सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, तो कम से कम इसे निजी तौर पर परिवारों के साथ साझा किया जाए। बता दें 12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन जा रहा बोइंग 787-8 विमान टेकऑफ के तुरंत बाद मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिर गया था। इस हादसे में 241 यात्री और 19 अन्य लोगों समेत कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। पीड़ित परिवारों ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में एअर इंडिया की तरफ से मदद की कमी का आरोप लगाया। हादसे में अपनी मां को खोने वाली किंजल पटेल ने एअर इंडिया की वेबसाइट के इस्तेमाल में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया, जहां पीड़ितों के सामान की पहचान करनी होती है। उन्होंने कहा कि वेबसाइट पर 25,000 से ज्यादा सामानों की लिस्ट हैं, लेकिन तस्वीरें साफ नहीं हैं। इससे कुछ भी ढूंढ पाना या पहचान कर पाना नामुमकिन है। वहीं अपनी मां, भाई और बेटी को खोने वाले खेड़ा के रोमिन वोरा ने बताया कि डिजिटल साधनों की जानकारी न होने के कारण कई परिवारों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक ईमेल आईडी है और जवाब आने में 15 दिन तक लग जाते हैं। गांव के कई लोग ईमेल इस्तेमाल करना भी नहीं जानते। उन्होंने यह भी कहा कि वेबसाइट पर निजी सामान को सार्वजनिक रूप से दिखाना असंवेदनशील है। पीड़ित परिवारों ने पत्र की कॉपी एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो, डीजीसीए और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को भी भेजी हैं। इस मामले में एअर इंडिया की प्रतिक्रिया का इंतजार है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने पिछले साल जुलाई में प्लेन क्रैश की शुरुआती जांच रिपोर्ट सौंपी थी। फाइनल रिपोर्ट इस साल जून में यानी हादसे की पहली बरसी के आसपास आने की संभावना है।

केरल में शशि थरूर के साथ अभद्रता और काफिला रोकने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

-पुलिस ने मामला दर्ज कर अन्य आरोपियों की कर रही तलाश

वंडूर (एजेंसी)। केरल में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के साथ चुनाव प्रचार के दौरान अभद्रता और काफिला रोकने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना शनिवार को केरल के वंडूर क्षेत्र में हुई थी, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई। पुलिस के मुताबिक चेल्लिथोडु इलाके में कुछ युवकों ने शशि थरूर के काफिले को रोक लिया और उनके साथ गाली-गलौज की थी। घटना के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया, जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने स्थिति को संभाला। मामले में थरूर के गनमैन की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि घटना के समय शशि थरूर यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के उम्मीदवार एपी अनिल कुमार के समर्थन में प्रचार कर रहे थे। इस दौरान उनका काफिला जैसे ही चेल्लिथोडु क्षेत्र से गुजर रहा था, कुछ युवकों ने रास्ता रोककर विरोध प्रदर्शन किया। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता थरूर ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया, लेकिन स्पष्ट किया कि इससे उनके चुनाव प्रचार पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वे अपने तय कार्यक्रम के मुताबिक अभियान जारी रखेंगे।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। साथ ही बाकी आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। बता दें केरल में 9 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। ऐसे में चुनावी माहौल के बीच इस तरह की घटनाएं प्रशासन के लिए चुनौती बन सकती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जैसे-जैसे मतदान की तारीख करीब आ रही है, राज्य में चुनावी गतिविधियां तेज हो रही हैं और इसके साथ ही तनाव की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में प्रशासन और राजनीतिक दलों दोनों की जिम्मेदारी है कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो।

मच्छरों के आतंक पर अनोखा प्रदर्शन, विधायक ने मच्छरदानी पहनकर सरकार को घेरा

हैदराबाद (एजेंसी)। शहर में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप और इससे फैलने वाली बीमारियों को लेकर विपक्ष ने एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक देविरेड्डी सुधीर रेड्डी गुरुवार को मच्छरदानी से बना कपड़ा पहनकर मीडिया के सामने पहुंचे। इस अनूठे लिबास में उन्होंने तेलंगाना की वर्तमान कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला और शहर की चिंताजनक स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया।

सुधीर रेड्डी ने आरोप लगाया कि हैदराबाद के नागरिक मच्छरों के बढ़ते आतंक से बेहाल हैं और रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार इस समस्या पर नियंत्रण पाने में पूरी तरह विफल रही है। विधायक ने दावा किया कि उनकी पार्टी के शासनकाल में झीलों और जलाशयों में मच्छरों को रोकने के लिए पांच चरणों वाली एक वैज्ञानिक प्रणाली लागू की गई थी, जिससे मच्छरों की संख्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया गया था। उनका आरोप है कि वर्तमान सरकार ने उन प्रभावी उपायों को बंद कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप अब शहर में मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के मामलों में भारी वृद्धि देखी जा रही है। विधायक ने ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएचएमसी) पर भी लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नगर निकाय पर्याप्त फॉगिंग और एंटी-लार्वा अभियान चलाने में नाकाम रहा है, जिससे सरकारी अस्पतालों में बुखार के मरीजों की कतारें लंबी होती जा रही हैं। रेड्डी ने मांग की कि सरकार तत्काल बीआरएस शासनकाल के वैज्ञानिक नियंत्रण उपायों को फिर से शुरू करे

और एक आपातकालीन योजना बनाकर जनता को राहत दिलाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते मच्छर नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए, तो हैदराबाद की एक वैश्विक शहर के रूप में बनी छवि को गहरा नुकसान पहुंच सकता है। हालांकि, विपक्षी विधायक के इन गंभीर आरोपों और अनोखे प्रदर्शन पर फिलहाल सत्ताधारी दल या नगर निगम प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

उत्तर भारत में तूफानी बारिश का कहर, यूपी-बिहार समेत 9 राज्यों में ओलावृष्टि का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के मौसम में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। एक के बाद एक सक्रिय हुए दो पश्चिमी विक्षोभों ने गर्मी के तेवरों को ढीला कर दिया है। मार्च के अंत में जहां भीषण गर्मी ने दस्तक दे दी थी, वहीं अप्रैल की शुरुआत बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं के साथ हुई है। मौसम विभाग ने 5 अप्रैल को दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब समेत देश के 9 राज्यों में आंधी और बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बेमौसम की इस मार ने आम जनजीवन को प्रभावित करने के साथ-साथ किसानों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। राजधानी दिल्ली में शनिवार को हुई जोरदार बारिश के बाद रविवार को भी ठंडी हवाओं का दौर जारी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 7 अप्रैल को दूसरा पश्चिमी विक्षोभ अपने चरम पर होगा, जिसके प्रभाव से 8 अप्रैल तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। हालांकि 6 अप्रैल को हल्की राहत की उम्मीद है, लेकिन बिजली गिरने की चेतावनी के चलते लोगों को बेवजह घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। राजस्थान के कई हिस्सों में कुदरत का अलग ही रूप देखने को मिला है, जहां भारी ओलावृष्टि के कारण जमीन पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। बीकानेर, जयपुर, जोधपुर और उदयपुर जैसे संभागों में 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। वहीं, उत्तर प्रदेश के झांसी, मुजफ्फरनगर और अलीगढ़ जैसे पश्चिमी जिलों के साथ-साथ लखनऊ और कानपुर में भी मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। बिहार के पटना, गया और चंपारण इलाकों में भी बादलों की आवाजाही और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। पहाड़ी राज्यों का हाल भी जुदा नहीं है।

सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश पर सुप्रीम कोर्ट के 9 जज करेंगे सुनवाई, मस्जिदों पर भी असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में 7 अप्रैल 2026 का दिन एक बड़े संवैधानिक बदलाव का गवाह बनने जा रहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली 9 जजों की संविधान पीठ उन जटिल और व्यापक कानूनी सवालों पर सुनवाई शुरू करेगी, जिनका सीधा असर हिंदू, मुस्लिम, पारसी और दाऊदी बोहरा समुदायों की धार्मिक प्रथाओं पर पड़ना तय है। यह मामला केवल सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि अब यह एक ऐसी बड़ी बहस बन चुका है जो व्यक्तिगत अधिकारों और धार्मिक स्वायत्तता के बीच की रेखा स्पष्ट करेगा।

अदालत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि क्या किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकार किसी समुदाय के सामूहिक धार्मिक अधिकारों से ऊपर हो सकते हैं। इस सुनवाई का प्रभाव मस्जिदों में महिलाओं के प्रवेश, गैर-पारसी व्यक्ति से विवाह करने वाली पारसी महिलाओं के अग्नि मंदिर में प्रवेश के अधिकार और दाऊदी बोहरा समुदाय में प्रचलित प्रथाओं की वैधता पर भी पड़ेगा। गौरतलब है कि 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने 4-1 के बहुमत से सबरीमाला में सभी आयु वर्ग

की महिलाओं के प्रवेश की अनुमति दी थी, तब कोर्ट ने कहा था कि भक्ति को लैंगिक आधार पर विभाजित नहीं किया जा सकता। हालांकि, 2019 में कोर्ट ने महसूस किया कि इस मुद्दे के तार कई अन्य धर्मों की प्रथाओं से भी जुड़े हैं, जिसके बाद इसे बड़ी बेंच को भेज दिया गया था।

सीजेआई सूर्य कांत के नेतृत्व वाली इस नई बेंच में जस्टिस बीवी नागरत्ना सहित देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों के अनुभवी जज शामिल हैं। पीठ मुख्य रूप से संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 की व्याख्या करेगी। अदालत यह देखेगी कि धार्मिक स्वतंत्रता का दायरा क्या है और इसमें प्रयुक्त नैतिकता शब्द का अर्थ संवैधानिक नैतिकता है या सामाजिक। साथ ही, यह भी तय किया जाएगा कि क्या अदालतें यह निर्धारित करने का अधिकार रखती हैं कि कोई प्रथा किसी धर्म का अनिवार्य हिस्सा है या नहीं। इस मामले में अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और कई जैन संगठनों ने भी हस्तक्षेप किया है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि जो प्रथाएं महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाती हैं, उन्हें धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं माना जा सकता। वहीं, धार्मिक संस्थाओं का कहना है कि धर्म की अपनी आंतरिक स्वायत्तता होती है और सदियों पुरानी परंपराओं में न्यायिक हस्तक्षेप उचित नहीं है। 7 अप्रैल से शुरू होने वाली यह दैनिक सुनवाई तय करेगी कि भविष्य का भारत संवैधानिक मूल्यों और धार्मिक मान्यताओं के बीच कैसा संतुलन बनाएगा।

दुष्कर्मी खरात पुलिस के चंगुल में... वीरान पड़ा मंदिर और फार्महाउस 'ब्रह्मसदन'

फार्महाउस का गार्डन एरिया चीकू, बेल, अंगूर और 5 हजार आम के पेड़

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले के मीरगांव में मौजूद ईशान्येश्वर महादेव मंदिर और अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा का 20 एकड़ का फार्महाउस 'ब्रह्मसदन' में अब सन्नाटा पसरा हुआ है। खरात के 58 अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद मंदिर और फार्महाउस चर्चा में आए। मंदिर कभी वीआईपी और नेताओं के लिए आकर्षण था, लेकिन अब पुजारी भी सुरक्षा और पूछताछ के डर से नियमित पूजा नहीं हो रही हैं।

पुजारी का कहना है कि मंदिर में कभी भी कोई अश्लील घटना नहीं हुई। मंदिर में विशेष पूजा केवल बड़े नेता और वीआईपी के आने पर होती थी। फरार पत्नी और पुलिस हिरासत में बेटे के कारण अब मंदिर में कोई भक्त नहीं आता। 18 मार्च को खरात की गिरफ्तारी के बाद एसआईटी ने फार्महाउस की 8 घंटे तक पूछताछ की, जहां रिवॉल्वर, 21 कारतूस और विजिटर बुक मिली। फार्महाउस अब

पुलिस द्वारा सील है।

फार्महाउस का गार्डन एरिया चीकू, बेल, अंगूर और रसभरी के पेड़ों से भरा है, और 5,000 आम के पेड़ों का बाग भी इस फार्महाऊस में मौजूद है। स्थानीय लोग आरोप लगाते हैं कि खरात ने नदी के बहाव और ग्राम जमीन पर कब्जा किया। 2004-05 में खरात ने गांव और आसपास की करीब 50 एकड़ जमीन खरीदी। उनका मंदिर निर्माण और संपत्ति बढ़ाना लोगों के लिए परेशानी बन गया।

स्थानीय पुलिस का कहना है कि गांववालों से कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली, जबकि सरकार ने उनके शिवनिका संस्थान को पानी की आपूर्ति दी थी, इस फिलहाल बंद किया गया है। गांव वाले बताते हैं कि खरात की लाइफस्टाइल बेहद आलीशान थी, जिसमें मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू और फॉर्च्युनर जैसी गाड़ियां शामिल थीं।

इस घटना से गांव का माहौल बदल गया है। मंदिर और फार्महाउस, जो पहले श्रद्धालुओं और वीआईपी के लिए केंद्र थे, अब खामोशी और पुलिस निगरानी के तहत हैं। खरात के खिलाफ 10 मामले दर्ज हैं, जिनमें 8 सेक्सुअल हैरेसमेंट से संबंधित हैं। एसआईटी लगातार जांच कर रही है और अब तक उनकी 1,500 करोड़ रुपए की संपत्ति का खुलासा हो चुका है। मंदिर और फार्महाउस का यह उजाड़ हाल ग्रामीण और श्रद्धालुओं के लिए एक चेतावनी बन गया है कि किसी भी व्यक्ति की प्रतिष्ठा उसके कृत्यों से प्रभावित हो सकती है। स्थानीय लोग और पुजारी अब केवल पुलिस जांच पूरी होने का इंतजार कर रहे हैं।

तमिलनाडु में जोर पकड़ रही हिंदू पॉलिटिक्स, वैचारिक कट्टरता पर भारी पड़ती चुनावी रणनीति

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति ऐतिहासिक रूप से आत्म-सम्मान आंदोलन, तर्कवाद और नास्तिकता के स्तंभों पर टिकी रही है। लेकिन 2026 के चुनावी समर में राज्य की राजनीतिक जमीन पर एक अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिल रहा है। जो नेता कल तक धार्मिक कर्मकांडों और रूढ़ियों के मुखर विरोधी हुआ करते थे, वे आज मंदिरों की चौखट पर नतमस्तक नजर आ रहे हैं। यह बदलाव द्रविड़ राजनीति के गढ़ में एक नई वैचारिक दिशा की ओर इशारा करता है, जिसे जानकार सॉफ्ट हिंदुत्व और सर्व-समावेशी छवि बनाने की कवायद मान रहे हैं।

द्रमुक के प्रमुख चेहरे और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, जो पूर्व में सनातन धर्म और धार्मिक प्रथाओं पर अपनी विवादित टिप्पणियों के लिए चर्चा में रहे हैं, हाल ही में अपने निर्वाचन क्षेत्र के मंदिर में पूजा-अर्चना करते देखे गए। द्रविड़ विचारधारा के कट्टर समर्थक माने जाने वाले उदयनिधि का यह बदला हुआ स्वरूप चौंकाने वाला है। इसी तरह, पूर्व सांसद डॉ. सेंथिल कुमार, जो पहले सरकारी परियोजनाओं में भूमि पूजन और धार्मिक अनुष्ठानों का विरोध कर विवादों में घिरे थे, अब चुनाव प्रचार के दौरान सक्रिय रूप से मंदिरों का दौरा कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि नेता अब बहुसंख्यक मतदाताओं को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहते। इस बार के चुनाव में धार्मिक सीमाओं का धुंधला होना एक बड़ा ट्रेंड बनकर उभरा है। चुनावी रैलियों में जहां मुस्लिम उम्मीदवार माथे पर विभूति लगाए नजर आ रहे हैं, वहीं हिंदू उम्मीदवार मस्जिदों में जाकर वोट मांग रहे हैं। यह रणनीतिक बदलाव केवल धर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि जातिगत समीकरणों को साधने के लिए भी इस्तेमाल किया जा रहा है। थेवर समुदाय से आने वाले मंत्री थंगम थेनारासु का दलित नेता इमैनुएल सेकरन के स्मारक पर जाना इस बात का प्रमाण है कि पार्टियां अब केवल अपने पारंपरिक वोट बैंक के भरोसे नहीं रहना चाहतीं। विशेषज्ञों का मानना है कि तमिलनाडु में सांप्रदायिक रेखाएं भले ही पहले से बहुत गहरी न रही हों, लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में दलित और अल्पसंख्यक वोटों की गोलबंदी के लिए प्रतीकों का सहारा लेना जरूरी हो गया है। राजनीति में प्रतिद्वंद्विता के बीच मानवीय गरिमा के उदाहरण भी सामने आ रहे हैं। गुम्मिडीपूंडी में अन्नाद्रमुक उम्मीदवार वी. सुधाकर द्वारा अपने प्रतिद्वंद्वी द्रमुक उम्मीदवार के पैर छूकर आशीर्वाद लेना यह दर्शाता है कि उम्मीदवार अपनी छवि को विनम्र और सुसंस्कृत बनाने पर जोर दे रहे हैं। 2026 का यह चुनाव निश्चित रूप से वैचारिक कट्टरता के बजाय व्यावहारिक राजनीति और समावेशी रणनीतियों के नए अध्याय के रूप में याद किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा जैतो को 28.68 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

प्रथम पृष्ठ का शेष

अकाली दल की पंजाब बचाओ यात्रा पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस यात्रा का असली नाम परिवार बचाओ यात्रा होना चाहिए। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अकाली नेता यह स्पष्ट करें कि 15 वर्षों तक राज्य को लूटने के बाद अब वे किससे पंजाब को बचाने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अकालियों ने राज्य को बेरहमी से लूटा और पंजाबियों की मानसिकता को भावनात्मक रूप से कुचला। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न माफियाओं को संरक्षण दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि अकाली नेतृत्व को कभी माफ नहीं किया जा सकता, क्योंकि वे कई पीढ़ियों के विनाश के लिए जिम्मेदार हैं। उनके लंबे कुशासन के दौरान नशे का व्यापार बड़े पैमाने पर बढ़ा-फूला। उन्होंने आगे कहा कि इन नेताओं के हाथ लाखों युवाओं के खून से रंगे हुए हैं, जो इन नेताओं के सरकारी वाहनों के जरिए राज्य में सप्लाई किए जाने वाले नशों का शिकार हुए। उन्होंने कहा कि इन नेताओं के पाप माफ नहीं किए जा सकते और अकालियों को उनके कुकर्मों की लंबी सूची के लिए लोग कभी भी माफ नहीं करेंगे। इस दौरान विधायी कार्रवाई की रूपरेखा पेश करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आप सरकार ने जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार एक्ट, 2008 में संशोधन के लिए 13 अप्रैल को पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया है। उन्होंने आगे कहा कि पवित्र ग्रंथ की बेअदबी की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को कम से कम 10 साल और उम्रकैद तक की सख्त सजा का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार ने कानून बनाने के लिए अनुभवी कानूनी विशेषज्ञों की सहायता ली है और इस संबंध में संत समाज से भी विचार-विमर्श किया जा रहा है। अकाली नेतृत्व पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि ये अवसरवादी नेता हैं, जो अपनी सुविधा और निजी राजनीतिक हितों के अनुसार गिरगिट की तरह रंग और रुख बदलते रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हर कोई जानता है कि यह परिवार अंग्रेजों का समर्थक रहा है और देशभक्तों के खिलाफ अंग्रेजों का साथ देने के लिए इस परिवार को 'सर' की उपाधि से नवाजा गया था। उन्होंने आगे कहा कि इस परिवार ने 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग हत्याकांड के दोषी जनरल डायर के लिए इस घिनौनी घटना के बाद रात के खाने की मेजबानी की थी। उन्होंने कहा, इस कार्रवाई ने उनकी देश-विरोधी और पंजाब-विरोधी मानसिकता को उजागर किया है। उन्होंने आगे कहा, सिर्फ यही नहीं, परिवार ने जनरल डायर को श्री हरिमंदिर साहिब में सिरोपा भेंट करने और माफी दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई थी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा, यह और भी हैरान करने वाली बात है कि सिरोपा भेंट करने वाले जत्थेदार अरूड़ सिंह, पूर्व लोकसभा सदस्य सिमरजीत सिंह मान के नाना थे। इतिहास का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा, बादल परिवार के पूर्वजों के दोहरे चरित्र का सच इतिहास के पन्नों में दर्ज है, जिसे मिटाया नहीं जा सकता। उन्होंने आगे कहा, इस परिवार के हाथ देशभक्तों के खून से रंगे हैं और राष्ट्रवादियों की पीठ में छुरा घोंपने से लेकर कौम के साथ विश्वासघात करने तक उनकी भूमिका को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, कांग्रेस में हर नेता राज्य का मुखिया बनना चाहता है। उनके पास कार्यकर्ताओं से ज्यादा मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उनके शीर्ष नेता ने हाल ही में एक रैली के दौरान उन्हें सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस एक विभाजित पार्टी है, जो आंतरिक खींचतान के कारण बिखरने के कगार पर है। उन्होंने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्हें एकजुट करने के लिए भेजे गए नेताओं को उनके नाम तक सही से बोलना नहीं आता। 2027 के चुनाव की रूपरेखा के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, लोगों के पास चुनने के लिए तीन कलमें होंगी। उन्होंने कहा, पहली कलम कांग्रेस की है, जिसकी स्याही श्री हरिमंदिर साहिब पर हमले, 1984 के दंगों और अन्य सिख-विरोधी रुख का प्रतीक है। इसी तरह दूसरी कलम अकालियों की है, जिसमें श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की स्याही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, तीसरी कलम आप की है, जो जन-हितैषी और विकासशील पहलों के जरिए राज्य को फिर से रंगला पंजाब बनाकर इसकी शान बहाल कर रही है। सुशासन के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य सरकार ने कई जन-हितैषी पहलें की हैं, जिससे राज्य की बदली हुई तस्वीर साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने आगे कहा, लोगों के टैक्स का पैसा बहुत समझदारी से जनता की भलाई पर खर्च किया जा रहा है। यह पैसा विकास, स्कूलों, अस्पतालों और सड़कों के उन्नयन के माध्यम से फिर से राज्य पर ही लगाया जा रहा है। सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हमने 90 फीसदी घरों को मुफ्त बिजली प्रदान की है, बिना किसी भ्रष्टाचार के 65,000 से अधिक नौकरियां दी हैं, सड़कों में सुधार किया है, टोल प्लाजा बंद किए हैं, जिससे रोजाना 70 लाख रुपये की बचत हो रही है और बुनियादी ढांचा मजबूत हुआ है। उन्होंने आगे कहा, नहरी पानी का उपयोग 22 फीसदी से बढ़कर 71 फीसदी हो गया है और आने वाले धान के सीजन तक 90 फीसदी तक पहुंच जाएगा। शिक्षा पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मुफ्त सुविधाएं गरीबी को खत्म नहीं कर सकतीं। शिक्षा ही एकमात्र साधन है, जिसके जरिए लोगों को ऊपर उठाया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, विद्या वह प्रकाश है जो अंधकार को दूर करता है, इसलिए हम शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। स्वास्थ्य देखभाल के बारे में भगवंत सिंह मान ने कहा, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत 65 लाख परिवारों को स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हर परिवार 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज का हकदार है, जिसमें 30 लाख से अधिक कार्ड जारी किए जा चुके हैं और अब तक 1.65 लाख इलाज प्रदान किए जा चुके हैं। उन्होंने लोगों से ऐसी लाभकारी योजनाओं का पूरा लाभ उठाने की अपील भी की। बिजली आपूर्ति के बारे में उन्होंने कहा, पहली बार धान के सीजन के दौरान खेतों के ट्यूबवेलों को आठ घंटे से अधिक निर्बाध बिजली आपूर्ति दी गई है। उन्होंने आगे कहा, किसानों को दिन के समय बिजली मिल रही है, जिससे उनके जीवन में बदलाव साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने दोहराया, सरकारी खजाने का एक-एक पैसा जनता के कल्याण के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। सामाजिक कल्याण का उल्लेख करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, मावां-धीयां सत्कार सम्मान योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपये और 18 साल से अधिक उम्र की अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1500 रुपये दिए जा रहे हैं। सभा को संवाद का न्योता देते हुये भगवंत सिंह मान ने कहा, यह कोई राजनीतिक रैली नहीं, बल्कि लोगों से जुड़ने का वास्तविक मंच है। उन्होंने आगे कहा, पिछली सरकारों ने लोगों का विश्वास तोड़ा और राज्य को लूटा, लेकिन बाद में लोगों ने बदलाव के लिए वोट दिया, जिससे स्कूलों, अस्पतालों और अन्य क्षेत्रों में परिवर्तन आया। जैतो की ऐतिहासिक धरती का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, इस पवित्र भूमि ने हमेशा इतिहास रचा है और पंजाब की किस्मत में इसकी उपजाऊ धरती का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने आगे कहा, पारंपरिक नेता चांदी के चम्मच लेकर पैदा हुए थे और उन्होंने देश के लिए न कभी कुछ किया और न ही कोई कठिनाई झेली। उन्होंने कहा, वे मानते रहे कि उनके पास शासन करने का दैवी अधिकार है, लेकिन लोकतंत्र में जनता ही सर्वोच्च होती है। सुखबीर सिंह बादल पर निशाना साधते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, शिक्षा और कल्याण पर चर्चा करने के बजाय वे भैंसों की बात करते हैं, जो एक संकीर्ण मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, कई अवसर मिलने के बावजूद उन्होंने राज्य को लूटा और इसी कारण लोगों ने उन्हें नकार दिया। विपक्ष के आचरण की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान कहा, वास्तविक मुद्दे उठाने के बजाय वे आरोप-प्रत्यारोप और कीचड़ उछालने में लगे हैं और राज्य के कीमती संसाधनों को लूटने के अपने अवसर का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, उनका एकमात्र उद्देश्य सत्ता हासिल करना है, जनता का कल्याण नहीं। 'आप' के एजेंडे को दोहराते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, हम शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और कृषि की बात करते हैं, जबकि अन्य सत्ता हथियाने की रणनीतियों में लगे हैं। उन्होंने आगे कहा, उनका एजेंडा परिवार का कल्याण है, हमारा जनता का कल्याण। उन्होंने कहा, पिछली सरकारों के कुशासन के कारण लोगों ने आम आदमी पार्टी को चुना, जो लगातार मेहनत कर रही है। लोगों को पिछली सरकारों की याद दिलाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान कहा, पारंपरिक पार्टियां कभी भी पंजाब के प्रति वफादार नहीं रहीं। उन्होंने आगे कहा, वे ईर्ष्या करते हैं क्योंकि 'आप' ने कल्याण का एजेंडा तय किया है। उन्होंने आगे कहा, सुखबीर सिंह बादल को पंजाब की बुनियादी भौगोलिक स्थिति के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है। अन्य नेताओं पर निशाना साधते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, कैप्टन अमरिंदर सिंह और उनका परिवार लगातार पंजाब विरोधी ताकतों के साथ खड़ा रहा है। उन्होंने आगे कहा, आप व्यवस्था बदलने के लिए बनाई गई थी और इसके नेतृत्व में पंजाब शिक्षा और स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। राष्ट्रीय मुद्दों पर भगवंत सिंह मान ने कहा, देश पर शासन करने वालों को जनता के कल्याण की जानकारी नहीं है। उन्होंने आगे कहा, देश का नेतृत्व एक ऐसे व्यक्ति कर रहे हैं जो अधिक समय विदेशों में बिताते हैं और जमीनी हकीकत से दूर हैं। उन्होंने कहा, एलपीजी और तेल संकट का अनुमान पहले ही लगाया जाना चाहिए था। इससे पहले, 'आप' पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने कहा, यह बहुत गर्व की बात है कि भगवंत सिंह मान सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री साबित हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, वे जनता के कल्याण के लिए काम करने वाले एकमात्र मुख्यमंत्री हैं और पार्टी बड़े बहुमत के साथ फिर से सत्ता में आएगी। इस दौरान स्पीकर कुलतार सिंह संधवां, कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर और डॉ. बलबीर सिंह सहित अन्य लोग भी मौजूद थे।

स्वीपिंग मशीनों की निगरानी के लिए अब कैमरे लगेंगे, हरियाणा में सफाई कर्मचारियों की एक जैसी ड्रेस होगी लागू

चंडीगढ़,। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा भर में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाएं जाने के लिए स्थान ढूंढने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान कई स्थानों पर जलभराव की समस्या सामने आती है, इसलिए इससे निपटने के लिए अभी से पुख्ता इंतजाम किए जाएं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सोमवार को सचिवालय में शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने बारिश से पहले होने वाली ड्रेन को सफाई, जल निकासी व्यवस्था और सफाई व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि जहां-जहां जल निकासी में दिक्कत है, उन स्थानों की पहचान कर वहां वैकल्पिक उपाय अपनाए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि ऐसे स्थानों पर वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के विकल्प तलाशे जाएं, ताकि वर्षा जल का संचयन हो सके और जलभराव की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में वॉटर हार्वेस्टिंग से जुड़ा पूरा और अपडेटेड डेटा तैयार किया जाए। इसमें यह जानकारी शामिल हो कि कहां-कहां वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगे हुए हैं, उनमें से कितने सही तरीके से काम कर रहे हैं और किन स्थानों पर इन्हें लगाने की आवश्यकता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी सरकारी विभागों में इन सिस्टम्स को सही तरीके से लागू किया जाए और जहां यह अभी तक नहीं लगे हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर इन्हें स्थापित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जलभराव वाले क्षेत्रों में इसे विशेष रूप से लागू करना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में प्रदेश की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आधुनिक तकनीक, विशेष रूप से आरआईएफडी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, जिससे कार्यों की निगरानी और पारदर्शिता बढ़ी है। इस दिशा में लगातार सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जीपीएस आधारित कचरा कलेक्शन सिस्टम की भी समीक्षा की और इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रणाली में आरआईएफडी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, जिससे कचरा संग्रहण की प्रक्रिया को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाया जा रहा है। स्वीपिंग मशीनों की निगरानी को और मजबूत बनाने के लिए विभाग द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा देते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन मशीनों पर चार कैमरे लगाए जाएंगे। एक आगे की ओर, एक ऊपर, एक नीचे और एक पीछे की ओर। उन्होंने कहा कि यदि सफाई के दौरान मशीन का नीचे लगा सेंसर बंद पाया जाता है, तो संबंधित एजेंसी को भुगतान नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही, अब एजेंसियों को हर महीने अपने बिल के साथ काम से संबंधित वीडियो फुटेज भी जमा करनी होगी, ताकि जरूरत पड़ने पर उसकी जांच की जा सके। इसके साथ ही इस व्यवस्था में 1250 रुपये प्रति घंटे के हिसाब से पेनल्टी का प्रावधान किया गया है, जिससे एजेंसियों की जवाबदेही तय होगी और काम में लापरवाही नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मचारियों की सुविधाओं पर भी जोर देते हुए निर्देश दिए कि उन्हें ड्रेस, जूते और अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा और सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि वे बेहतर तरीके से अपना कार्य कर सकें। खास बात यह है कि पूरे हरियाणा में कार्यरत सेनेटरी वर्करों के लिए एक जैसी ड्रेस लागू करने को मुख्यमंत्री ने कहा है। बैठक में गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे बड़े शहरों में सफाई व्यवस्था, जल निकासी और पानी की उपलब्धता को लेकर भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन शहरी क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मेरठ में अवैध हथियार निर्माण यूनिट का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। एनआर-द्वितीय यूनिट ने मेरठ में एक अवैध हथियार निर्माण यूनिट का भंडाफोड़ किया। इस अभियान में दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इंस्पेक्टर नीरज शर्मा के नेतृत्व और एसीपी गिरीश कौशिक के पर्यवेक्षण में टीम ने सफलता हासिल की। क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि मेरठ से दिल्ली में बड़ी मात्रा में अवैध हथियारों की आपूर्ति हो रही है। इस सूचना पर 19 मार्च को बदली रेलवे स्टेशन, दिल्ली के पास हसीर उर्फ शूटर को गिरफ्तार किया गया। उसकी तलाशी में दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, एक पेन पिस्टल और छह जिंदा कारतूस मिले। पूछताछ में हसीर ने बताया कि वह मेरठ निवासी परवेज उर्फ फरू से हथियार लाता था। बुधवार को अदालत से तीन दिन की पुलिस रिमांड लेकर जांच शुरू की गई। एसीपी गिरीश कौशिक के नेतृत्व में विशेष टीम मेरठ रवाना हुई। गुरुवार को टीम ने परवेज उर्फ फरू के घर पर छापा मारा और उसे भागने की कोशिश करते हुए पकड़ लिया। घर की तलाशी में, ऊपरी मंजिल से भारी मात्रा में अवैध हथियार और उपकरण बरामद हुए। इनमें चौबीस अवैध पेन पिस्टल, अठहत्तर मैग ?ीन, तीन बैरल, तीन स्लाइड, तीन पिस्टल बॉडी, अन्य छोटे पुर्जे और ड्रिल मशीन शामिल थे। सभी सामान को विधि अनुसार जब्त कर लिया गया। इस कार्रवाई में कुल पच्चीस पेन पिस्टल बरामद हुईं, जो सामान्य पेन जैसी दिखती हैं और भीड़भाड़ वाले इलाकों में घातक हो सकती हैं।

NAME CHANGE

I, BHARAT BHUSHAN MAHAJAN S/O SURENDER KUMAR GUPTA R/O E-7 TOP FLOOR GALI NO 3 CHANDER NAGAR KRISHNA NAGAR DELHI 110051, CHANGED THE NAME OF MY MINOR DAUGHTER FROM SUNAKSHI GUPTA TO SAMRIDHI MAHAJAN FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE

I, BHARAT BHUSHAN MAHAJAN S/O SURENDER KUMAR GUPTA R/O E-7 TOP FLOOR GALI NO 3 CHANDER NAGAR KRISHNA NAGAR DELHI 110051, CHANGED THE NAME OF MY MINOR SON FROM KARTIK GUPTA TO KARTIK MAHAJAN FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE

I,BHARAT BHUSHAN GUPTA S/O SURENDER KUMAR GUPTA R/O E-7 TOP FLOOR GALI NO 3 CHANDER NAGAR KRISHNA NAGAR DELHI 110051, CHANGED MY NAME TO BHARAT BHUSHAN MAHAJAN FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE

I, SHYAM SHUNDAR Father of NO-14661062K, Rank-HAV Name-GIRJIA SHANKAR residing at VILL-PANAPAR, PO-BHANSHA BAZAR, TEHSIL-KHAJNI, DIST-GORAKHPUR, UTTAR PRADESH-273212, have changed my name from SHYAM SHUNDAR to SHYAM SUNDER SHUKLA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1951 instead of my correct date of birth as 01/09/1952 Vide Affidavit No- DL87786643023611Y dated 04/04/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, SATYAWATI DEVI Mother of NO-14661062K, Rank-HAV Name-GIRJIA SHANKAR residing at VILL-PANAPAR, PO-BHANSHA BAZAR, TEHSIL-KHAJNI, DIST-GORAKHPUR, UTTAR PRADESH-273212, have changed my name from SATYAWATI DEVI to SATYAWATHI SHUKLA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1955 instead of my correct date of birth as 06/01/1954 Vide Affidavit No- DL87787472544550Y dated 04/04/2026 before Notary Public Delhi.

COURT NOTICE
IN THE COURT OF SH. VIJAY KUMAR JHA, LD. PO (MACT)-01 ROOM NO. G-2, GROUND FLOOR, NEW COURT BUILDING SHAHDARA DISTRICT, KARKARDOOMA COURT, DELHI
MACT NO. 207/2022
SHAISTA SARFARAJ ANSARI VS. BALWANT SINGH
TO,
1. Satish KUMAR S/O SITARAMR/O LALPUR SHIMLA PISOTA UDHAM SINGH UTTRAKHAND

TO,
2. BALWANT SINGH S/O RAJENDER SINGH
R/O VILLAGE RAY NAVADA, PS BAHDI DISTT. BAREILY

WHEREAS the above claim petition under the Motor Vehicle Act is pending before the Court of undersigned and you are intentionally evading service of summons, it is hereby informed through this notice to appear in person before this Court on the next date of hearing i.e. **04.05.2026 at 10.00 AM.**

PO (MACT),01, SHD, KKDShahdara Distt., Karkardooma Courts DELHI

NAME CHANGE

I, Siddhant Kumar S/o Suman Kumar R/o A-65, 3rd Floor, Gali No.9, Chander Vihar, Mandawali Fazalpur, Delhi-110092 have changed my name to Sidhant Kumar.

Date of Birth

I, Rukiya Shekh W/O Musa Shekh R/O 324-A, First Floor, Hari Nagar, Ashram, PO Jungpura, Distt. South Delhi, Delhi-110014 declare that the real and correct Date of Birth is 01.01.1973.

NAME CHANGE

I, Rukiya Shekh W/O Musa Shekh R/O 324-A, First Floor, Hari Nagar, Ashram, PO Jungpura, Distt. South Delhi, Delhi-110014 declare that the real and correct name of my father is Romjan Mandal instead of Ramzaan Shekh.

NAME CHANGE

I, POONAM W/O PAWAN SAHNI R/O H NO-C-27, GROUND FLOOR, GALI NO-3, RADHEY PURI, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051, have Changed my name to POONAM SAHNI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, PAWAN KUMAR S/O CHUNNI LAL R/O H NO-C-27, GROUND FLOOR, GALI NO-3, RADHEY PURI, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051, have Changed my name to PAWAN SAHNI for all future purpose.

NAME CHANGE

I , LOKESH KUMAR S/o GOPI CHAND R/o 1/9786 , Gali No. 1 A , Babarpur Road West Gorakh Park , Vtc : Shahdara S.O Dist : East Delhi , State : Delhi , 110032 , have changed the name of my minor son KAVY BHARDWAJ aged 6 years and he shall hereafter be known as KIYANSH BHARDWAJ .

NAME CHANGE

I, GEETA GUPTA W/O BHARAT BHUSHAN MAHAJAN R/O E-7 TOP FLOOR GALI NO 3 CHANDER NAGAR KRISHNA NAGAR DELHI 110051, CHANGED MY NAME TO GEETA MAHAJAN FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE

I , Anuj Kumar S/O Dharam Singh R/O M.N. 21, GALI NO 1, SIDDHARTH NAGAR, Meerut, Meerut, Uttar Pradesh-250004, have changed the name of my minor daughter Shrishthi Rani aged 10 years and she shall hereafter be known as SRISHTI RANI.

NAME CHANGE

I, Md Nigar Alam S/o Md Shamshul Haque R/o H.No.C-16, Bajrangbali Mohalla, Maujpur, Shahdara, Bhajanpura, Delhi-110053 have changed my name to Mohd Nigar Alam.

NAME CHANGE

I, ANTONY FRESHOW S/O LUCAS DASS R/O H.No. F-146, FOURTH FLOOR, KILOKARI VILLAGE, JEEVAN NAGAR, NEW DELHI-110014 have changed my name from ANTONY FRESHOW to ANTONY FRESHOW LUCAS for all future purpose

NAME CHANGE

I, DHANESH DOBHAL S/O NARENDRA KUMAR DOBHAL R/O 217 DDA FLAT D-BLOCK POCKET-3 BINDAPUR UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 have changed the name of my minor son ATHRAV DOBHAL aged 14 years and he shall hereafter be known as ATHARV DOBHAL.

NAME CHANGE

It is for general information that I, ANUSUYA PRASAD S/O MOLAK RAM, Permanently Residing at- VILLAGE BARMWARI, NAG JAGAYI, RUDRAPRAYAG, UTTARAKHAND-246419, Presently Residing at-HQ DGBR, SEEMA SADAK BHAWAN RING ROAD NARAINA, NEW DELHI-110010 declare that name of mine has been wrongly written as ANSUYA PRASAD in my Service Records. The actual name of my mine is ANUSUYA PRASAD, which may be amended accordingly.

Public Notice

It is for general information that I Khushi Mavi D/O: Devender Kumar Mavi, R/O G -111 T/F, KH no -1076 /5/2/859, Near Seelampuri Gol Chakkar, Dilshad Colony, Old Seemapuri, PO: jhilmil, DIST: East Delhi, Delhi-110095, declare that name of my father has been wrongly written as Devender Mavi in my 10th Class educational documents. The actual name of my father is Devender Kumar Mavi, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Savita W/O Ramesh Kumar R/O H No-570 VPO Kanhai Sector-45 Gurgaon 122001 I Have Change My Name To Sabita.

NAME CHANGE

I Sandeep S/O Ramesh R/O H No-570 VPO Kanhai Sector-45 Gurgaon 122001 I Have Change My Name To Sandeep Yadav.

NAME CHANGE

I hitherto known as NEETU W/o PARUL KAUSHIK R/o House No 594, Gali No 6, Village Sarfabad, Sector-73, Sharfabad, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304 have changed my name and shall hereafter be known as SWATI KAUSHIK.

NAME CHANGE

I, MANUEL ROZARIO S/o FRANCIS ROZARIO R/o House Number-C-96, Nandgram, Ghaziabad, P.O : Ghaziabad Dist.: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall hereafter be known as MANUEL THOMAS ROZARIO.

NAME CHANGE

I, DOLLY JOJI alias DOLLY GEORGE D/o GEORGE W/o JOJI MATHEW R/o S1/15 Nidhi Fantassi, Shalimar Garden Extn.-1, Near 150 Futa Road, Sahibabad, PO : Sahibabad, Dist.: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005, have changed my name and shall hereafter be known as DOLLY JOJI.

NAME CHANGE

I, KEMPE GOWDA Father of No-16113690L Rank-HAV Name-VEERABHADRA Presently residing at MANDYA TALLUK, URAMARKASALAGERE, KALENAHALLI, KRISHNARAJPET MANDYA, KARNATAKA-571402, have changed my name from KEMPE GOWDA to KEMPEGOWDA for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of my correct date of birth as 01/01/1948 vide Affidavit dated 04/04/2026 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, MAHADEVAMMA Mother of No-16113690L Rank-HAV Name-VEERABHADRA Presently residing at MANDYA TALLUK, URAMARKASALAGERE, KALENAHALLI, KRISHNARAJPET MANDYA, KARNATAKA-571402, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1964 vide Affidavit dated 04/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I MANOHER DEVI GAMBHIR W/o KRISHAN GAMBHIR , R/o A-601, SECTOR-19 NOIDA , UTTAR PARDESH have Changed my Name From MANOHAR DEVI GAMBHIR to MANOHER DEVI GAMBHIR for all future purposes.

NAME CHANGE

I Army no - 15228463F, Rank - Hav, Name - Choutipalle Narendra, Father of Choutipalle Ruthvika Presently residing, At - Gundampadu, Post-Gundampadu, Teh - Sirivella, Dist - Nandyal, State - Andhrapradesh, Pin - 518583, have changed my minor daughter's name from Choutipalle Ruthvika to Choutipalle Rithvika for all future purposes Vide Affidavit dated 04/04/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I,SHAHJAN KHATOON W/O MOHD DILSHAD R/O B-674 GALI NO-8 SUBHASH MOHALLA NORTH EAST DELHI-110053,Have Changed My Name To SHAJANA KHATOON

NAME CHANGE

I, BHARAT SETHI S/O AMAR NATH SETHI R/O FC-36 SHIVAJI ENCLAVE TAGORE GARDEN DELHI 110027, CHANGED MY NAME TO BHARAT BHUSHAN SETHI.

NAME CHANGE

I, MOHAMMED FARHAN S/O NAEEM NAQI R/O H NO-1820, GALI CHABUK SAWAR, LAL KUAN, DELHI-110006, have changed my name to MOHD FARHAN for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed that my client Ashish Kumar S/o Late Sh. Bhimpal Singh R/oH.No.293 First & Second Floor MCD School Village Gopal Pur New Delhi-110009, has disowned/disentitled his relationship with his Brother namely Aditya Choudhary S/o Late Sh. Bhimpal Singh, R/oH.No.293 First & Second Floor MCD School Village Gopal Pur New Delhi 110009 also severed his relations with him. My client shall not responsible of any acts, deeds and things done by his Brother above named in future. Any person dealing with him shall be doing so at his own costs, risk and consequences.

Rohit Yadav Advocate
Chamber No 180-A, PATIALA HOUSE COURT,
NEW DELHI-110001.

NAME CHANGE

I hitherto known as Reeta Devi W/O Ram Vijay, R/O 192, pasi tola, Gahira, PO: Gahira, DIST: Gorakhpur, Uttar Pradesh - 273202, have changed my name and shall hereafter be known as RITA DEVI.

NAME CHANGE

I, Yogendar S/O Chandar Bhan, R/O 251, SHRI KASHIRAM JI AWAS KS, KAJIPUR, Meerut, Navinmandi, Uttar Pradesh 250002, have changed the name of my minor daughter Siya Singh aged 16 years and she shall hereafter be known as Shivani Singh.

Public Notice

I, Mr. Rakesh Kumar Yadav, (Aadhar card no. 3516 9389 5139) S/o Sh. Jagdish Chander Yadav R/o FLAT NO-377, DIAMOND SQUARE C.G.H.S. LTD, PLOT NO-13 A SECTOR-6 DWARKA, Dwarka Sec-6 S.O, South West Delhi, Delhi -110075, Declared that my father Sh. Jagdish Chander Yadav Alias Jagdish Chand S/o Ram Chander Yadav expired, on dated 06-11-2024.That he had left behind the Following Legal Hiers: 1. Rajesh Kumar Yadav, 2. Rakesh Kumar Yadav, 3. Birjesh Kumar Yadav, (Sons), 4. Savita (Daughter). That There are no other legal heirs of Late Sh. Jagdish Chander Yadav. That If anyone having any objection regarding this, he/she can raise objection within 30 days from the date of the publication in the office of Municipal corporation, Gurugram, Haryana.

Public Notice

It is for general information that I, PRABHJOT SINGH AHLUWALIA S/o BRIJ RAJINDER PAL SINGH AHLUWALIA, R/o I-503, ADITYA MEGA CITY, VAIBHAV KHAND, VTC: Indirapuram, PO: Shipra Sun City. District: Ghaziabad, State: Uttar Pradesh - 201014, declare that name of my father has been wrongly written as R P SINGH in my class 10th and 12th educational documents. The actual and correct name of my father is BRIJ RAJINDER PAL SINGH AHLUWALIA, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की, दुलम दास, आयु लगभग 52 वर्ष पुत्र श्री कैलाश यादव और श्रीमती कमला देवी, आयु लगभग 51 वर्ष, पत्नी श्री दुलम दास, दोनों निवासी मकान संख्या D-3/37, शिव दुर्गा विहार, लकड़पुर, सूरजकुंड, फरीदाबाद, सूरजकुंड, हरियाणा-121009 ने अपने दोनों पुत्रो (1) श्री परवेश यादव, आयु लगभग 28 वर्ष, और उसकी पत्नी (हमारी पुत्रवधू) श्रीमती रागिनी यादव, (2) श्री सर्वेश यादव, आयु लगभग 27 वर्ष, और उसकी पत्नी (हमारी पुत्रवधू) श्रीमती रिया यादव सहित अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है आज से हमारा और हमारे परिवार का उन सबसे किसी भी प्रकार का लेंन देंन नहीं रहा है अगर कोई भी उन सबसे किसी भी प्रकार का लेन देन करेगा वह स्वंम जिम्मेदार होगा।

PUBLIC NOTICE

My Clients Murari & his wife Kusum Lata Both R/O H. No. J-236, Dakshinpuri, New Delhi-110062, have severed all relations and disowned their son Sunil & his wife Shivani, from all their Movable/ Immovable properties due to their misconduct. My clients shall not be responsible for their acts in the future.

S.K.SHARMA Advocate
Chamber No. 431
Lawyers Block,
Saket Courts Complex,
New Delhi-110017

NAME CHANGE

I hitherto known as ABHIRAJ SINGH S/o SHAMBHU PRASAD SINGH R/o H.No - 3450 GRD Flr , Kh No - 124/25 , G No - 91 , B - Blk , Sant Nagar , Burari , PO : Burari , Dist : North Delhi , Delhi, 110084 have changed my name and shall hereafter be known as CHUNCHUN KUMAR SINGH .

NAME CHANGE

I hitherto known as BABAN SAH S/o DOMA SAH Residing at 65 B, Rajan Vihar, Hastal Village, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi - 110059 have changed my name and shall hereafter be known as BABBAN SAH.

NAME CHANGE

It is for general information that I PARSHANT KUMAR S/o RANJEET SINGH R/o H. No – 504 , Gali No . 29 , VTC : Harsh Vihar , Dist : North East , Delhi – 110093 declare that the name of mine has been wrongly written as PRASHANT KUMAR in my minor son namely HEMANT SHARMA aged 16 years in his Aadhar No. 6518 0235 1427 and name of mine and my minor son has been wrongly written as PRASHANT KUMAR and HEMANT in his 10th Class Educational Documents . The actual name of mine and my minor son are PARSHANT KUMAR and HEMANT SHARMA Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as MOHAMMAD SHAIZAD S/o ABDUL RAJJAK R/O C - 4/188 LNJP Colony Ranjit Singh Marg , Guru Nanak Hospital , New Delhi 2 , Darya Ganj , Dist : Central Delhi , Delhi , 110002 have changed my name and shall hereafter be known as MOHD SHAIZAD.

NAME CHANGE

I hitherto known as SAMUDRA DEVI D/o KIRPAL SINGH W/o BALWANT SINGH R/o C – 42 , D.T.C Colony Rana Pratap Bagh Delhi , Near Nanak Piao , Gurudwara , Dr. Mukerjee Nagar S.O , North West Delhi , Delhi , 110009 have changed my name and shall hereafter be known as SAMODRA DEVI

NAME CHANGE

I hitherto known as KHUSNUR W/o MOHD SHAFIK ANSARI R/o B - 2 - 70 , Madangir , Dr. Ambedkar Nagar , PO : Pushpa Bhawan , Dist : South Delhi , Delhi , 110062 have changed my name and shall hereafter be known as KHUSHNOOR .

NAME CHANGE

I hitherto known as Natasha W/O Santosh Kumar, R/O house no 119, word no 4, near railway fatak, Sahawar, PO: Sahawar, DIST: Kasganj, Uttar Pradesh - 207245, have changed my name and shall hereafter be known as Sarita Devi.

COURT NOTICE
IN THE COURT OF SH. VIJAY KUMAR JHA, LD. PO (MACT)-01 ROOM NO. G-2, GROUND FLOOR, NEW COURT BUILDING SHAHDARA DISTRICT, KARKARDOOMA COURT, DELHI
MACT NO. 288/2022
KAUSHAR JAHAN VS. NATIONAL INSURANCE CO. LTD.
TO,
1. SANJAY S/O OMPRAKASH R/O VILLAGE KAL MUSTJA MRAHRA HASSANPUR JYOTIBA PHULE NAGAR, AMROHA-2442335
TO,
2. LOKESH S/O LAKHPAT DISTT. AMROHA R/O SITA JAGEDPUR, PS GAJROLA-244235 PHULE NAGAR, AMRONA-2442335

WHEREAS the above claim petition under the Motor Vehicle Act is pending before the Court of undersigned and you are intentionally evading service of summons, it is hereby informed through this notice to appear in person before this Court on the next date of hearing i.e. **04.05.2026 at 10.00 AM.**

PO (MACT),01, SHD, KKDShahdara Distt., Karkardooma Courts DELHI

NAME CHANGE

I hitherto known as R. P. RAI S/O BALSHWAR RAI R/O 123/9 NITI VIHAR, KIRARI SULEMAN NAGAR, NEW DELHI, 110086, have changed my name and shall hereafter be known as Ram Parvesh Rai.

NAME CHANGE

I hitherto known as SUMIRAN S/O MAHADEV R/O I-243 BLOCK-I QTR NO -241T 260 CHIRY COLONY PUSHA KAROL BAGH, DELHI 110005, have changed my name and shall hereafter be known as Sumrain.

NAME CHANGE

I, MOHD TOUHEED S/O SHAUKAT ALI, residing at H NO - 2961, GALI NAL WALI, SHAHGANJ, AJMERI GATE, DELHI-110006, have changed my name to TOHEED for all future purpose.

NAME CHANGE

I Ishita D/o Vipin Kumar Rajpal R/o House No. 914, Sector 7, EXTN, Gurgaon - 122001 have changed my name to Ishita Rajpal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SHITAL W/O NO-JC463213W RANK- NB SUB, NAME- SHINDE SACHIN TANAJI, Presently residing VILL- RANAND,POST -RANAND, TEH- MAN,DIST- SATARA (MAHARASHTRA)-415508 Have Changed my name from SHITAL TO SHINDE SHITAL SACHIN and Date of Birth from 07/04/1993 for all future purpose vide affidavit dated 02/03/2026 Before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SUREKHA M/O NO-JC463213W RANK- NB SUB NAME- SHINDE SACHIN TANAJI Presently residing VILL- RANAND,POST -RANAND,TEHMAN,DIST- SATARA, (MAHARASHTRA)-415508 Have Changed my name from SUREKHA TO SUREKHA TANAJI SHINDE and Date of Birth from 01/06/1954 for all future purpose vide affidavit dated 02/03/2026 Before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, TANAJI F/O NO-JC463213W RANK-NB SUB NAME- SHINDE SACHIN TANAJI Presently residing VILL-RANAND, POST- RANAND,TEH- MAN, DIST- SATARA (MAHARASHTRA)-415508 Have Changed my name from TANAJI TO TANAJI BANDU SHINDE and Date of Birth from 01/06/1953 for all future purpose vide affidavit dated 02/03/2026 Before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, No-16116710Y Rank-NK Name-RAVI PATIL S/O KASHINATH KALLAPPA PATIL residing at VPO- SAMBRA, DISTT- BELGAUM, KARNATAKA-591124 have changed my minor daughter's name from ARADHYA R PATIL to ARADHYA RAVI PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 04/04/2026 before Notary Public Delhi.

(BEDAKHAL)

I, KISHAN CHAND son of TRILOK CHAND declare as under that I disowned my son`s ANKUSH and his wife PINKI DIWAKAR from my all movable/immovable/Patrick properties/assets for his wrong behaviour. I shall not be held responsible for any kind of acts done by him in money or transactions and police cases and criminal activity illegal/legal and property purposes in the future. That he debarred from entering my premises situated at HOUSE NO-H-47, STREET NO-04, GARHWALI MOHALLA, LAXMI NAGAR, DELHI-110092.

NAME CHANGE

I, RUPA DEVI Wife of No-15785638A Rank-NK Name-PANKAJ KUMAR SHUKLA Presently residing at VILL-SHUKLAPURA, PO-DARIYAPUR, TEHARA, DIST-BHOJPUR, BIHAR-802301, have changed my name from RUPA DEVI to RUPA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 04/04/2026 before Notary Public, Delhi.

Public Notice

I MUSKAN D/O SHRI MANOJ KUMAR R/O HOUSE NO WZ- 392 HARIJAN COLONY 80 GAJ TILAK NAGAR WEST DELHI DELHI - 110018 UNDERTAKE THAT I MUSKAN CHANGE MY GENDER AS MALE I MUSKAN HENCEFORTH BE KNOWN AS MAHIR S/O SHRI MANOJ KUMAR THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS TRUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AMD BELIEF IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARD AT ANY STAGE I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATION WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

'ऑपरेशन स्माइल' की सफलताः गुमशुदा महिला व दो बच्चों को सकुशल परिजनों से मिलवाया

एजेंसी
कैथल। हरियाणा पुलिस के 'ऑपरेशन स्माइल' अभियान के तहत जिला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना पूंडरी क्षेत्र से गुमशुदा हुई एक महिला और उसके दो बच्चों को पुलिस टीम ने सकुशल बरामद कर उनके परिजनों के हवाले कर दिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना पूंडरी क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि उसकी पत्नी गत 27 मार्च को कुरुक्षेत्र जाने की बात कहकर घर से निकली थी और दो दिन में लौटने की बात कही थी। महिला अपने साथ कपड़ों का बैग और दोनों बच्चों को भी ले गई थी, लेकिन तय समय के बाद भी वापस नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की और मामला थाना पूंडरी में दर्ज कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए 'ऑपरेशन स्माइल' टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। टीम में पीएसआई सुमित, एसआई ईश्वर सिंह, एसआई राजेंद्र कुमार, लेडी एचसी सरोज, सिपाही मंदीप और महिला सिपाही सोनिया शामिल थे। जांच के दौरान पता चला कि महिला घरेलू परेशानी के चलते बच्चों सहित ट्रेन से मुंबई चली गई थी। पुलिस को सूचना मिली कि किसी व्यक्ति ने उन्हें मुंबई से अमृतसर जाने वाली ट्रेन में बैठा दिया है। इसके बाद पुलिस ने अपने सूचना तंत्र और तकनीकी सहायता से ट्रेन को ट्रेस किया। शनिवार सुबह करनाल रेलवे स्टेशन के पास उक्त ट्रेन से महिला और दोनों बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया गया।

हरियाणा सरकार बनाएगी साइबर सुरक्षा केंद्र

चंडीगढ़। समूचे विश्व में जहां आए दिन साइबर हमलों तथा सर्वर को हैक करने जैसी खबरें आती रहती हैं वहीं हरियाणा सरकार ने साइबर हमले के किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए साइबर सुरक्षा केंद्र की स्थापना का फैसला किया है। राज्य सरकार बहुत जल्द हरियाणा डिजिटल कवच-साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने जा रही है। हरियाणा सरकार द्वारा पंचकूला में प्रदेश स्तरीय डायल 112 केंद्र स्थापित किया गया है। इसके अलावा साइबर सिटी गुरुग्राम में कई विदेशी कंपनियों के कॉल सेंटर चल रहे हैं। भविष्य के संभावित खतरे से निपटने के लिए हरियाणा सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। साइबर सुरक्षा के मद्देनजर हरियाणा डिजिटल कवच-साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई गई है। यह केंद्र सभी विभागों के लिए 24 घंटे सातों दिन थ्रेट इंटेलिजेंस, घटना होने की सूरत में त्वरित प्रतिक्रिया देने, घटना न हो इसके लिए सुरक्षा मानक को पहले से लागू किया जाएगा। इस केंद्र की सबसे खास बात यह होगी कि इस केंद्र के माध्यम से संबंधित विभागों में नियमित रूप से सुरक्षा परीक्षण किया जाएगा। हरियाणा सरकार आने वाले समय में 70 विभागों की 1000 योजनाओं तथा सेवाओं को मर्ज करने जा रही है।

हरियाणा में शुरू होंगी ग्रुप डी की भर्तियां

चंडीगढ़। हरियाणा में जल्द ही ग्रुप डी की भर्तियां शुरू होने जा रही हैं। इन पदों पर भर्ती हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) के माध्यम से की जाएगी। सरकार ने चौकीदार और सफाई कर्मचारी के पदों को छोड़कर बोर्डों, निगमों, वैधानिक निकायों तथा सरकारी नियंत्रण वाली अन्य संस्थाओं में ग्रुप-डी के सभी रिक्त पदों को भरने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी प्रशासनिक सचिवों तथा बोर्डों और निगमों के प्रबंध निदेशकों को पत्र लिखकर अपने-अपने विभागों और संबद्ध संस्थाओं में ग्रुप-डी के रिक्त पदों का विस्तृत विवरण भेजने के निर्देश दिए हैं। सभी विभागों को कहा गया है कि वे निर्धारित प्रारूप में 10 अप्रैल, 2026 तक आवश्यक जानकारी मुहैया कराएं। मांगी गई जानकारी में स्वीकृत पदों की संख्या, नियमित कर्मचारियों द्वारा भरे गए पद, अनुबंध कर्मचारियों, खास तौर से हरियाणा अनुबंध कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) अधिनियम, 2024 के तहत आने वाले कर्मचारियों द्वारा भरे गए पद तथा शेष रिक्त पदों की कुल संख्या शामिल है। पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय-सीमा तक जानकारी प्राप्त न होने की स्थिति में यह मान लिया जाएगा कि संबंधित संस्था में कोई रिक्त पद उपलब्ध नहीं है।

पुलिस कांस्टेबल भर्ती को 15 अप्रैल से शुरू होगा पीएमटी

चंडीगढ़। हरियाणा में पुलिस कांस्टेबल भर्ती के लिए पीएमटी की परीक्षा हेतु युवाओं का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। प्रदेश में 15 अप्रैल से फिजिकल मेजरमेंट टेस्ट (पीएमटी) शुरू होगा। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर इस बार में जानकारी दी। आयोग चेयरमैन ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि अब इंतजार खत्म, पीएमटी 15 अप्रैल 2026 से आयोजित किया जाना संभावित है। पीएमटी के लिए एडमिट कार्ड जल्द ही आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। आयोग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस परीक्षा में करीब ढाई लाख युवा भाग लेंगे। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। खेल विभाग के सहयोग से पंचकूला के सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में बॉस्केटबाल और वॉलीबाल हॉल को आरक्षित किया गया है। वहीं लंबे टेस्ट शेड्यूल के लिए ड्यूटी देने को खेल विभाग से कोच भी मांगे हैं।उल्लेखनीय है कि हरियाणा सरकार ने हाल ही में पुलिस सिपाही भर्ती निकाली है। हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन ने 5,500 पदों पर पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है।

जींद में सीएम नायब सैनी की हुंकार

माता रानी का आशीर्वाद और नॉनस्टॉप विकास

एजेंसी
जींद। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को जींद में आयोजित 'धन्यवाद एवं विकास रैली' के दौरान विपक्ष पर कड़ा प्रहार करते हुए प्रदेश के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने जनता को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि आने वाले समय में हरियाणा में विकास की गति थमेगी नहीं, बल्कि 'नॉनस्टॉप' जारी रहेगी। रैली के दौरान मुख्यमंत्री ने आम जनता, विशेषकर शहरी उपभोक्ताओं के लिए एक क्रांतिकारी घोषणा की। सरकार ने रसोई गैस (PNG) पाइपलाइन बिछाने के लिए लिए जाने वाले लीज रेंट को 3 लाख रुपये प्रति किलोमीटर से घटाकर मात्र 1,000 रुपये प्रति किलोमीटर करने का निर्णय लिया है। 'हमारा लक्ष्य प्रदेश में 13 लाख नए क्क्षत कनेक्शन प्रदान करना है। इस फैसले से न केवल गैस कंपनियों को विस्तार करने में आसानी होगी, बल्कि आम आदमी तक सस्ती और निर्बाध रसोई गैस पहुंच सकेगी।' –

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

प्रदेश में ईंधन की किल्लत की किसी भी अफवाह पर विराम लगाते हुए मुख्यमंत्री ने जनता को आश्वस्त किया कि हरियाणा में पेट्रोल, डीजल और गैस की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार आपूर्ति श्रृंखला (Supply Chain) पर कड़ी नजर रख रही है और उपभोक्ताओं को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

चुनावी तेवर दिखाते हुए सीएम सैनी ने कांग्रेस की आंतरिक कलह पर तीखा तंज कसा। अपनी क्षेत्रीय बोली के पुट के साथ उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के विधायक भी इब कांग्रेस म्ह नी रहंदे।' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के भीतर भारी असंतोष है और उनके अपने नेता ही अब पार्टी की नीतियों से खुश नहीं हैं।

विकास का 'जींद मॉडल'

मुख्यमंत्री ने जींद की धरती से संकल्प लिया किः

आशीर्वाद : जीत और विकास का आधार 'माता रानी का आशीर्वाद' है।

नेतृत्व : भाजपा का 'नायाब नेतृत्व' प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

विस्तार : प्रदेश के हर कोने में इंफ्रास्ट्रक्चर और जनकल्याणकारी योजनाओं का जाल बिछाया जाएगा।

इस रैली ने न केवल आगामी राजनीतिक दिशा तय की है, बल्कि 'लीज रेंट' में कटौती जैसे फैसलों से सरकार ने मध्यम वर्ग को सीधा संदेश देने की कोशिश की है कि उनकी प्राथमिकता सुशासन और किफायती सुविधाएं प्रदान करना है।

हला-चीका क्षेत्र में नशा तस्करों के ठिकानों पर सर्च अभियान, सात टीमों में 60 पुलिस कर्मियों ने 60 घरों की जांच

एजेंसी
कैथल। नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के तहत जिला पुलिस ने थाना गुहला और थाना चीका क्षेत्र में व्यापक सर्च अभियान चलाया। इस दौरान संदिग्ध नशा तस्करों के घरों व अन्य ठिकानों की गहन जांच की गई। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देश तथा डीएसपी कुलदीप बेनीवाल के नेतृत्व में सुबह यह अभियान चलाया गया। थाना गुहला के एसएचओ पीएसआई शनेष की टीम ने गांव चाणचक, दाबनखेड़ी, रत्ताखेड़ा और अंगौध में तलाशी अभियान चलाया, जबकि थाना चीका के एसएचओ एसआई संदीप कुमार की टीम ने चीका की विभिन्न कॉलोनियों और गांव कल्लरमाजरा में सर्च ऑपरेशन किया। इस अभियान में कुल सात टीमों के करीब 60 पुलिसकर्मी शामिल रहे, जिन्होंने लगभग 60 घरों की जांच की। पुलिस ने यह सुनिश्चित करने के लिए छानबीन की कि कहीं किसी स्थान पर मादक पदार्थ छिपाकर तो नहीं रखा गया है या कोई व्यक्ति गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त तो नहीं है। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य जिले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और नशा तस्करों व अपराधियों में डर पैदा करना है। उन्होंने कहा कि पुलिस का लक्ष्य कैथल जिले को नशा मुक्त बनाना है और इसके लिए लगातार सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। अभियान के दौरान पुलिस ने स्थानीय लोगों को भी जागरूक करते हुए अपील की कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की नशा तस्करी या आपराधिक गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।एसपी ने चेतावनी दी कि नशे के कारोबार से अर्जित अवैध संपत्ति की भी जांच की जा रही है और ऐसे मामलों में संपत्ति को अटैच किया जाएगा।

मंडियों में किसानों की सुविधा के लिए 24 घंटे कटेंगे गेट पासः डॉ राजा शेखर वंडरु

एजेंसी
नारनौल। रबी फसल खरीद को सुचारू और किसान हितैषी बनाने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ राजा शेखर वंडरु ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मंडियों में किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार मंडियों में 24 घंटे गेट पास जारी करने के आदेश लागू किए गए हैं, ताकि किसानों को फसल लेकर आने पर अनावश्यक इंतजार का सामना न करना पड़े। डॉ वंडरु शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने जिले में रबी फसल की खरीद, अब तक की आवक और प्रशासनिक तैयारियों को लेकर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक के बाद अतिरिक्त मुख्य सचिव ने नारनौल और महेंद्रगढ़ की अनाज मंडियों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद किसानों और आढ़तियों से सीधा संवाद कर फीडबैक लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मंडियों में पेयजल, बिजली, छाया और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं पूरी तरह दुरुस्त रखी जाएं। उन्होंने कहा कि फसल की खरीद के साथ-साथ उसका समय पर उठान और किसानों के बैंक खातों में भुगतान प्रक्रिया भी सुनिश्चित की जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉ वंडरु ने कहा कि सरकार किसानों की सुविधा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सभी अधिकारी इस दिशा में गंभीरता से कार्य करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मंडियों में पारदर्शिता बनाए रखते हुए किसानों की समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए।

रबी की फसलों की खरीद के लिए 24 घंटे खुली रहेंगी मंडिया : बड़ौली

एजेंसी
चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहाकि नायब सैनी सरकार में किसान हित सर्वोपरि है। रबी फसलों को खरीदने के लिए नायब सैनी सरकार का मंडियों को 24 घंटे खुले रखने का निर्णय किसानों के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि किसान हमेशा से हमारे देश का आधार रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी किसानों को समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा ही किसानों का सम्मान करने वाली पार्टी है। भावांतर भरपाई योजना के तहत नायब सैनी सरकार किसानों के नुकसान की भरपाई कर रही है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। हरियाणा की नायब सरकार ही देश में पहली ऐसी सरकार है जो 24

फसलों को एमएसपी पर खरीद रही है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहाकि रबी की फसलों को खरीदने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसान में बड़ा फैसला लिया है। किसान रात को भी अपनी फसल मंडी में लेकर आ सकते हैं और रात को ही गेट पास भी किसानों को मिलेंगे। अब मंडियों में भीड़ कम होगी और किसानों को इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का लक्ष्य हर वर्ग के लोगों को सशक्त करना है। दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना से नारी सशक्तिकरण को नई उड़ान मिल रही है। हरियाणा में लगभग 10 लाख महिलाओं को हर माह 21 रुपये की वित्तीय सहायता दी जा रही है। युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के सरकारी नौकरियां मिल रही हैं। गरीब लोगों के पक्के घर का सपना साकार हो रहा है। बड़ौली ने कहा कि वैश्विक युद्ध के चलते जहां दूसरे देशों में महंगाई चरम पर है वहीं मोदी सरकार ने पेट्रोल-डीजल से 10 रुपये एक्साइज ड्यूटी पर छूट देकर लोगों को राहत दी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जनता का पूरा ध्यान रखते हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में देश और प्रदेश के अंदर मजबूत कनेक्टिविटी और तेज विकास हो रहा है।

हरियाणा में इमारतों के ऑनलाइन पास होंगे नक्शे, मुख्यमंत्री ने बैठक में दिए निर्देश

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में बनाई जाने वाली घरेलू एवं वाणिज्यिक इमारतों के लिए नगर निकाय विभाग से पास होने वाले नक्शों की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस व्यवस्था के लागू होने से न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी। उन्होंने इसके लिए समय सीमा भी निर्धारित करते हुए अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सचिवालय में शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अर्बन चैलेंज फंड को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा की। जिसके तहत अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को इस योजना के तहत हरियाणा में किए जाने वाले कार्य की योजना बारे पहलुओं को साझा किया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने शहरी क्षेत्रों में वेस्ट वाटर के पुनः उपयोग (रीयूज) को लेकर भी गंभीरता से कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों

को निर्देशित किया कि शहरों में स्थापित एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) से निकलने वाले पानी का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। इस पानी को पार्कों की सिंचाई, उद्योगों तथा कृषि कार्यों में प्रयोग में लाने के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे बड़ी-बड़ी इंडस्ट्री, पार्क और खेती में इस ट्रीटेड पानी का प्रभावी उपयोग हो सके। बकायदा यह भी कहा गया कि एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) से पार्क तक अथवा जहां पानी का इस्तेमाल होना है, वहां लंबी अवधि तक चलने वाले पाइप लाइन भी बिछाए जाएं। पार्क, ग्रीन बेल्ट में तो इसे लेकर व्यवस्था करने पर खासा फोकस किया जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में मौजूदा सीवरेज व्यवस्था के संबंध में विस्तृत डेटा तैयार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह आंकलन किया जाए कि किन-किन क्षेत्रों में कब और किस जनसंख्या के आधार पर सीवरेज सिस्टम डाला गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि टेंडर अलॉट होने के बाद कार्य लंबे समय तक लंबित न रहे। अधिकारियों ने जानकारी दी कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा 16 हजार किलोमीटर सडक़ों की जीआईएस मैपिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। 'म्हारी सडक़' ऐप के माध्यम से इन सडक़ों से संबंधित प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई की जा रही है। शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि विभाग के अंतर्गत आने वाले हरियाणा के विभिन्न निकाय क्षेत्रों में कुल 2,276 सडक़ों की पहचान की गई है।

आईएएस अधिकारी विक्रम सिंह को ऊर्जा विभाग में अतिरिक्त जिम्मेदारी

एजेंसी
हिसार। हरियाणा सरकार ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक आदेश जारी करते हुए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विक्रम सिंह को ऊर्जा विभाग में अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी इस आदेश की प्रतिलिपि संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई और सूचना के लिए भेज दी गई है। आदेश के अनुसार, वर्ष 2014 बैच के आईएएस अधिकारी विक्रम सिंह, जो वर्तमान में हरियाणा मिनरल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के प्रबंध निदेशकके साथ-साथ दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) और उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) के प्रबंध निदेशक के पद पर कार्यरत हैं, को अब हरियाणा सरकार के ऊर्जा विभाग में विशेष सचिव के रूप में भी नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उनके वर्तमान कार्यों के अतिरिक्त होगी और उन्हें यह जिम्मेदारी तत्काल प्रभाव से सौंपी गई है। आदेश में उल्लेख किया गया है कि यह पदस्थापना रिक्त पद के विरुद्ध की गई है। प्रशासनिक हलकों में इस निर्णय को ऊर्जा क्षेत्र में समन्वय और कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

किसानों को फसल खरीद प्रक्रिया के दौरान नहीं आने दी जाए कोई परेशानी : गौरव गौतम

एजेंसी
पलवल। हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि किसानों को फसल खरीद प्रक्रिया के दौरान किसी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। किसानों को बेची गई फसल का 72 घंटे बाद भुगतान किया जाएगा। मंत्री ने यह बात फसल खरीद प्रक्रिया का सुव्यवस्थित और सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करने के लिए जिला के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पलवल स्थित अनाज मंडी पहुंचकर व्यवस्थाओं और सुविधाओं का जायजा लेते हुए कही। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार रबी फसल खरीद सीजन के मद्देनजर किसानों की सुविधा और हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी तरह सक्रिय है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसल खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, व्यवस्थित और समयबद्ध होनी चाहिए। किसी भी किसान को असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला प्रशासन की ओर से अनाज मंडियों में नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी किसानों की सुविधा के लिए अनाज मंडियों और फसल

खरीद केंद्रों पर समुचित व्यवस्थाएं और सुविधाएं सुनिश्चित करवाएं।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को किसानों की सुविधा के लिए मंडियों में बारदाना, झारनों और पंखों की पर्याप्त व्यवस्था करने सहित गेट पास व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संचालित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उन्होंने अनाज मंडी की कैंटीन का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस अवसर पर उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ, अतिरिक्त उपायुक्त डा. सुभिता ढाका, जिला नगर आयुक्त मनीषा शर्मा व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उकलाना के स्कूल में पहुंचीं सांसद सैलजा, विद्यार्थियों से की बातचीत

एजेंसी
हिसार। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद कुमारी सैलजा ने हिसार, फतेहाबाद और सिरसा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अपने दौरे के दौरान उकलाना स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर बच्चों और अध्यापकों से आत्मीय मुलाकात की। विद्यालय में बच्चों से रूबरू होते हुए सांसद सैलजा ने उनके गजब के उत्साह, आत्मविश्वास और सीखने की ललक की जमकर सराहना की। उन्होंने बेहद भावुक अंदाज में कहा कि इन नन्हे-मुन्नों का जोश देखकर असीम खुशी हुई है।यही ऊर्जावान बच्चे हमारे देश का स्वर्णिम भविष्य हैं। उन्होंने सभी बच्चों को पूरीमेहनत, लगन और कड़े अनुशासन के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने स्कूल के शिक्षक वर्ग से भी विस्तृत चर्चा की और शैक्षणिक माहौल को और अधिक परिणामोन्मुखी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि बच्चों को एक ऐसा सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराएं जहां वे बिना किसी डर या तनाव के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें और अपने सपनों को साकार कर सकें।

डिजिटल इंडिया की नई छलांग, उपायुक्त ने लोगों से की भागीदारी की अपील

● पहली बार पूरी तरह डिजिटल होगी जनगणना, मोबाइल-लैपटॉप से खुद भर सकेंगे परिवार का विवरण

एजेंसी
नारनौल। जिले में आगामी जनगणना 2026 को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रशासन ने जिलावासियों सेआह्वान किया है कि भारत सरकार द्वारा आयोजित इस बार की जनगणना बेहद खास और आधुनिक है, क्योंकि यह देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना होगी। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि इस पहल का सबसे महत्वपूर्ण पहलू 'स्व-गणना' है, जिसके तहत प्रत्येक नागरिक स्वयं अपने और अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कर सकेगा। इससे न केवल प्रक्रिया सरल होगी, बल्कि आंकड़ों की शुद्धता और पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। उपायुक्त ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच चलने वाले इस विशेष अभियान में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अब लोगों को अपने घर पर किसी प्रगणक का इंतजार करने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि वे अपनी सुविधानुसार मोबाइल या लैपटॉप के माध्यम से जानकारी दर्ज कर सकते हैं। जागरूक नागरिकों से विशेष रूप से आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि जिले के अधिकतर लोग स्व-गणना में भाग लेते हैं, तो जिला प्रदेश में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकता है। यह न केवल प्रशासन के लिए मददगार होगा, बल्कि देश के विकास की सही रूपरेखा तैयार करने

कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार इस डिजिटल प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। स्व-गणना न केवल सुरक्षित है, बल्कि इससे समय की भी बचत होती है। उन्होंने जिले के शिक्षित युवाओं, कर्मचारियों और में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी जानकारी पोर्टल पर अपलोड करे और इस राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में प्रशासन का सहयोग करें।

भारतीय संस्कृति, इतिहास और राष्ट्रवाद की भावना को सुदृढ़ कर रहा पंचनद शोध संस्थान : प्रो. बीके कुठियाला

एजेंसी
हिसार। पंचनद शोध संस्थान अध्ययन केन्द्र हिसार की ओर से संगोष्ठी आयोजित की गई। प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। गोष्ठी में राज्य सुचना आयुक्त हरियाणा एवं पंचनद शोध संस्थान हिसार के अध्यक्ष प्रो. जगबीर सिंह भी उपस्थित रहे। प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने अपने संबोधन में कहा कि पंचनद शोध संस्थान भारतीय संस्कृति, इतिहास और राष्ट्रवाद की भावना को सुदृढ़ करने का कार्य कर रहा है। वैश्वीकरण के इस दौर में हमारी परंपराएं और मूल्य अनेक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, तब संस्थान की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। हमारा देश केवल भौगोलिक सीमाओं का नाम नहीं है, बल्कि यह एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ज्ञान,परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। पंचनद शोध संस्थान इसी विरासत को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके बौद्धिक वर्ग पर निर्भर करती है। यदि समाज में विचारशीलता, जागरूकता और सही दिशा का अभाव हो, तो विकास अधूरा रह जाता है। यह संस्थान युवाओं में विचार करने, प्रश्न उठाने और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व निभाने की प्रेरणा देता है। हम अपने इतिहास को समझें और अपने मूल्यों को अपनाएं। जब हम अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक होंगे, तभी हम एकसशक्त और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर पाएंगे। पंचनद शोध संस्थान समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि पंचनद एकवैचारिक अधिष्ठान है जो सम-सामयिक विषयों एवं शोध से संबंधित कार्यों को गति देने के लिए संगोष्ठी आयोजित करता है। प्रो. जगबीर सिंह ने पंचनद शोध संस्थान द्वारा समाज एवं राष्ट्र के उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने संस्थान द्वारा आयोजित की गई संगोष्ठियों एवं कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करने के साथ-साथ भविष्य की कार्य योजना तथा शोध के विषय भी निर्धारित किए।

निर्णायक सप्ताह आरबीआई नीति और वैश्विक तनाव तय करेंगे बाजार की दिशा

– तेल की कीमत, रुपये की स्थिति और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट का दौर रहा, जिससे निवेशकों की चिंता बढ़ गई है।

नए वित्त वर्ष की शुरुआत में यह सप्ताह बाजार की दिशा तय करने वाला माना जा रहा है। घरेलू आर्थिक संकेतों के साथ-साथ वैश्विक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की सोच में असमंजस पैदा कर दिया है। इस हफ्ते कई ऐसे प्रमुख कारक हैं, जो बाजार की चाल पर निर्णायक असर डाल सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 6 से 8 अप्रैल तक होगी। इस बैठक में ब्याज दर, महंगाई और लिक्विडिटी जैसे अहम मुद्दों पर फैसला लिया जाएगा। निवेशकों की निगाह इस पर है कि आरबीआई महंगाई और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच किस तरह की नीति अपनाता है। यदि ब्याज दर बढ़ाई जाती है, तो बैंकिंग और रियल एस्टेट सेक्टर पर दबाव बढ़ सकता है। वहीं, उदार नीति से उपभोक्ता खर्च और कॉर्पोरेट निवेश को बढ़ावा मिल सकता है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा रहा है। इसी बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने भारत जैसे आयातक देश के लिए दबाव बढ़ा दिया है। महंगे तेल का असर चालू खाता घाटे और महंगाई पर पड़ सकता है। इसके अलावा, कंपनियों की लागत बढ़ने और उपभोक्ताओं की जेब पर असर डालने से बाजार की नकारात्मक भावना को बढ़ावा मिल सकता है। पिछले सप्ताह रुपये का डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरना निवेशकों की चिंता का मुख्य कारण बना। आरबीआई के हस्तक्षेप से थोड़ी स्थिरता आई, लेकिन मुद्रा की अस्थिरता विदेशी निवेश और आयात लागत को प्रभावित कर सकती है। विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारी बिकवाली भी बाजार पर दबाव बनाए रख रही है। यदि यह रुझान जारी रहा, तो तेजी की उम्मीदें कमजोर पड़ सकती हैं। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा आरबीआई

की नीति, तेल की कीमत, रुपये की स्थिति और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर निर्भर करेगी। निवेशकों को सतर्क रहना और इन संकेतकों पर नजर रखना जरूरी है, क्योंकि किसी भी बदलाव से बाजार में तेजी या गिरावट दोनों तेज़ी से देखने को मिल सकती है।

एफपीआई ने बाजारों से अप्रैल में की पहले दो सत्रों में 19,837 करोड़ की बिकवाली

- पश्चिम एशिया संघर्ष, बढ़ते तेल दाम और रुपये में कमजोरी ने विदेशी निवेशकों को बेचने पर मजबूर किया

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भारतीय शेयर बाजार से निकासी का सिलसिला अप्रैल 2026 में भी जारी है। केवल अप्रैल के पहले दो कारोबारी सत्रों में ही एफपीआई ने 19,837 करोड़ रुपये (लगभग 2.1 अरब डॉलर) के शेयर बेचे। यह मार्च में हुई रिकॉर्ड निकासी के बाद बाजार पर दबाव बनाए रखने वाला नया संकेत है। मार्च 2026 में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से लगभग 1.17 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.7 अरब डॉलर) निकाले थे, जो किसी भी महीने की अब तक की सबसे बड़ी निकासी थी। वहीं फरवरी में निवेशकों ने शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये डाले थे, जो पिछले 17 महीनों का सबसे ऊँचा निवेश था। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, 2026 में अब तक एफपीआई ने कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की है। बाजार के जानकारों के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, कच्चे तेल के दाम के 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जाने, रुपये में लगातार कमजोरी और डॉलर की मजबूती ने बिकवाली को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि युद्ध के बाद रुपये में लगभग चार प्रतिशत की गिरावट आई है, और आगे भी कमजोरी की आशंका बिकवाली को और बढ़ा रही है।

अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने से निश्चित आय वाली परिसंपत्तियों का आकर्षण बढ़ा है। ऐसे में निवेशक अपने निवेश को शेयरों से अन्य संपत्तियों की ओर संतुलित कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और घरेलू मुद्रा कमजोरी के बीच, एफपीआई की बिकवाली का दबाव बाजार पर और कुछ समय तक बना रह सकता है।

सोने के दामों में 18.5 फीसदी गिरावट

– गिरवी सोने को नीलामी से बचाने सावधान रहें, 50–60त्न से ज्यादा लोन लेने से बचें

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सोने के दामों में करीब 18.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। कीमतों में इस कमी का असर गोल्ड लोन लेने वाले ग्राहकों पर भी पड़ रहा है। जिन लोगों ने ऊंचे भाव पर सोना गिरवी रखकर अधिक राशि का कर्ज लिया था, उनके सामने अब 'मार्जिन कॉल' का खतरा बढ़ गया है।विशेषज्ञों के अनुसार, जब सोने की कीमत घटती है तो गिरवी रखे आभूषणों की वैल्यू कम हो जाती है और लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) अनुपात बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में बैंक या वित्तीय संस्थान अतिरिक्त रकम जमा कराने या आंशिक लोन चुकाने का नोटिस दे सकते हैं।

तय समय में भुगतान नहीं करने पर गिरवी सोने की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है।वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि मौजूदा अस्थिर बाजार में सोने के वर्तमान मूल्य का 50 से 60

फीसदी तक ही लोन लेना सुरक्षित माना जाता है। इससे कीमतों में गिरावट आने पर भी उधारकर्ता के पास सुरक्षा का पर्याप्त मार्जिन रहता है और नीलामी की नौबत नहीं आती। ग्राहकों को समय-समय पर बाजार भाव पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर लोन आंशिक रूप से चुकाने की सलाह दी गई है।

एफएमसीजी कंपनियों की जनवरी-मार्च तिमाही में स्थिर मांग के बीच वृद्धि मजबूत रही

नई दिल्ली। रोजमर्रा के उपभोग के सामान बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियों की वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में स्थिर मांग के बीच वृद्धि मजबूत रही। हालांकि, पश्चिम एशिया के बाजारों में जारी भू-राजनीतिक तनाव चिंता का विषय बना हुआ है। मैरिको, डाबर और एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस (पूर्व में अदाणी विल्मर) जैसी कंपनियों ने मात्रा और मूल्य दोनों में वृद्धि दर्ज की है। यह बढ़ोतरी मूल्य निर्धारण में बदलाव, विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में गति, मजबूत घरेलू खपत और संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों को छोड़कर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में वृद्धि के कारण संभव हुई है। कंपनियों को उम्मीद है कि महंगाई में कमी आने से मार्जिन में सुधार होगा। हालांकि वे आने वाली तिमाहियों को लेकर सतर्कता के साथ आशावादी बनी हुई हैं। उनका मानना है कि स्थिर आर्थिक परिस्थितियों और बेहतर खपत रुझानों के कारण घरेलू मांग में सुधार जारी रहेगा। घरेलू कंपनी मैरिको ने अपनी की तिमाही की जानकारी में बताया कि इस अवधि में उसकी एकीकृत आय में सालाना आधार पर करीब 20

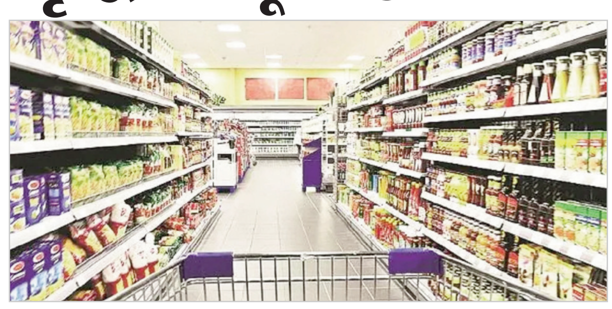

प्रतिशत के आसपास वृद्धि हुई है। यह वृद्धि मूल्य निर्धारण उपायों, केश तेल श्रेणी में मजबूत प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय कारोबार में बेहतर मांग से संभव हुई। डाबर ने भी अपेक्षाकृत संतुलित प्रदर्शन दर्ज करते हुए मार्च तिमाही में मध्यम एकल अंक की आय वृद्धि का अनुमान जताया है। कंपनी ने कहा कि घरेलू मांग में क्रमिक सुधार देखा गया और भारत में उसका त्वरित उपभोग वस्तु कारोबार उच्च एकल अंक की वृद्धि दर्ज कर सकता है।

मिडिल ईस्ट युद्ध से राजस्थान के बीकानेरी स्नैक्स निर्यात पर भारी असर

– माल ढुलाई की लागत में तेज़ी से वृद्धि हुई है और व्यापार पर दबाव बढ़ा

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान संघर्ष और होर्मुज स्ट्रेट की बंदिशों ने राजस्थान के बीकानेर के स्नैक्स उद्योग को भी झकझोर दिया है। भुजिया, पापड़ और मसालों का निर्यात अब महंगा और लंबा हो गया है, जिससे व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है।

निर्यातक बताते हैं कि पहले 30 दिनों में पहुंचने वाले कंटेनर अब लंबे और सुरक्षित मार्ग अपनाने के कारण 60 दिन तक ले जा रहे हैं। इससे माल ढुलाई की लागत में तेज़ी से वृद्धि हुई है और व्यापार पर दबाव बढ़ा है। बीकानेरी स्नैक्स खाड़ी देशों और यूरोप में बड़े पैमाने पर निर्यात होते हैं।

यूएस-ईरान युद्ध के कारण माल ढुलाई शुल्क बढ़ा, कंटेनरों की कमी हुई और सप्लाई चेन प्रभावित हुई। अरब देशों में मांग मजबूत है, लेकिन डिलीवरी में देरी के कारण नुकसान हो रहा है। खाद्य तेल की कीमत में पिछले एक महीने में लगभग 20 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि पैकेजिंग लागत में 30-40 फीसदी का इजाफा हुआ। ताड़ के तेल और सोयाबीन जैसे कच्चे माल के आयात में भी बाधा आई है। इन कारणों से उद्योग पर वित्तीय दबाव और बढ़ गया है।

बीकानेर से हर महीने 15-20 कंटेनर भुजिया और पापड़ तथा लगभग 60 कंटेनर अन्य स्नैक्स और मसाले निर्यात किए जाते हैं। मुख्य बाजार ईरान, इराक, ओमान, यूएई, कतर, बहरीन और यूरोप के ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, इटली व स्पेन हैं। युद्ध और वैश्विक टेंशन के कारण करोड़ों रुपये का माल बंदरगाहों पर या रास्ते में फंसा हुआ है।

सेंसेक्स की शीर्ष छह कंप नियों का का बाजार पूंजीकरण 64,734 करोड़ घटा

– शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली। बीते सप्ताह कम कारोबारी सत्रों वाले में सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 64,734.46 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में भारती एयरटेल रही। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 29,993.07 रुपये करोड़ घटकर 10,20,420.26 करोड़ रुपये पर आ गया।

आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 12,845.81 करोड़ रुपये घटकर 8,70,705.49 करोड़ रुपये रह गई।बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 11,169.36 करोड़ रुपये कम होकर 5,14,226.12 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,822.79 करोड़ रुपये घटकर 11,56,195.90 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 2,349.59 करोड़ रुपये घटकर 4,85,190.60 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 553.84 करोड़ रुपये घटकर 9,41,015.31 करोड़ रुपये रह गई। इस रुख के उलट टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 22,359.78 करोड़ रुपये बढ़कर 8,87,028.43 करोड़ रुपये हो गया।इंफोसिस का पूंजीकरण 12,374.76 करोड़ रुपये बढ़कर

5,27,409.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 6,575.43 करोड़ रुपये बढ़कर 4,97,111.62 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 3,518.45 करोड़ रुपये बढ़कर 18,28,034.07 करोड़ रुपये हो गई। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

सरसों की गिरावट के बीच सोयाबीन, पामतेल और बिनौला तेल में मजबूती

- शादी-विवाह के मौसम की मांग और विदेशी बाजार में गतिविधियों के कारण तेलों की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में सरसों के दाम घटे, जबकि सोयाबीन, मूंगफली, पामतेल और बिनौला तेल की कीमतें मजबूती दिखाईं। शादी-विवाह के मौसम की मांग और विदेशी बाजार में गतिविधियों के कारण अन्य तेलों की कीमतें बढ़ीं। बड़ी तेल मिलों ने सस्ते दाम पर सरसों खरीदने के लिए उत्पादन अनुमान बढ़ाया और आयात शुल्क को लेकर अफवाहें फैलाईं। किसानों ने अपनी फसल रोक-रोक कर बाजार में उतारी, जिससे सरसों तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सोयाबीन तेल की कीमत 1,390-95 डॉलर प्रति टन तक बढ़ गई। इंडोनेशिया में जुलाई से बायो-डीजल में पामतेल के बढ़ते उपयोग और मलेशिया में निर्यात में वृद्धि ने पाम और पामोलीन तेल के दामों को मजबूती दी। कपास नरमा की आवक घटने और मूंगफली तेल महंगा होने के कारण बिनौला तेल की मांग बढ़ी।

इसके चलते बिनौला तेल के दाम भी मजबूती के साथ बंद हुए, जबकि बाजार में कुल मिलाकर तेल-तिलहन विविधता में हलचल रही। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 100 रुपये की गिरावट के साथ 6,925-6,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 14,725 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,440-2,540 रुपये और 2,440-2,585 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 5,800-5,850 रुपये और 5,475-5,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 375 रुपये के सुधार के साथ 16,825 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 475 रुपये के सुधार के साथ 16,225 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 175 रुपये के सुधार के साथ 13,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन का दाम 50 रुपये की मजबूती के साथ 7,300-7,775 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 100 रुपये के सुधार के साथ 17,650 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 15 रुपये की मजबूती के साथ 2,785-3,085 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,725 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये सुधरकर 15,675 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 250 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।तेजी के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 600 रुपये के सुधार के साथ 15,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

रिजर्व बैंक की ऐप से बिना बैंक जाए मिलेगा लोन

- किसानों, डेयरी संचालकों और पर्सनल लोन लेने वालों के लिए प्रक्रिया होगी आसान

नई दिल्ली। अब लोन लेने के लिए बैंकों के चक्कर लगाने और लंबी कागजी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जल्द ही एक नई डिजिटल व्यवस्था शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत मोबाइल ऐप के माध्यम से मिनटों में लोन स्वीकृत किया जा सकेगा। इस पहल का उद्देश्य छोटे कर्जदारों, किसानों, डेयरी संचालकों और पर्सनल लोन लेने वाले ग्राहकों को त्वरित और पारदर्शी सुविधा उपलब्ध कराना है।नई प्रणाली के तहत जमीन के रिकॉर्ड, क्रेडिट स्कोर और आय संबंधी जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी। इससे बैंक और वित्तीय संस्थानों को आवेदक की पात्रता जांचने में आसानी होगी और लोन प्रक्रिया तेज होगी। शुरुआत में छोटे कर्ज और कृषि से जुड़े ऋण दिए जाएंगे, जिससे ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।बताया जा रहा है कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से कई बैंक और डेटा सेवा प्रदाता जुड़ेंगे, जिससे सूचनाओं का आदान-प्रदान सुरक्षित और त्वरित होगा। इससे बैंकों की परिचालन लागत भी कम होगी और ग्राहकों को कम समय में ऋण मिल सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम देश में डिजिटल बैंकिंग को नई दिशा देगा और वित्तीय समावेशन को मजबूती प्रदान करेगा।

ईरान युद्ध की वजह से अमेरिका में भी बढ़ने लगी है महंगाई

वाशिंगटन। ईरान के खिलाफ संभावित युद्ध ने अमेरिका में आर्थिक दबाव बढ़ा दिया है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी और डिलीवरी कंपनियों द्वारा अधिभार लगाने से आम उपभोक्ताओं की जेब पर असर दिखने लगा है। अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत शुक्रवार को 4.09 डॉलर प्रति गैलन पहुंच गई, जो अगस्त 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। डीजल की कीमत 3.64 डॉलर से बढ़कर 5.53 डॉलर प्रति गैलन हो गई है। डीजल का व्यापक उपयोग कृषि, निर्माण और परिवहन उद्योगों में होता है। ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने 17 अप्रैल से तीसरे पक्ष विक्रेताओं पर 3.5 फीसदी ईंधन अधिभार लगाने की घोषणा की। अमेरिकी डाक सेवा (यूएसपीएस) भी अस्थायी रूप से 8 फीसदी ईंधन अधिभार लागू करने की योजना बना रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर युद्ध लंबा खिंचता है, तो अमेरिका की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होगी। शिकागो फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष ऑस्टन गूल्सबी ने चेताया कि बढ़ी हुई परिवहन लागत अन्य वस्तुओं की कीमतों पर भी असर डालेगी, जिससे जीवनयापन महंगा होगा।

मूडीज ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर घटाकर 6 फीसदी की, महंगाई बढ़ने का खतरा

- निजी उपभोग में कमी, औद्योगिकी गतिविधियों में सुस्ती और निवेश में गिरावट मुख्य कारण

नई दिल्ली। मूडीज रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि होगी, जिससे महंगाई पर दबाव बढ़ेगा और घरेलू उपभोग प्रभावित होगा। मूडीज की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की वृद्धि दर पहले अनुमानित 6.8 फीसदी से घटकर 6 फीसदी रहने की संभावना है। निजी उपभोग में कमी, औद्योगिकी गतिविधियों में सुस्ती और निवेश में गिरावट इसका मुख्य कारण हैं। ईंधन और रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ उर्वरक आयात पर निर्भरता से खाद्य मुद्रास्फीति में भी बढ़ोतरी हो सकती है। मूडीज ने चेताया है कि भूराजनीतिक तनाव महंगाई के जोखिम को ऊपर की ओर ले जा सकता है। एजेंसी ने 2026-27 में औसत मुद्रास्फीति 4.8 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो 2025-26 की 2.4 फीसदी से अधिक है। इस पर नीतिगत प्रतिक्रिया के रूप में रेपो दर या तो स्थिर रखी जाएगी या धीरे-धीरे बढ़ाई जाएगी। पश्चिम एशिया से भारत का कच्चा तेल आयात लगभग 55 फीसदी और एलपीजी का 90 फीसदी आता है। इसी कारण ईंधन और परिवहन लागत बढ़ सकती है। इसके अलावा खाड़ी देशों से भेजे जाने वाले रेमिटेंस पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि इसके 40 फीसदी हिस्से की आपूर्ति वहीं से होती है। दूसरी एजेंसियों का भी अनुमान है। ओईसीडी ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.1 फीसदी, जबकि आईसीआरए ने 6.5 फीसदी बताई है। आईसीआरएने कहा कि निर्यात स्थिर रहेगा, लेकिन आयात बढ़ने से चालू खाता घाटा बढ़ सकता है।

सुजुकी मोटरसाइकिल का लक्ष्य वैश्विक बिक्री में 50 फीसदी योगदान

- खरखौदा नया संयंत्र घरेलू और निर्यात बिक्री बढ़ाएगा

नई दिल्ली। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएमआईपीएल) ने अपनी वैश्विक बिक्री में योगदान बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी का उद्देश्य सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन (एसएमएसी) की दुनिया भर में मोटरसाइकिल बिक्री में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा देना है। वित्त वर्ष 2025-26 में एसएमआईपीएल ने 14,39,415 इकाइयों की अब तक की सबसे ऊंची बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की 12,56,155 इकाइयों से 15 फीसदी अधिक है। घरेलू बिक्री 11,74,874 इकाई रही और निर्यात 26 फीसदी बढ़कर 2,64,541 इकाई हुआ। कंपनी हरियाणा के खरखौदा में नया संयंत्र बना रही है, जिसमें लगभग 1,174 करोड़ रुपये का निवेश होगा और इसकी सालाना उत्पादन क्षमता 7.5 लाख इकाई की होगी। वर्तमान खेरकी दौला संयंत्र 14 लाख इकाई का उत्पादन करता है।

पाँच राज्यों के विधान सभा के चुनावी समरक्षेत्र में जनादेश की आहट

बिनोद कुमार सिंह

इस चुनावी महासमर में सबसे बड़ी शक्ति जनता ही है।वही इस लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक धुरी है,जिसके एक वोट से सत्ता का संतुलन बदल सकता है।यह चुनाव केवल सरकार चुनने का अवसर नहीं, बल्कि अपने भविष्य और अपने अधिकारों को दिशा देने का माध्यम है।पाँच राज्यों में सत्ता का संघर्ष और लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा की घड़ी ,जनता जनार्दन मौन है।राज्यों के मतदाताओं ने अपने मन में जो निर्णय लिया है,वह शीघ्र ही मतपेटियों के माध्यम से सामने आएगा और उसी के आधार पर तय होगा कि सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा।

पाँच राज्यों में सता के सिंघासन पर कौन,राजनीतिक संघर्ष और लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा की घड़ी,जनता जनार्दन है मौन...

भारत का लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं,बल्कि एक जीवंत परंपरा है,जहाँ प्रत्येक चुनाव जनभावनाओं का उत्सव बनकर सामने आता है।वर्ष 2026 में पाँच राज्यों-असम,तमिलनाडु,केरल, पश्चिम बंगाल और मणिपुर-के चुनाव इसी लोकतांत्रिक परंपरा के निर्णायक अध्याय बनकर उभरे हैं। यह केवल सत्ता परिवर्तन का अवसर नहीं,बल्कि पिछले पाँच वर्षों के कार्यों,वादों और जनता के विश्वास की अग्नि परीक्षा की घड़ी आ गई है।इन राज्यों की जनता ने बीते वर्षों में विकास,महंगाई, रोजगार,शिक्षा,स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को नजदीक से महसूस किया है।अब जब चुनावी शंखनाद हो चुका है,राज्यों के मतदाता अपने मन में एक ठोस निर्णय बना चुका है।वह यह तय करने की स्थिति में है कि कौन उसके सपनों का संवाहक है और कौन केवल राजनीतिक वादों का व्यापारी है।भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि मतदाता अब पहले से कहीं अधिक सजग, जागरूक और निर्णायक हो गया है।वह जातीय और धार्मिक सीमाओं से ऊपर उठकर सुशासन और विकास को प्राथमिकता देने लगा है।यही कारण है कि इस बार 5 राज्यों के विधान सभा चुनावों में पारंपरिक समीकरणों के साथ-साथ प्रदर्शन आधारित राजनीति भी प्रमुख भूमिका में दिखाई दे रही है। चुनावी मैदान आज एक ऐसे समरक्षेत्र में बदल चुका है,जहाँ सत्तारूढ़ राजनीतिक दल अपनी उपलब्धियों के रथ पर सवार है, वहीं विपक्ष असंतोष और सवालों के शस्त्र लेकर चुनावी मैदान में उतरा है।

अगर हम राजनीतिक परिदृश्य पर एक दृष्टि डालें तो हर राज्य की परिस्थितियाँ भिन्न होते हुए भी एक समानता स्पष्ट दिखाई देती है - सत्ता और विपक्ष के बीच सीधा और तीखा संघर्ष का दौर जारी है।सत्तारूढ़ दल अपने कार्यकाल के दौरान किए गए बुनियादी ढांचे के विकास,कल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों को जनता के सामने रख रहा है। 'डबल इंजन' जैसे राजनीतिक नारे और योजनाओं का लाभ उठाने वाला वर्ग उसके समर्थन का मजबूत आधार बन चुका है।वही दूसरी ओर विपक्ष महंगाई,बेरोजगारी,किसान संकट और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने में जुटा है और जनता को परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहा है।

यदि इन पाँच राज्यों के चुनावी परिदृश्य को गहराई से देखा जाए, तो एक बहुआयामी तस्वीर सामने आती है।असम में सत्ता पक्ष अपने मजबूत संगठन और नेतृत्व के कारण हल्की बढ़त बनाए हुए है। यहाँ उसे लगभग 44 से 48 प्रतिशत वोट मिलने की संभावना है,जबकि विपक्ष 40 से 43 प्रतिशत के बीच सिमट सकता है।सीटों के रूपांतरण में यह अंतर सत्ता पक्ष को बढ़त दिला सकता है,जहाँ 126 सदस्यीय विधानसभा में उसके 68 से 78 सीटों तक पहुँचने के संकेत मिलते हैं।इसके बावजूद मुकाबला पूरी तरह एकतरफा नहीं है और विपक्ष की चुनौती मजबूत बनी हुई है।वही तमिलनाडु में राजनीति अपने पारंपरिक द्रविड़ स्वरूप में ही दिखाई देती है,जहाँ डीएमके गठबंधन लगभग 42 से 46 प्रतिशत वोट हासिल कर स्पष्ट बढ़त की स्थिति में नजर आता है। एआईएडीएमके गठबंधन 34 से 38 प्रतिशत के बीच सीमित रह सकता है,जबकि अन्य दलों का प्रभाव सीमित दायरे में रहेगा।234 सदस्यीय विधानसभा में डीएमके गठबंधन 140 से 160 सीटों के साथ सशक्त स्थिति में उभर सकता है,जो यह स्पष्ट संकेत देता है कि वहाँ सत्ता की निरंतरता संभव है। केरल की राजनीति हमेशा से विचारधारात्मक संघर्ष और वैकल्पिक सत्ता परिवर्तन के लिए जानी जाती रही है,लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी भिन्न दिखाई देती है। एलडीएफ 43 से 46 प्रतिशत वोट के साथ बढ़त बनाए हुए है,जबकि यूडीएफ 41 से 44 प्रतिशत के बीच मुकाबले में बना हुआ है।140 सीटों वाली विधानसभा में एलडीएफ को 70 से 80 सीटों तक पहुँचने का अनुमान है,जो यह संकेत देता है कि परंपरागत ट्रेंड के विपरीत सत्ता की पुनरावृत्ति संभव हो सकती है।पश्चिम बंगाल का चुनावी परिदृश्य सबसे अधिक तीव्र और ध्रुवीकृत दिखाई देता है।यहाँ टीएमसी 44 से 47 प्रतिशत वोट के साथ आगे है,जबकि भाजपा 38 से 42 प्रतिशत के बीच मजबूत चुनौती दे रही है।294 सीटों वाली विधानसभा में टीएमसी को 160 से 190 सीटें मिलने की संभावना है,जबकि भाजपा 90 से 120 सीटों के बीच रह सकती है।यह परिणाम दशार्ता है कि सत्ता पक्ष को बढ़त तो है,लेकिन विपक्ष भी निर्णायक उपस्थिति दर्ज कर रहा है। जहाँ तक केंद्र शासित जहाँ तक मणिपुर की बात है तो मणिपुर में राजनीतिक समीकरण अधिक जटिल और स्थानीय प्रभावों पर आधारित हैं।यहाँ भाजपा 36 से 40 प्रतिशत वोट के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभर सकती है, जबकि कांग्रेस 30 से 34 प्रतिशत के बीच रह सकती है।क्षेत्रीय दलों का 20 से 25 प्रतिशत वोट इस चुनाव को त्रिशंकु स्थिति की ओर ले जा सकता है।60 सदस्यीय विधान सभा में किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत मिलना कठिन प्रतीत होता है और गठबंधन की राजनीति यहाँ निर्णायक भूमिका निभा सकती है।इन सभी 5 राज्यों के समेकित विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि भारतीय चुनावी समीकरण में वोट प्रतिशत और सीटों का अनुपात हमेशा सीधा नहीं होता।कई बार केवल 2 से 3 प्रतिशत वोट का अंतर दर्जनों सीटों का अंतर बना देता है,जो सत्ता की दिशा बदलने में निर्णायक साबित होता है।ऐसे में क्षेत्रीय दल अभी भी कई राज्यों में राजनीति के केंद्र में हैं और राष्ट्रीय दलों के लिए चुनौती बने हुए हैं।गठबंधन राजनीति का प्रभाव असम और मणिपुर जैसे राज्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है,जबकि तमिलनाडु,केरल और पश्चिम बंगाल में क्षेत्रीय नेतृत्व की पकड़ मजबूत बनी हुई है।

अगर हम चुनावी मुद्दों की बात करें तो महंगाई,रोजगार,कृषि संकट, युवा आकांक्षाएँ और महिला सशक्तिकरण जैसे विषय हर राज्य में गूंज रहे हैं।कोविड के बाद स्वास्थ्य और शिक्षा भी प्रमुख मुद्दों के रूप में उभरे हैं।इसके साथ ही सोशल मीडिया ने चुनावी परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चल रहा प्रचार और संवाद अब चुनावी रणनीति का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।इन चुनावों का प्रभाव केवल इन राज्यों तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि यह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी तय करेगा।वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से इसे एक प्रकार का सेमीफाइनल माना जा रहा है।यदि सत्तारूढ़ दल इन चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो उसकी राष्ट्रीय स्थिति और मजबूत होगी।वहीं विपक्ष के लिए यह अवसर है कि वह अपनी रणनीति को धार देकर आगामी चुनावों के लिए मजबूत आधार तैयार करे।

संक्षेप में, इस चुनावी महासमर में सबसे बड़ी शक्ति जनता ही है।वही इस लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक धुरी है,जिसके एक वोट से सत्ता का संतुलन बदल सकता है।यह चुनाव केवल सरकार चुनने का अवसर नहीं, बल्कि अपने भविष्य और अपने अधिकारों को दिशा देने का माध्यम है।पाँच राज्यों में सत्ता का संघर्ष और लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा की घड़ी ,जनता जनार्दन मौन है।राज्यों के मतदाताओं ने अपने मन में जो निर्णय लिया है,वह शीघ्र ही मतपेटियों के माध्यम से सामने आएगा और उसी के आधार पर तय होगा कि सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा।

चुनावी समरक्षेत्र में शंखनाद हो चुका है,रथ सज चुके हैं और राजनीतिक योद्धा मैदान में उतर चुके हैं।अब सबकी निगाहें उस अंतिम निर्णय पर टिकी हैं,जो जनता जर्नादन के हाथों में है।वही निर्णय आने वाले समय की राजनीति की दिशा तय करेगा और इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा कि किसने जनादेश को समझा और किसे आत्ममंथन की राह चुननी पड़ी।

संपादकीय

जंग जारी रहेगी

राष्ट्रपति ट्रंप ने अमरीका को संबोधित करते हुए यह निष्कर्ष दिया है कि अभी ईरान के खिलाफ जंग जारी रहेगी। आगामी 2-3 हफ्ते में ईरान पर भीषण हमला किया जाएगा। हम जल्द ही अपने लक्ष्य हासिल कर लेंगे। जो जीत हम हासिल कर रहे हैं, दुनिया ने ऐसी जीत कभी नहीं देखी होगी! राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर पुराना मुहावरा दोहराया कि हमने ईरान की वायुसेना, नौसेना, मिसाइल-ड्रोन क्षमताएं नष्ट कर दी हैं। यहां तक कि उसके परमाणु ठिकाने भी तबाह कर दिए हैं। अब ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता। ईरान के सभी बड़े नेता मार दिए गए हैं। यदि ईरान परमाणु बम बना लेता, तो वह अमरीका-इजरायल के लिए मौत साबित होता! दरअसल जो गलतियां पुराने राष्ट्रपतियों ने की थीं, मैं उन्हें ठीक कर रहा हूं। इस संदर्भ में राष्ट्रपति ट्रंप ने खुलासा किया कि द्वितीय विश्व युद्ध 3 साल 8 माह से अधिक और वियतनाम युद्ध 19 साल से अधिक लड़े गए थे। ईरान युद्ध को अभी 32-33 दिन ही बीते हैं और हमने लगभग लक्ष्य पूरे कर लिए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी दोहराया कि अमरीका युद्ध खत्म करने के बेहद करीब है। हमारी अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है। गैस उत्पादन में अमरीका ह्यनंबर वनह्ल है। हमें तेल के लिए होर्मुज स्ट्रेट की जरूरत नहीं है। जिन्हें तेल-गैस की किल्लत है, जरूरत है, वे खुद होर्मुज जाएं। अलबत्ता हमसे तेल खरीदें, क्योंकि अमरीका के पास बहुत कच्चा तेल है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने राष्ट्रीय संबोधन का सारांश यह दिया है कि ईरान के खिलाफ जंग जारी रहेगी। गौरतलब यह है कि अमरीका ईरान युद्ध पर अभी तक करीब 3.50 लाख करोड़ रुपए खर्च कर चुका है और उसने 200 अरब डॉलर (करीब 19 लाख करोड़ रुपए) का अतिरिक्त बजट मांगा है, लेकिन अमरीकी कांग्रेस फिलहाल उसे पारित करने के मूड में नहीं है। अमरीका का युद्ध पर हररोज का औसतन खर्च 9400 करोड़ रुपए का है। अमरीका में पेट्रोल के दाम 4.06 डॉलर प्रति गैलन के स्तर को छू चुके हैं। इस पर ही हाहाकार मचा है, क्योंकि यह बढ़ोतरी अभूतपूर्व है। ईरान में महंगाई दर 50.6 फीसदी है। यह अकल्पनीय है। अनाज की कीमतें 140 फीसदी और डेयरी उत्पादों की कीमतें 117 फीसदी बढ़ गई हैं। एक किलो चावल के दाम 20 लाख रियाल और दाल की कीमत 35 लाख रियाल है। रोजमर्रा की सभी वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। वस्तुओं की उपलब्धता ही सवालिया है। क्या राष्ट्रपति ट्रंप का कोई वैश्विक सरोकार नहीं है? इजरायल की अर्थव्यवस्था का तो कचूमर निकल चुका है। वह तो 1.20 करोड़ की आबादी का छोटा-सा देश है। इजरायल को हर हफ्ते 1.6 अरब डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ अब जनता सडकों पर उतर आई है। यदि भारत का उल्लेख करें, तो करीब 55 लाख भारतीयों को खाड़ी देश छोड़ कर भारत लौटना पड़ा है। दुबई की अति सुरक्षित वाली छवि भी खंडित हुई है। खाड़ी देशों से आधे से अधिक भारतीय लौट आए हैं। इससे नया आर्थिक संकट सामने होगा। कुवैत से 20 भारतीयों के शव केरलम के कोच्चि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लाए गए हैं। वे युद्ध और हादसों के शिकार हुए हैं।

चिंतन-मनन

अज्ञान का आवरण

गुरू के पास डंडा था। उस डंडे में विशेषता थी कि उसे जिधर घुमाओ, उधर उस व्यक्ति की सारी खामियां दिखने लग जाएं। गुरू ने शिष्य को डंडा दे दिया। कोई भी आता, शिष्य डंडा उधर कर देता। सब कुरूप-ही-कुरूप सामने दीखते। अब भीतर में कौन कुरूप नहीं है? हर आदमी कुरूप लगता। किसी में प्रोध ज्यादा, किसी में अहंकार ज्यादा, किसी में घृणा का भाव, किसी में ईर्ष्या का भाव, किसी में द्वेष का भाव, किसी में वासना, उत्तेजना। हर आदमी कुरूप लगता। बड़ी मुसीबत, कोई भी अच्छा आदमी नहीं दिख रहा है।

उसने सोचा, गुरूजी को देखूं, कैसे हैं? गुरू को देखा तो वहां भी कुरूपता नजर आई। गुरू के पास गया और बोला कि महाराज! आप में भी यह कमी है। गुरू ने सोचा कि मेरे अस्त्र का मेरे पर ही प्रयोग! गुरू आखिर गुरू था। उसने कहा कि डंडे को इधर-उधर घुमाते हो, कभी अपनी ओर भी जरा घुमाओ। घुमाकर देखा तो पता चला कि गुरू में तो केवल छेद ही थे, यहां तो बड़े-बड़े गड्ढे हैं। वह बड़े असमंजस में पड़ गया।

कहने का अर्थ यह कि हमारी इन्द्रियों की शक्ति सीमित है। दूर की बात नहीं सुन पाते। भीतर की बात नहीं देख पाते। बहुत अच्छा है, अगर कान की शक्ति बढ़ जाए तो आज की दुनिया में इतना कोलाहल है कि नींद लेने की बात ही समाप्त हो जाएगी। देखने की शक्ति बहुत पारदर्शी बन जाए तो इतने बीभत्स दृश्य हमारे सामने आएंगे कि फिर आदमी का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। कुरूपता तो चेतना के भीतर होती है। प्रकृति की विशेषता है कि हमारा अज्ञान का आवरण टूट नहीं पा रहा है।

युद्ध नहीं शान्ति से मानवता की रक्षा हेतु सयंम जरुरी

संजय गोस्वामी

आज पूरे मीडिया में यूएस- इजराइल और ईरान के युद्ध के 1महीने से ऊपर का समाचार देख देख कर शान्ति भंग हो रही अब तो इस बहस में राजनेता भी अपनी सफाई दे रहें हैं जो राज्यसभा के सांसद भी हैं डिफेन्स एक्सपर्ट का तो समझा जा सकता है लेकिन राजनीती पार्टियों में इस पर बहस करना बिलकुल गलत है इसलिए इसपर किसी भी प्रकार के बयानबाजी से परहेज करना चाहिए कौन आतंकवादी पाल रहा है कौन मिट्टी में मिला देगा इससे अपने को क्या लेना देना अमेरिका के कुछ विमान युद्ध में गिरे और 1पायलेट को वहाँ से निकाल भी लिया तो उसकी ताकत समझ में नहीं आ रही है ईरान मिसायल और ड्रोन से अटैक कर रहा है जहाँ अमेरिका और इजराइल की भीषण बमबारी हो रही है वहाँ यदि जाने गईं है तो निर्दोष नागरिकों की अधिक संख्या है ईरान पर अमेरिका के आर्थिक बैन के बाद ना तो कोई लड़ाकू विमान नजर आए ना ही बचाव हेतु कोई हेलीकाप्टर ईरान को समझदारी से काम लेना चाहिए अपने नहीं लोगों के हित में क्योंकि जब से उसका सबसे बड़ा पुल अमेरिका ने तोड़ दिया इससे आम नागरिकों को ही परेशानी होगी जिसे बनने में 10 साल से ज्यादा लगे होंगे, आज टेक्नोलॉजी का युग है और जो देश टेक्नोलॉजी में आगे होगा बेशक नुकसान होगा लेकिन अन्त में विजय वही होगा जहाँ आसमान में 100-150 विमान ईरान में बम गिरा रहें हैं वहाँ 2 -4 विमान तो नष्ट हो गया तो उससे उसे क्या फर्क पड़ेगा इजराइल एक छोटा सा देश होकर कई फ्रंट पर युद्ध लड़ रहा है तो नुकसान होगा ही युद्ध विनाशकारी होता है और अमेरिका कभी आधा नहीं छोड़ेगा और उसे भी नुकसान काफी हुआ है लेकिन जहाँ तक आतंकवादी के सपोर्ट करने का सवाल है वहाँ ईरान से ज्यादा तो पाकिस्तान है उसे अमेरिका को ठोकना चाहिए सारा युद्ध अरब में खलीफा बनने की होड़ और निर्दोष नागरिक की मौत का तांडव नृत्य से मानवता शर्मसार हो रही है ईरान और अमेरिका -इजराइल युद्ध से भारत का क्या लेना देना, ऐ उनका युद्ध है वो समझें 1984 में मैं जब टीवी जो ब्लैक एंड वाइट था वहाँ सलमा आगा टीवी पर इराक - ईरान युद्ध के बारे में अन्त में समाचार में सुनता था जो 10 साल तक चली युद्ध में किसी भी देश को कमजोर नहीं समझना चाहिए और शान्ति से ही समाधान निकालना चाहिए बड़बोलापन युद्ध में आग में घी डालने का काम करता है इससे बचना चाहिए विश्व शांति का मूल उपाय युद्ध और हथियार में नहीं समझदारी और इंसानियत में ही निहित है।विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस ओर अभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।इस युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है जो आप नहीं देख पा रहें हैं इसमें कई भारतीय भी हैं इससे युद्ध में झोंके गए लोगों का जीवन अस्त व्यस्थ हो गया है इस जंग में अमेरिका के सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दुसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 1महीने से ऊपर चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान मेँ भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं जैसा चीन और अमेरिका के इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिए,इस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये युद्ध नहीं मानवता को समझना चाहिए, विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में निःशस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था। इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया। दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए। डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों ?। इससे भी अधिक रहता है व जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता है इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु शांति का संकल्प लेने पर जोर दिया जाना चाहिए ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने व लाखों निर्दोष नागरिकों की मौत ना हो व मानवता जिन्दा रहे । विश्व में अस्त्र-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनाने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है । इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की सीख आचार्य तुलसी ने देश की आजादी के बाद मानवता आंदोलन चलाकर विश्व को एक नई दिशा दी। मानवता के आधार पर इन्सान यह सोचे कि मैं आक्रमणकारी नहीं बनूं और न ही सहयोग दूंगा। इस दृढ़ संकल्प द्वारा वह शांति का शंखनाद करने में कदापि पीछे नहीं रहेगा। वर्तमान में इसकी महत्ती आवश्यकता है। इसी प्रकार एक-दूसरे देश पर आक्रमण करता है तब अन्य देश आपस में लड़ने वाले किसी एक देश की आक्रामक नीति में भागीदार बनता है, उसे ममदद देता है, सहयोगी के रूप से दुश्मन समझने वाले देश से युद्ध करता है तब वहाँ सर्वत्रा विनाश ही विनाश होने की संभावना बढ़ती है। ऐसी विषम स्थिति में विश्व शांति को कभी भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। विनाश की इस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए आक्रामक देश को समर्थन सहयोग नहीं देने का संकल्प अणुव्रतों को आधार मानकर किया जाय तो विश्व शांति की स्थिति बन सकती है और इन्सानों को अकाल मृत्यु, बेमौत मरने से बचाया जा सकता है।

भाजपा के 47 साल: शिखर पर जीत, सिद्धांतों पर सवाल

दिलीप कुमार पाठक

6 अप्रैल 1980 को मुंबई के समंदर किनारे जब अटल बिहारी वाजपेयी ने अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा का उद्घोष किया था, तो वह केवल एक चुनावी नारा नहीं बल्कि एक वैकल्पिक राजनीति का संकल्प था। आज 2026 में जब भारतीय जनता पार्टी अपना 47वां स्थापना दिवस मना रही है, तो इसमें कोई दो राय नहीं कि वह दुनिया के सबसे बड़े और अजेय नजर आने वाले राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित हो चुकी है। लेकिन इस अभूतपूर्व सफलता के ऊंचे बुर्ज पर बैठकर जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो कुछ बुनियादी सवाल आज भी पार्टी की उस अलग तरह के दल वाली छवि का पीछा कर रहे हैं। क्या सत्ता के इस विशाल साम्राज्य को खड़ा करने की प्रक्रिया में वे आदर्श कहीं पीछे छूट गए हैं, जो इस दल की नींव में रखे गए थे? भारतीय राजनीति के इस लंबे सफर में भाजपा ने शून्य से शिखर तक की जो यात्रा तय की है, वह संगठनात्मक कौशल का अद्भुत उदाहरण तो है, पर क्या यह सफर अपनी मूल शुचिता को भी साथ लेकर चल पाया है?

भाजपा की वैचारिक यात्रा का मूल आधार अंत्योदय और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के दो मजबूत स्तंभ थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सपना था कि विकास की कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति का उदय हो। हालांकि, उज्ज्वला से लेकर मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में मदद जैसी बड़ी योजनाओं ने एक बड़ा लाभार्थी वर्ग तैयार किया है, जिसे पार्टी अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानती है। लेकिन क्या कल्याणकारी योजनाओं का यह दाता और याचक वाला मॉडल असल सशक्तिकरण है? आज की राजनीति सेवा से ज्यादा आयोजन प्रबंधन और डिजिटल प्रचार पर टिकी नजर आती है। जिस नैतिक बल और सादगी की मिसाल पुराने दौर के नेता देते थे, उसकी जगह अब चकाचौंध और भारी-भरकम चुनावी मशीनरी ने ले ली है। विकास के दावों के बीच यह सवाल अक्सर दबी जुबान में पूछा जाता है कि क्या हम बुनियादी मुद्दों के बजाय केवल भावनात्मक और सांकेतिक राजनीति के जाल में तो नहीं उलझ गए हैं? एक जीवंत लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष का होना उतना ही जरूरी है जितना कि एक स्पष्ट बहुमत वाली सरकार का होना। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष मुक्त भारत की जिस अवधारणा को हवा दी गई, उसने लोकतांत्रिक संतुलन को बुरी तरह असहज किया है। जांच एजेंसियों के बढ़ते प्रभाव और विपक्षी नेताओं का बड़ी संख्या में भाजपा में शामिल होकर रातों-रात पवित्र हो जाना, पार्टी की उस शुचिता पर गहरा सवालिया निशान लगाता है जिसका दावा वह दशकों से करती आई है। क्या सत्ता पाने की व्याकुलता में किसी भी दल के दागी चेहरों को अपना लेना उस कार्यकर्ता आधारित संगठन के लिए सही है, जो कभी अपने सिद्धांतों पर गर्व करता था? आज पार्टी का ढांचा भी पहले की तुलना में अधिक व्यक्ति-केंद्रित हो गया है। सामूहिक नेतृत्व और आंतरिक विमर्श की जगह अब केवल ऊपर से आने वाले आदेशों और हां में हां मिलाने वाली संस्कृति ने ले ली है।

राम मंदिर का निर्माण, अनुच्छेद 370 का खात्मा और नागरिकता कानूनों जैसे मुद्दों पर उसे व्यापक जनसमर्थन मिला है, लेकिन क्या राष्ट्रवाद की इस प्रबल लहर ने देश की बुनियादी आर्थिक चुनौतियों को कालीन के नीचे धकेल दिया है? बढ़ती बेरोजगारी, मध्यम वर्ग पर महंगाई का लगातार बढ़ता बोझ और अमीर-गरीब के बीच बढ़ती गहरी खाई ऐसे कड़वे सच हैं, जिन्हें केवल भव्य आयोजनों और नारों से नहीं बदला जा सकता। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प तब तक अधूरा है जब तक देश का शिक्षित युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहा है। बड़े व्यापारिक घरानों के साथ बढ़ती नजदीकियों ने भी यह धारणा पुख्ता की है कि पार्टी का झुकाव अब आम आदमी से हटकर खास प्रबंधकों की ओर हो गया है।

स्थापना दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर भाजपा को गहराई से आत्ममंथन करने की जरूरत है। क्या वह केवल चुनाव जीतने वाली एक पेशेवर मशीन बनकर

रहना चाहती है या वापस उस नैतिक राजनीति की ओर लौटेगी, जिसका वादा 1980 के मुंबई अधिवेशन में किया गया था? लोकतंत्र केवल बहुमत का नाम नहीं है, यह अल्पमत के सम्मान, आलोचना को पचाने की शक्ति और संस्थाओं की स्वायत्तता का नाम भी है। यदि भाजपा को आने वाले दशकों में अपनी साख और गौरवशाली इतिहास को बचाए रखना है, तो उसे अपनी जीत के अहंकार से ऊपर उठकर उन लोकतांत्रिक मूल्यों को फिर से गले लगाना होगा, जो उसकी स्थापना की मूल भावना थे। सत्ता तो आती-जाती रहती है, लेकिन जो विचार अपनी नैतिकता और लोक-लाज की परवाह करना छोड़ देता है, वह इतिहास की नजरों में अपनी चमक धीरे-धीरे खोने लगता है। आने वाला समय बताएगा कि कमल की यह पंखुड़ियाँ सिद्धांतों की महक फैलाती हैं या केवल सत्ता की धूप में मुरझा कर रह जाती हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप का नया आदेश- कॉलेज खेलों में नियम कड़े

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कॉलेज खेलों को लेकर एक बड़ा आदेश जारी किया है। इसका मकसद खेलों में नियम, निष्पक्षता और स्थिरता लाना है। इस आदेश के तहत खिलाड़ियों के ट्रांसफर, योग्यता और पैसे से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू किया जाएगा। अगर कोई यूनिवर्सिटी इन नियमों का उल्लंघन करती है, तो उसे सरकारी फंड और कॉन्ट्रैक्ट से वंचित किया जा सकता है। सरकार चाहती है कि खिलाड़ियों के लिए पांच साल की स्पष्ट भागीदारी सीमा तय हो, ट्रांसफर नियम व्यवस्थित हों और सभी खिलाड़ियों को बेहतर मेडिकल सुविधा मिले। साथ ही, महिलाओं और ओलंपिक खेलों को भी आर्थिक रूप से मजबूत करने पर जोर दिया गया है। पे-फॉर-प्ले जैसे गलत पैसों के लेन-देन पर रोक लगाने की बात भी कही गई है। इस आदेश में डेटा कलेक्शन बढ़ाने और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। ट्रंप प्रशासन ने कांग्रेस से भी जल्द कानून बनाने की अपील की है।

स्कूल में बुलिंग से छात्रा की मौत, 12 साल का बच्चा गिरफ्तार

लॉस एंजिलिस , एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां 12 साल की एक छात्रा की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में एक 12 साल के बच्चे को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, छात्रा को स्कूल में बुलिंग के दौरान धातु की पानी की बोतल से सिर पर मारा गया था। पहले उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी, लेकिन बाद में हालत बिगड़ने पर उसे दोबारा भर्ती किया गया, जहां उसकी मौत हो गई। परिवार का आरोप है कि बच्ची और उसकी बहन को लंबे समय से स्कूल में परेशान किया जा रहा था, लेकिन स्कूल प्रशासन ने समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की। अब परिवार स्कूल प्रशासन पर भी जिम्मेदारी तय करने की मांग कर रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कैलिफोर्निया में भीषण जंगल की आग, लोगों को निकाला गया

सैकरामेंटो, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में तेजी से फैल रही जंगल की आग ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। तेज हवाओं के कारण आग बहुत तेजी से फैल रही है, जिससे कई इलाकों में लोगों को घर छोड़ने के आदेश दिए गए हैं। यह आग मोरेनो वैली इलाके के पास शुरू हुई और कुछ ही घंटों में बड़े क्षेत्र में फैल गई। प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तेज हवाओं के चलते हालात और बिगड़ सकते हैं। पेड़ गिरने और बिजली कटने का भी खतरा बना हुआ है। दमकल विभाग आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन हवा की वजह से मुश्किलें बढ़ रही हैं। लोगों से सतर्क रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

श्रीलंका सरकार ने सरकारी उद्यमों को बेचने का निर्णय वापस लिया

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि पिछली सरकार द्वारा सरकारी उद्यमों को बेचने का निर्णय वापस ले लिया है। अटॉर्नी जनरल परिंदा रणसिंघे जूनियर ने तीन सदस्यीय पीठ को बताया कि श्रीलंकन एयरलाइंस, टेलीकॉम, इंश्योरेंस और लंका हॉस्पिटल्स को अब नहीं बेचा जाएगा। यह स्पष्टीकरण पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के कैबिनेट फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर आया है। हालांकि, आईएमएफ की बेलआउट शर्तों के तहत घाटे को कम करने के लिए निजीकरण की बात कही गई थी।

चीन : कम्युनिस्ट पार्टी ने शिनजियांग के पूर्व प्रमुख के खिलाफ शुरू की जांच

बीजिंग, एजेंसी। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने शिनजियांग के पूर्व प्रमुख मा शिंगरुई के खिलाफ अनुशासन और कानून के उल्लंघन के संदेह में जांच शुरू की है। शिंगरुई 2021 से 2025 तक शिनजियांग के पार्टी सचिव रहे थे। उन पर लगे आरोपों का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन उन्हें इस साल हटा दिया गया था। शिनजियांग क्षेत्र उइगर मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों की नजरबंदी को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, चीन ने वहां लाखों अल्पसंख्यकों को हिरासत में लिया था।

सूडान : अस्पताल पर ड्रोन हमले में 10 की मौत, 19 लोग घायल

खार्तूम, एजेंसी। सूडान के अर्धसैनिक बलों द्वारा देश के दक्षिण-मध्य भाग में एक अस्पताल पर ड्रोन हमले में 10 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य समूह (डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स) ने बताया कि सूडानी अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज ने व्हाइट नाइल प्रांत के अल-जबलैन अस्पताल पर ड्रोन से दो हमले किए। इस हमले में एक ऑपरेशन थिएटर और एक प्रसूति वार्ड को निशाना बनाया गया।

उत्तरी अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता के भूकंप से आठ लोगों की मौत

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस हुए। अफगानिस्तान नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ हम्माद ने बताया कि उत्तरी अफगानिस्तान में आए इस भूकंप में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। हम्माद ने शुक्रवार देर रात बताया कि भूकंप के बाद काबुल प्रांत में एक घर गिर गया, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और एक बच्चा घायल हो गया। राजधानी काबुल में भी तेज झटके महसूस किए गए। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप का केंद्र शुरू में 36.55 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.85 डिग्री पूर्वी देशांतर पर पाया गया। इसके अलावा भूकंप की गहराई 186.4 किलोमीटर थी।

शुक्रवार रात दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में घबराहट फैल गई और वे घरों और ऑफिस की बिल्डिंग से बाहर निकल आए। दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और आस-पास के इलाकों सहित कई जगहों से भूकंप के झटके महसूस किए गए।

लोगों ने बताया कि बैठे-बैठे उन्हें अचानक झटके महसूस हुए, जिससे फर्नीचर और घर में रखी हुई या लटकी अन्य चीजें हिलने लगीं। कई लोगों ने कहा कि झटके कुछ सेकंड तक रहे लेकिन इतने तेज थे कि घर के अंदर भी साफ महसूस किए जा सकते थे।

कई रिहायशी इलाकों में, लोग सावधानी के तौर पर अपने घरों से बाहर निकल गए, जबकि ऑफिस में मौजूद लोग कुछ देर के लिए बिल्डिंग से बाहर निकल आए। अफगानिस्तान में कई तरह की प्राकृतिक आपदाएं आती हैं, लेकिन यहां भूकंप से सबसे ज्यादा मौतें होती हैं। हर साल औसतन लगभग 560 लोग मारे जाते हैं और सालाना लगभग 80 मिलियन डॉलर का नुकसान होता है। अध्ययनों से पता चलता है कि 1990 से अब तक अफगानिस्तान में 5.0 से ज्यादा तीव्रता वाले कम से कम 355 भूकंप आए हैं। अफगानिस्तान यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट के किनारे पर है, जो इंडियन प्लेट के साथ एक ट्रांसग्रेशन जोन शेयर करता है। इसका मतलब है कि दोनों एक-दूसरे से मिल सकते हैं या एक-दूसरे को छू सकते हैं, और यह अपने दक्षिण में अरेबियन प्लेट से भी प्रभावित है, जिससे यह दुनिया के सबसे ज्यादा टेक्टोनिक रूप से सक्रिय इलाकों में से एक बन गया है। इंडियन प्लेट का उत्तर की ओर बढ़ना और यूरेशियन प्लेट से उसका टकराना आमतौर पर अफगानिस्तान में कई भूकंपों के लिए जिम्मेदार होता है। पूर्वी और उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान, खासकर उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और पाकिस्तान के साथ इसकी सीमाओं वाले इलाके, भूकंप के लिए खास तौर पर संवेदनशील हैं। इसमें बहुत ज्यादा आबादी वाला काबुल भी शामिल है, जहां अध्ययन के मुताबिक, भूकंप से हर साल सबसे ज्यादा औसत अनुमानित नुकसान होता है, जो 17 मिलियन डॉलर है। अफगानिस्तान के पहाड़ों में भूकंप खास तौर पर खतरनाक होते हैं। यहां वे लैंडस्लाइड को ट्रिगर कर सकते हैं, जिससे जान-माल का नुकसान बढ़ जाता है।

ईरान की धमकी: बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को निशाना बनाने का संकेत

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर दबाव बढ़ाने की ओर इशारा किया है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि तेहरान अपने विरोधियों पर दबाव बढ़ाने के लिए बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को भी निशाना बना सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य पर जारी समुद्री नाकाबंदी अंतरराष्ट्रीय शिपिंग पर गहरा आर्थिक और लॉजिस्टिक दबाव बना रही है।

गालिबाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई सवाल पोस्ट करते हुए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियों को उजागर किया। उन्होंने इस जलमार्ग पर दुनिया की निर्भरता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि वैश्विक तेल, एलएनजी, गेहूं, चावल और उर्वरक शिपमेंट का कितना हिस्सा बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है?

गालिबाफ का इशारा बढ़ा रहा दुनिया की चिंता : ईरानी संसद के अध्यक्ष ने आगे कहा कि कुछ देश और कंपनियां इस रणनीतिक कदम से विशेष रूप से प्रभावित हो सकती हैं। उन्होंने पूछा, 'किन देशों और कंपनियों का इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाले शिपमेंट में सबसे अधिक हिस्सा है?' इससे यह संकेत मिलता है कि इस्लामिक गणराज्य अपने प्रभाव को अधिकतम करने के तरीकों का मूल्यांकन कर रहा है।

ईरान के जवाबी हमलों में नहीं आई कमी : यह समुद्री रणनीति युद्ध के मैदान पर बढ़ते तनाव के साथ मेल खाती है। ईरान और उसके सहयोगियों ने एक सतत जवाबी अभियान ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के तहत हमलों क नई लहर शुरू कर दी है, जिसने कब्जे वाले क्षेत्रों के भीतर महत्वपूर्ण इस्त्राइली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। यह हमले हाल की शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों की सीधी प्रतिक्रिया माने जा रहे हैं, जो क्षेत्रीय संघर्ष में एक महत्वपूर्ण वृद्धि का संकेत देते हैं।

ऊर्जा सुविधाओं और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप : ईरान का कहना है कि यह जवाबी कार्रवाई उन हमलों का भी जवाब है, जिनमें ईरान की ऊर्जा सुविधाओं और नागरिक बुनियादी ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाया गया। प्रेस टीवी ने बताया कि विरोधी ताकतों की पिछली कार्रवाइयों के कारण सैकड़ों ईरानी नागरिकों की मौत हुई थी, जिनमें मिनाब में एक प्राथमिक विद्यालय में लगभग 170 बच्चे शामिल थे।

वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव: पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बनीं भारतीय मूल की रिनी संपत, रचा नया इतिहास

वॉशिंगटन डीसी , एजेंसी। अमेरिका की राजनीति में भारतीय मूल के लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। इसी कड़ी में रिनी संपत ने इतिहास रचते हुए वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव के बैलेट में जगह बना ली है। वह इस पद के लिए बैलेट तक पहुंचने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं। तमिलनाडु के थेनी में जन्मी रिनी संपत बचपन में ही अमेरिका चली गई थीं। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि सिर्फ उनके लिए नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई समुदाय के लिए गर्व का पल है। रिनी ने कहा कि वह सात साल की उम्र में अमेरिकन ड्रीम को पूरा करने के लिए अमेरिका आई थीं।

अब उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यह सपना वॉशिंगटन डीसी के हर नागरिक के लिए हकीकत बने। उनके अभियान के मुताबिक, 4,500 से ज्यादा लोगों ने उनके समर्थन में हस्ताक्षर किए, जिसके बाद उन्हें आधिकारिक तौर पर बैलेट में जगह मिली। 31 वर्षीय रिनी संपत पिछले एक दशक से वॉशिंगटन डीसी में रह रही हैं और एक सरकारी ठेकेदार के रूप में काम कर चुकी हैं। उनका चुनावी एजेंडा शहर की बुनियादी समस्याओं को सुधारने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि अगर वह मेयर बनती हैं, तो सड़कों की मरम्मत, सीवर और जल निकासी समस्याओं का समाधान, 911 सेवाओं में सुधार और महंगाई को कम करना उनकी प्राथमिकता होगी। रिनी संपत ने मौजूदा प्रशासन पर भी सवाल उठाए हैं।

उनका कहना है कि शहर की बुनियादी सेवाएं लगातार कमजोर हो रही हैं। उन्होंने हाल की बर्फबारी का जिक्र करते हुए कहा कि सड़कों और फुटपाथों की हालत खराब हो गई थी और कचरा प्रबंधन भी बिगड़ गया था। उन्होंने खुद को एक आउटसाइडर उम्मीदवार बताते हुए कहा कि वह पारंपरिक राजनीति से अलग हैं और किसी बड़े राजनीतिक समूह का समर्थन उन्हें नहीं मिला है। उनका मानना है कि शहर को नई सोच और जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेतृत्व की जरूरत है। रिनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, खासकर अपने दादा और पिता को दिया। उन्होंने कहा कि भारत से मिले संस्कार और परिवार की प्रेरणा ही उन्हें सार्वजनिक सेवा के लिए आगे बढ़ने की ताकत देती है।

अमेरिकी बजट प्रस्ताव में आया बड़ा बदलाव, घरेलू खर्च में की कटौती और रक्षा खर्च में ऐतिहासिक बढ़ोतरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित वित्तीय वर्ष 2027 के बजट में घरेलू कार्यक्रमों में बड़ी कटौती देखने को मिल रहा है। प्रस्तावित बजट में फेडरल एजेंसियों के व्यापक पुनर्गठन की रूपरेखा दी गई है, जबकि सुरक्षा, कानून-व्यवस्था जैसी प्रमुख प्राथमिकताओं के लिए फंडिंग बरकरार रखी गई है। बजट में 2026 के गैर-रक्षा स्तरों की तुलना में 10 फीसदी कटौती का प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य खर्च पर नियंत्रण और फेडरल सरकार के ढांचे में बदलाव करना है। इस योजना को 'फिजूल और अप्रभावी कार्यक्रमों' से हटकर बताया गया है, जबकि सीमा सुरक्षा, पुलिसिंग और वेटरन्स सेवाओं जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है।

विभिन्न विभागों में बड़े पैमाने पर कटौती का खाका पेश किया गया है। कृषि विभाग को 20.8 अरब डॉलर की फंडिंग देने का प्रस्ताव है, जो 19 फीसदी की कमी को दर्शाता है। वाणिज्य विभाग का बजट 9.2 बिलियन डॉलर रखा गया है, जो 12.2 फीसदी कम है, जबकि शिक्षा विभाग को 76.5 बिलियन डॉलर मिलेंगे और इसे खत्म होने की राह पर बताया गया है। स्वास्थ्य और मानवीय सेवाओं की फंडिंग घटकर 111.1 बिलियन डॉलर हो जाएगी, जो 12.5 फीसदी की कमी को दर्शाता है, जबकि हाउसिंग और शहरी विकास में 13 फीसदी की कटौती होकर 73.5 बिलियन डॉलर हो जाएगी। राज्य विभाग और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों को सबसे ज्यादा कटौती का सामना करना पड़ रहा है। प्रस्तावित बजट के तहत 35.6 बिलियन डॉलर की फंडिंग की बात कही गई है, जो पिछले साल से 30 फीसदी कम है। बजट में, दूसरी चीजों के अलावा, शिक्षा ग्रांट, हाउसिंग इनिशिएटिव और विदेशी सहायता योजना सहित कई एजेंसियों के कई कार्यक्रमों को खत्म करने या एक साथ करने की बात कही गई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में इस योजना के तहत स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के पुनर्गठन का प्रस्ताव है, ताकि 'एडमिनिस्ट्रेशन फॉर अ हेल्दी अमेरिका' के तहत पोषण, खाद्य सुरक्षा और दीर्घकालिक बीमारियों की रोकथाम को प्राथमिकता दी जा सके। गृह सुरक्षा विभाग का बजट घटाकर 63 बिलियन डॉलर कर दिया जाएगा, जबकि बॉर्डर एनफोर्समेंट और इमिग्रेशन कंट्रोल में निवेश बरकरार रहेगा। इसी तरह, न्याय विभाग को लॉ एनफोर्समेंट के लिए ज्यादा फंडिंग मिलेगी, जबकि गैर-जरूरी समझे जाने वाले ग्रांट प्रोग्राम को कम या खत्म कर दिया जाएगा।

बजट में फेडरल ब्यूरोक्रेसी को कम करने और शिक्षा, हाउसिंग और वर्कफोर्स डेवलपमेंट जैसे क्षेत्र में राज्यों और लोकल सरकारों पर जिम्मेदारियां डालने पर जोर दिया गया है।

नाटो प्रमुख मार्क रुट्टे अगले सप्ताह वाशिंगटन में डोनाल्ड ट्रंप से करेंगे मुलाकात

वाशिंगटन , एजेंसी। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव मार्क रुट्टे 8 से 12 अप्रैल तक वाशिंगटन डीसी की यात्रा पर रहेंगे, जहां वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। यह जानकारी नाटो के प्रवक्ता द्वारा जारी एक बयान में दी गई है। प्रवक्ता ने बताया कि 8 अप्रैल को रुट्टे, ट्रंप, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ बातचीत करेंगे। इस यात्रा में 9 अप्रैल को एक सार्वजनिक कार्यक्रम भी शामिल है, जिसमें रुट्टे द्वारा रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल फाउंडेशन एंड इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित एक चर्चा में भाषण देने और भाग लेने की उम्मीद है।

यह यात्रा ट्रांस अटलांटिक गठबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर हो रही है, क्योंकि ईरान से जुड़े संघर्ष के बीच ट्रंप की हालिया आलोचना के बाद तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूरोपीय सहयोगियों के प्रति कड़ी असंतोष व्यक्त करते हुए नाटो पर अमेरिकी रणनीतिक उद्देश्यों का समर्थन करने के लिए पर्याप्त कदम न उठाने का आरोप लगाया है। ट्रंप ने तो यहां तक संकेत दिया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका 77 साल पुराने गठबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार कर सकता है, जिससे नाटो के भविष्य को लेकर सदस्य देशों में चिंताएं बढ़ गई हैं। उन्होंने यूरोप में सैन्य ठिकानों तक अमेरिकी सैन्य पहुंच को प्रतिबंधित करने और होर्मुज स्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण वैश्विक मार्गों की सुरक्षा में नेतृत्व करने में रुचि नहीं दिखाने के लिए सहयोगी देशों की आलोचना की है। नाटो अधिकारियों ने पुष्टि की है कि 8 अप्रैल को रुट्टे और ट्रंप के बीच होने वाली आगामी बैठक पर बारीकी से नजर रखी जाएगी, क्योंकि यह भू-राजनीतिक अनिश्चितता के दौर में गठबंधन की दिशा तय कर सकती है। ट्रंप के सत्ता में लौटने के बाद से कई संकटों के दौरान अमेरिकी नेता के साथ रचनात्मक संबंध बनाए रखने की उनकी क्षमता के कारण, नीदरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री रुट्टे को पर्यवेक्षकों द्वारा 'ट्रंप का सलाहकार' बताया गया है। उन्होंने लगातार तर्क दिया है कि ट्रंप के दबाव ने यूरोपीय देशों को रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है, जिससे अंततः नाटो की क्षमताएं मजबूत हुई हैं। वाशिंगटन में होने वाली चर्चाओं में तेजी से अस्थिर होते वैश्विक वातावरण में गठबंधन की एकता, रक्षा प्रतिबद्धताओं और रणनीतिक समन्वय पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है।

एपस्टीन मामले में बड़ा समझौता: 7.25 करोड़ डॉलर का बनाया गया फंड

वॉशिंगटन , एजेंसी। दुनिया को झकझोर देने वाले जेफरी एपस्टीन यौन शोषण मामले में नया मोड़ आया है। बैंक ऑफ अमेरिका और पीड़ितों के बीच 7.25 करोड़ डॉलर का समझौता हुआ है, जिससे 60-75 महिलाओं को मुआवजा मिल सकता है। अदालत ने इसे प्रारंभिक मंजूरी दी है और साफ किया है कि हर पीड़ित तक इसकी जानकारी पहुंचनी चाहिए, ताकि कोई भी न्याय से वंचित न रहे।

दुनियाभर में कुख्यात वित्त कारोबारी और दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन का घिनौना मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। नए-नए खुलासों और दस्तावेजों ने दुनियाभर के कई बड़े नेताओं और अरबपतियों की नींद उड़ा दी है। इसी बीच इस मामले में बैंक ऑफ अमेरिका और पीड़ित महिलाओं के वकीलों के बीच हुए समझौते के तहत 7.25 करोड़ डॉलर (करीब 600 करोड़ रुपये) का एक फंड बनाया गया है, जिससे पीड़ित महिलाओं को मुआवजा दिया जाएगा। अदालत के अनुसार, इस फंड का फायदा 60 से 75 महिलाओं को मिल सकता है, जिनका एपस्टीन ने 2008 के बाद यौन शोषण किया था। अमेरिकी जिला जज जेड एस. रैकॉफ ने इस समझौते को शुरुआती मंजूरी दे दी है और अंतिम सुनवाई 27 अगस्त को होगी। उन्होंने यह भी कहा कि सभी पीड़ितों तक इस फंड की जानकारी पहुंचनी चाहिए, ताकि कोई भी छूट न जाए। मामले में पीड़ित महिलाओं के वकीलों का आरोप था कि बैंक ऑफ अमेरिका ने एपस्टीन के संदिग्ध लेनदेन को नजरअंदाज किया, जबकि वह 2008 से 2019 के बीच लड़कियों और महिलाओं का शोषण कर रहा था।हालांकि बैंक ने आरोपों के बाद भी अपने बयान में कहा कि वह अपने पुराने रुख पर कायम है कि उसने किसी भी तरह के अपराध में मदद नहीं की, लेकिन इस समझौते से मामला खत्म होगा और पीड़ितों को कुछ राहत मिलेगी। जेफरी एपस्टीन को जुलाई 2019 में अवैध देह व्यापार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन अगस्त 2019 में न्यूयॉर्क की जेल में उसकी मौत हो गई, जिसे आत्महत्या बताया गया। इसके बाद से इस मामले में लगातार नए-नए मोड़ सामने आ रहे है, जिसने दुनियाभर के कई दिग्गजों की रातों की नींद उड़ा दी है।

ईरान का इस्लामाबाद में बैठक से साफ इनकार, नहीं हो पाया युद्धविराम

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान द्वारा अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम कराने के प्रयास पूरी तरह विफल हो गए हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने शुक्रवार को मध्यस्थों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। ईरान ने पाकिस्तान सहित मध्यस्थता करा रहे देशों को स्पष्ट संदेश दिया है कि वह आने वाले दिनों में इस्लामाबाद में अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात करने को तैयार नहीं है और अमेरिका की मांगों को पूरी तरह अस्वीकार्य मानता है। कुल मिलाकर ये बातचीत अब 'डेड एंड' पर पहुंच गई है।

ईरान का इनकार और अमेरिका की मांगें सूत्रों के अनुसार, ईरान ने युद्धविराम के लिए अपनी शर्तें दोहराई हैं। शुरुआती दौर में ईरान ने कहा था कि वह तभी युद्ध समाप्त करेगा जब अमेरिका युद्ध मुआवजा दे, मध्य पूर्व के अपने सभी सैन्य ठिकानों से वापसी करे और भविष्य में किसी भी हमले से सुरक्षा की गारंटी दे। इन मांगों पर कोई समझौता नहीं होने के कारण बातचीत अटक गई है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के नेतृत्व में बातचीत को आगे बढ़ाने की यह कोशिश कोई सफलता हासिल नहीं कर सकी। ईरान ने स्पष्ट किया है कि उसे अमेरिका की मांगें 'अस्वीकार्य' लगती हैं। वह पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठक के लिए अपने कोई अधिकारी को नहीं भेजेगा। इस कड़े रुख ने बातचीत की मौजूदा रूपरेखा के दरवाजे प्रभावी रूप से बंद कर दिए हैं।

पाकिस्तान की निकल गई हवा : पिछले कुछ हफ्तों से पाकिस्तान बैकडोर कूटनीति के जरिए अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहा था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विदेश मंत्री इशाक डार ने सार्वजनिक तौर पर इस्लामाबाद में सार्थक और निर्णायक वार्ता की मेजबानी करने की पेशकश की थी। इसी दिशा में पाकिस्तान ने

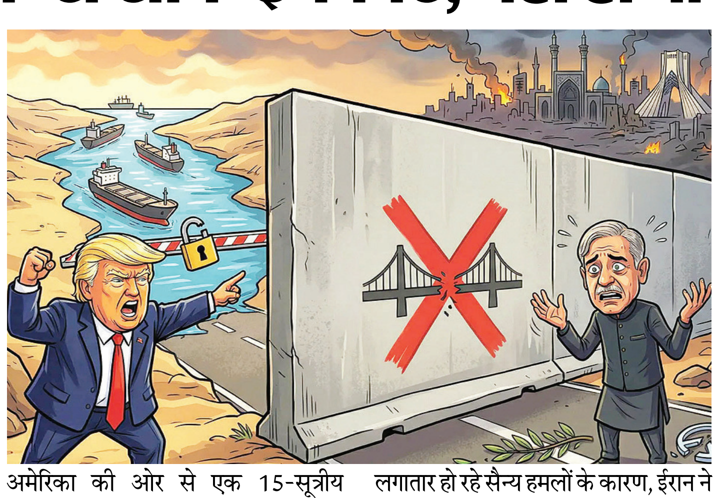

अमेरिका की ओर से एक 15-सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव ईरान को सौंपा था। इससे पहले, चीन और पाकिस्तान ने भी संयुक्त रूप से एक 5-सूत्रीय शांति योजना पेश की थी। हालांकि, अमेरिका की कुछ कठोर रणनीतिक मांगों और जमीनी स्तर पर लगातार हो रहे सैन्य हमलों के कारण, ईरान ने इस बातचीत से अपने कदम पीछे खींच लिए। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच अविश्वास की खाई इतनी गहरी है कि पाकिस्तान के लिए दोनों पक्षों को एक मेज पर लाना कूटनीतिक रूप से एक बेहद जटिल काम था, जो अंततः विफल साबित हुआ। शांति प्रयासों को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र में एक अमेरिकी युद्धक विमान (स्न-15श्व) को मार गिराने का दावा किया। पश्चिमी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी विशेष बलों ने एक पायलट का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया है, जबकि दूसरे की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। तुर्की और मिस्र तलाश रहे नए विकल्प इस कूटनीतिक गतिरोध के कारण शांति प्रयास अधर में लटक गए हैं। इसे देखते हुए तुर्की और मिस्र अब इस समस्या का समाधान इस्लामाबाद से बाहर तलाश रहे हैं। दोनों देश युद्धविराम की बची-खुची उम्मीदों को बचाने के लिए नए स्थानों पर विचार कर रहे हैं, जिनमें दोहा (कतर) और इस्तांबुल (तुर्की) बातचीत की मेजबानी के लिए प्रमुख विकल्पों के रूप में उभरे हैं।

क्यूबा में कैदियों की रिहाई, लेकिन उठे सवाल

हवाना, एजेंसी। क्यूबा सरकार ने करीब 2,000 कैदियों को रिहा करने का फैसला किया है, जिसे मानवीय कदम बताया जा रहा है। रिहाई के बाद कई परिवारों में खुशी का माहौल है। लोग अपने परिजनों से वर्षों बाद मिलकर भावुक हो गए। हालांकि, मानवाधिकार संगठनों ने इस फैसले पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यह साफ नहीं है कि रिहा किए गए लोगों में कितने राजनीतिक कैदी शामिल हैं। कई संगठनों का आरोप है कि क्यूबा सरकार असली मुद्दे को छिपा रही है और राजनीतिक कैदियों को लेकर पारदर्शिता नहीं दिखा रही।

फैशन में हैं बिछुए

पायल के साथ बिछुओं की छमाछमा भी दुल्हन की पहचान रही है। पहले बिछुओ को सुहाग का प्रतीक कहा जाता था, इसलिए सिर्फ दुल्हनें या शादीशुदा युवतियों के द्धारा ही ये पहने जाते थे लेकिन अब ये विवाहित फैशनेबल युवतियों कि पहली पसंद बन गए हैं। फर्क सिर्फ इतना आया है कि पहले जहां ये युवतियों के लिए सौभाग्य का प्रतीक थे वहीं अब फैशन के प्रताक बन गये है।

आज युवतियों में स्टोन जड़े बिछुओं का क्रेज सिर चढ़ कर बोल रहा है पायल के साथ ये अच्छा संयोजन बनाते हैं। पायल के साथ एक चेन से जुड़ी हुई पैरों की ये अंगूठियां युवतियां वेस्टर्न ड्रेसेस के साथ भी खुब अपना रही हैं। कई तरह की वैराइटियों में पायल और बिछुओं का यह कांबिनेशन बाजार में मोजूद है। इन में प्लेन चेन से ले कर नगों तक की चेन के कई डिजाइन मिलते हैं, जिन पर बिछुओं के डिजाइन का एक स्टोन या नग भी लगा होता हैं।

सोने के मोती जड़े

बिछुए चांदी के साथसाथ सोडियम कोंटिग और आक्सीडाइज्ड रुप में सोने के भी बनने लगे हैं। ये कइ तरह के डिजाइनों में मिलते हैं। जैसे चटाई स्टाइल, फूलपतियों की सजावट वाले, मीनाकारी, कटवर्क, गोल व ओवल शेप में आजकल लेटेस्ट फैशन के स्टोन सेटिंग, रंगीन प्रेशियस स्टोन वाले बिछुए भी बाजार में मिल रहे हैं। वैसे मोती जड़े बिछुए भी काफी चलन में हैं। ये हर तरह की ड्रेस के साथ मैच कर जाते हैं।

पैरों में पहने जाने वाले ये अगूठीनुमा बिछुए परंपरागत डिजाइनों में भी मिलते हैं। इन में दुल्हन की डोली को बड़े ही कलात्मक अंदाज से बिछुओं पर उकेरा जाता हैं। ये पहनने में थोड़े लंबे होते हैं लेकिन आरामदायक भी होते हैं। इस तरह के थोड़े ज्यादा हैवी काम के बिछुओं की रेंज 250 रुपए से ले कर 600 रुपए तक है।

आर्टिफिशल भी कम नहीं

यह तो हुई बात चांदी के बिछुओं की लेकिन बाजार में आर्टिफिशल बिछुए भी मिलते हैं। इन की किमत 35 रुपए से शुरु हो कर 150 तक होती है। ये बिछुए ज्वेलर्स की दुकानो पर मिलते हैं। अगर आप भी अपने पैडिक्योर किए हुए पैरों की खुबसूरती में चार चांद लगाना चाहती हैं, तो ले आइए पैरों की ये अंगूठियां।

सावधान रहें रसोई घर में

यदि रसोईघर सुव्यवस्थित होगा, हर चीज करीने से सही स्थान पर रखी होगी तो आप खुद कई परेशानियों से बच सकती हैं व आने-जाने वाली सहेलियों व मेहमानों पर भी आपके सुव्यवस्थित व सुंदर रसोईघर का अच्छा प्रभाव पड़ सकता है।

रसोई घर में खाना बनाने से समेटने तक का कार्य गृहिणी स्वयं करती है। यहां तक कि खाना तैयार करने व परोसने का कार्य भी वह करती है।

परोसा गया खाना कैसा है? स्वच्छ है या नहीं? कम से कम समय में खाना तैयार हो आदि रसोईघर में संबंधित बातें गृहिणियों के ध्यान में होनी आवश्यक हैं। रोजाना जितना समय गृहिणी का रसोई घर में बीतता है उतना कहीं भी नहीं? रसोईघर को सुंदर, सुव्यवस्थित व सजी हुई रखना भी कुशल गृहिणी की पहचान है।

यदि रसोईघर सुव्यवस्थित होगा, हर चीज करीने से सही स्थान पर रखी होगी तो आप खुद कई परेशानियों से बच सकती हैं व आने-जाने वाली सहेलियों व मेहमानों पर भी आपके सुव्यवस्थित व सुंदर रसोईघर का अच्छा प्रभाव पड़ सकता है।

सावधानियां

- रसोईघर में हमेशा सूती कपड़े ही पहनें। टेरालीन, नायलोन, रेशमी कपड़े ताप के सुचालक होते हैं व आग जल्दी पकड़ते हैं। साड़ी बांध कर काम कर रही हैं तो साड़ी का पल्लू नीचे न लटके, यह भी ध्यान रखें। पहने हुए सूती वस्त्र ज्यादा ढीले-ढाले न हों।
- गैस चूल्हा जलाने से पूर्व माचिस या लाइटर व अन्य सामग्री अपने पास एकत्र अवश्य कर लें।
- दालें, चावल आदि को चुनने-बीनने का काम भोजन पकाते समय न करके भोजन पकाने से पूर्व ही करें।
- रसोईघर में हमेशा पैरों में फिसलने वाली चप्पलें या ऊंची एड़ी के सैंडिल न पहनें।
- कम सामग्री पकाने हेतु हमेशा छोटे बर्तनों का ही इस्तेमाल करें। इससे गैस की भी बचत होती है।
- खाद्ययुक्त सामग्री को हमेशा ढक कर ही रखें ताकि उनमें कीट-पतंग या कोई जहरीली वस्तु न गिर सके।
- रसोई के मसाले व अन्य सामान हमेशा प्रमाणित कम्पनियों या एगमार्क के ही इस्तेमाल करें।
- माचिस, मोमबत्ती या लैम्प को हमेशा एक ही स्थान पर रखें ताकि अंधेरे में भी उसे ढूंढा जा सके।
- माचिस व लाइटर को हमेशा गैस चूल्हे के पास रखें ताकि बाद में ढूंढना न पड़े।
- रसोई घर की सभी आवश्यक वस्तुओं को व्यवस्थित रखें। इससे रसोईघर की सुंदरता बढ़ेगी व सामान ढूंढने में भी परेशानी नहीं होगी।
- रसोई घर में कहीं भी सब्जी या चाय आदि वस्तु गिरने पर उस जगह पर गीले कपड़े का पोंछा अवश्य फेर दें ताकि वहां कोई दाग-धब्बा न रह सके व वहां मक्खियां भी न आ सकें।
- रसोई घर की खिड़कियों पर कभी पर्दे न लगाएं क्योंकि बाहर से तेज हवा आने पर पर्दे के पास रखी वस्तुएं गिरा सकती हैं या गैस से दुर्घटना भी हो सकती है।
- रसोई घर में खड़े-खड़े ज्यादा काम करने से आप थक भी सकती हैं अत: बैठ कर कार्य करने के लिए कोई ऊंचा स्टूल या कुर्सी अवश्य रखें।
- सिंक (जूठे बर्तन धोने की जगह) में ज्यादा देर जूठे बर्तन न रहने दें। इससे गंदगी फैलती है।
- सिंक से पानी बाहर निकलने की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

कॉर्न एंड पीज पुलाव

सामग्री : 2 कप चावल, 1 कप हरे मटर, 1 कप मक्के के दाने, 1 प्याज के स्लाइसिस, 2 कप कोकोनट मिल्क, 2 टेवलस्पून तेल, थोड़ी-थोड़ी लौंग, इलायची व दालचीनी, 1 तेजपत्ता, नमक स्वादानुसार।

मसाले का पेस्ट : 1 प्याज, लहसुन की 6-7 कलियां, अदरक का एक टुकड़ा, 2 टेबलस्पून कद्दूकस किया हुआ नारियल। सभी को मिलाकर ग्राइंड करके पेस्ट बना लें।

विधि : एक पैन में तेल गरम करके साबुत गर्म मसाले और प्याज डाल कर भूनें। अब इसमें मसाले का पेस्ट मिलाकर भूनें। फिर बाकी बची हुई सामग्री और थोड़ा-सा पानी मिलाकर चावल के पकने तक पकाएं। व गर्मागर्म सर्व करें।

योग से निखारें सौंदर्य

चेहरा मनुष्य का आईना होता है, चेहरे को देख कर ही हम बता सकते हैं कि कौन सा व्यक्ति दुखी है, सुखी है, परेशान है, उदास है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि चेहरा ही हमारी और आपकी उम्र की पोल खोल देता है, चाहे हम कितने ही बाल क्यों ना काले करें।

- हमारी हर शारीरिक, मानसिक परेशानी या तकलीफ का सीधा असर चेहरे पर पड़ता है।
- शरीर में कहीं भी दर्द हो, तो उसका, प्रभाव चेहरे पर तुरंत पड़ता है।
- मानसिक परेशानी में चेहरा कुम्हला जाता है और चेहरे की कांति खो सी जाती है।
- खून की कमी के कारण भी चेहरा मुरझाया लगता है।
- सही खानपान ना होने के कारण भी चेहरे पर काफी असर पड़ता है।
- मानसिक परेशानी के कारण चेहरे पर फोड़े-फुंसियां भी निकल आती हैं।
- अकसर पानी कम पीने के कारण भी चेहरे की चमक चली जाती है।
- माहवारी आने से पहले भी चेहरा मुरझा जाता है।
- तेज धूप में बाहर निकलने से चेहरा रूखा और बेजान सा हो जाता है।
- गलत सौंदर्य प्रसाधनों का इस्तेमाल करने से भी चेहरा खराब हो जाता है।
- खाने-पीने की आदतों में सुधार लाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 2037

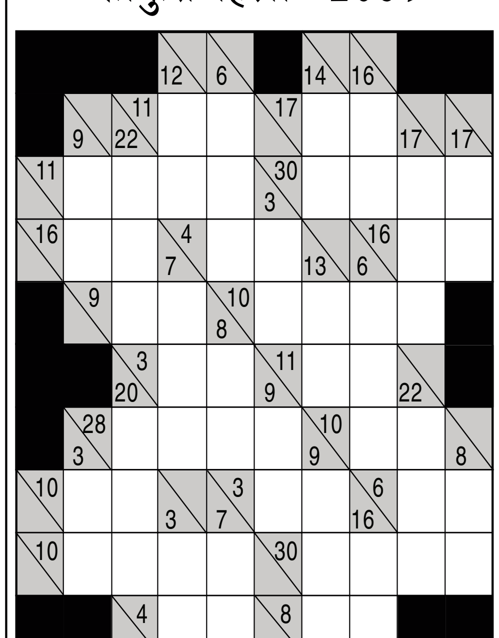

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

15 / 24: 1 2 3 4 5 — 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2036 का हल

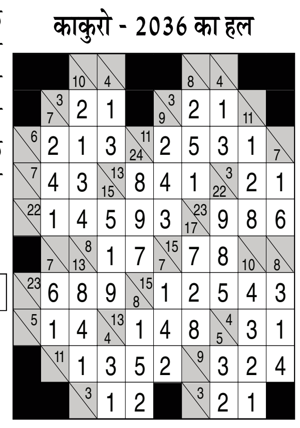

लॉफिंग ज़ोन

एक बार चमन अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ फिल्म देखने गया। वहाँ भी उसकी पत्नी हर समय उससे बातचीत में ही लगी रही। तंग आकर उसने इंटरवेल में पत्नी के लिए पान खरीदा और उसे दे दिया।

पत्नी बोली- एक पान तुम भी ले लो?

चमन बोला- मैं तो बिना पान खाए भी खामोश रह सकता हूँ।

□ □ □

चिंटू (चमन से)- क्या तुम बता सकते हो कि एक आदमी नेता बनने के बाद क्या खास काम करता है?

चमन- चुनाव के पहले वह अपना हाथ हिलाता है और बाद में जनता के विश्वास को।

□ □ □

कवि सम्मेलन के दौरान एक व्यक्ति अपने पास की कुर्सी पर बैठे कवि से बोला- कविवर, आपके पास पाँच सौ के छुट्टे है क्या?

कविवर (जिनके जेब में फूटी कौड़ी भी नहीं थी) इत्मीनान से बोले- छुट्टे तो नहीं हैं! किंतु.... यह पूछकर आपने जो मेरा मान बढ़ाया है, उसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2037

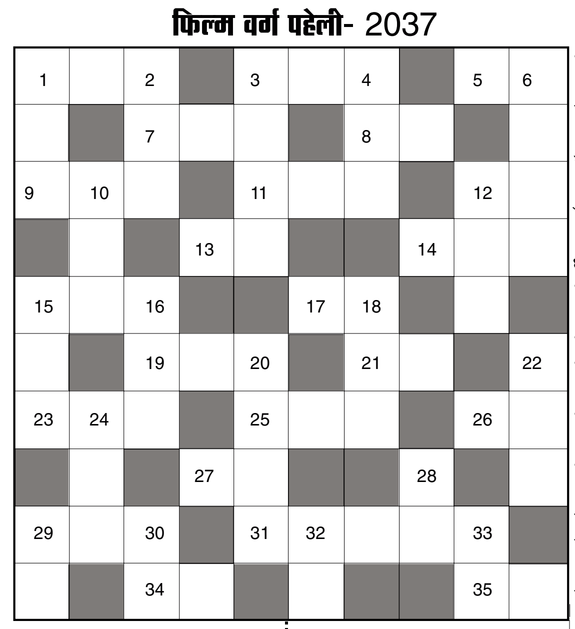

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५.अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७.गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९.चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमुताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१.चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2036

सूडोकु -2037

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2036 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 2037

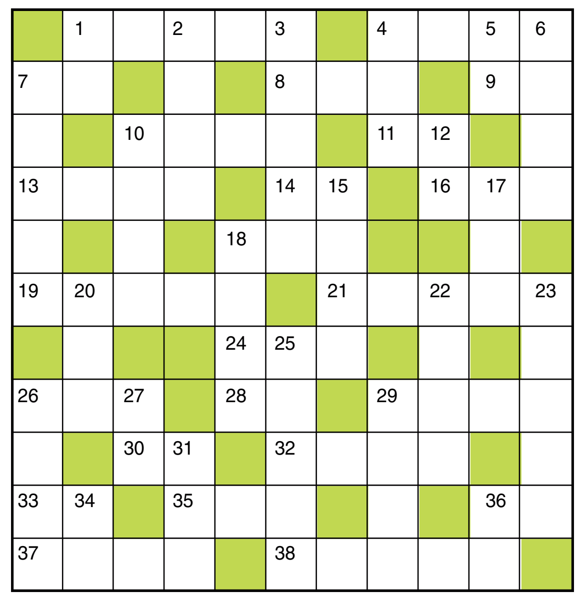

बाएँ से दाएँ

1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1.इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली -2036 का हल

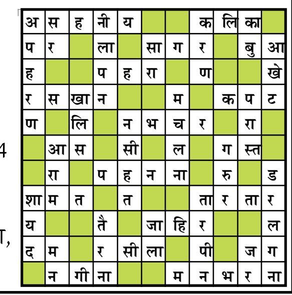

16-18 अप्रैल को संसद में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर चर्चा, 2029 से 33फीसदी महिला आरक्षण लक्ष्यः पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि संसद 16 से 18 अप्रैल के बीच फिर से बैठक करेगी, जिसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा कर इसे आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है। केरल के तिरुवल्ला में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक देश में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने और लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार ने संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है। अब संसद में इस पर विस्तार से चर्चा होगी और सभी दलों से सहयोग की अपेक्षा है।' उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे इस विधेयक का समर्थन करें, क्योंकि यह केवल राजनीति नहीं बल्कि महिला सशक्तिकरण का विषय है।

गांवों में भी ऐसी क्षमता, जहां से देश के लिए लाखों योग्य नागरिक किए जा सकते हैं तैयार : ज्योतिरादित्य सिंधिया

अशोक नगर। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियानों से गांव-गांव तक शिक्षा पहुंच रही है, जिससे बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो रहा है। गांवों में भी ऐसी क्षमता है, जहां से देश के लिए लाखों योग्य और सशक्त नागरिक तैयार किए जा सकते हैं। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले के ग्राम कचनार के पीएमश्री शासकीय माध्यमिक विद्यालय में स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम 2026 में शामिल होकर बच्चों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने स्कूली छात्र-छात्राओं को पुस्तकों का वितरण भी किया। उन्होंने बच्चों और अभिभावकों को शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रहे विकास का उल्लेख किया। उन्होंने ग्वालियर स्थित गजरा राजमेडिकल कॉलेज का उदाहरण देते हुए बताया गया कि कैसे वर्षों पहले स्थापित इस संस्थान ने हजारों डॉक्टर तैयार किए, जो आज देश-विदेश में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने कार्यक्रम में बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा गया कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है और एक अच्छी किताब कई दोस्तों के बराबर होती है, जबकि एक अच्छा दोस्त पूरे पुस्तकालय के समान होता है।

आईडीएफ की अध्यक्ष डॉ. नीति पाल ने की केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह से मुलाकात

नई दिल्ली। इंटरनेशनल डायबिटिज फेडरेशन (आईडीएफ) की अध्यक्ष डॉ. नीति पाल ने केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से भेंट की। वे इन दिनों भारत की यात्रा पर हैं। इस दौरान दोनों ने स्वदेशी बायोसिमिलर इंसुलिन उत्पादन तथा मधुमेह से संबंधित स्वदेशी बायोमैन्युफैक्चरिंग संभावनाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर डॉ. नीति पाल ने इंसुलिन की उपलब्धता और सस्ती डाइबिटीज देखभाल पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि दुनिया में इंसुलिन का उत्पादन कुछ ही बड़ी कंपनियों तक सीमित है। साथ ही, ये कंपनियां अब नई दवाओं जैसे जीएलपी-1 थेरेपी पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं, जिससे भविष्य में इंसुलिन की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसका सीधा असर टाइप एक डायबीटीज के मरीजों पर पड़ता है, जिन्हें जीवनभर इंसुलिन की जरूरत होती है। महंगी कीमतों के कारण कई देशों में मरीजों की पहुंच अभी भी सीमित बनी हुई है। इस बीच, बायोसिमिलर इंसुलिन को एक अहम समाधान के रूप में देखा जा रहा है। ये दवाएं मौजूदा इंसुलिन के समान प्रभावी होती हैं लेकिन कम लागत पर उपलब्ध कराई जा सकती हैं। डॉ. नीति पॉल ने कहा कि एशिया और अफ्रीका के कई देश सस्ती डायबिटीज देखभाल के लिए भारत की ओर देख रहे हैं।

नितिन नवीन ने विपक्ष के नेताओं को बताया पार्ट-टाइम नेता

श्रीभूमि (असम)। असम में श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की सभा में भारी जनसमूह उमड़ा। रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी विजय मालाकर के समर्थन में आयोजित विजय संकल्प सभा में हजारों समर्थकों की उपस्थिति देखी गई। रामकृष्णनगर के खेल मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर भाजपा द्वारा व्यापक तैयारियां की गई थीं। सभा में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही और राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति से कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखा गया। सभा को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र में हुए विकास कार्यों को प्रमुखता से रखा। उन्होंने विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए उन्हें 'पार्ट-टाइम नेता' बताया, जो केवल चुनाव के समय सक्रिय होते हैं, जबकि भाजपा नेता वर्षभर जनता के बीच रहकर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य 2047 तक असम को एक विकसित राज्य बनाना है और इसके लिए पार्टी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

आजादी के बाद हमारी सांस्कृतिक विरासत राजनीति की भेंट चढ़ गईः अर्जुन मुंडा

एजेंसी

नई दिल्ली। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि दुर्भाग्यवश आजादी के बाद हमारी सांस्कृतिक विरासत राजनीति की भेंट चढ़ गई। अर्जुन मुंडा ने दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) और अयोध्या न्यास के सहयोग से आयोजित 8वें 'अयोध्या पर्व' के दूसरे दिन वैचारिक विमर्श और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान राम की चेतना और रामराज्य की संकल्पना पर गहन मंथन के दौरान यह बात कही। दिन के प्रथम सत्र 'शबरी के राम' में वक्ताओं ने भगवान राम के लोकनायक स्वरूप पर चर्चा की।उन्होंने कहा, हमारी इस विरासत में अपार आध्यात्मिक शक्ति है, जो अब पुनः जागृत हो रही है। उन्होंने शबरी के प्रसंग को भक्ति और निष्कपट प्रेम का उच्चतम आयाम बताया। 'पं. रामकिंकर उपाध्याय की दृष्टि में रामराज्य' विषय पर आयोजित

दूसरे सत्र में पूर्व आईएएस मनोज श्रीवास्तव ने रामराज्य की परिभाषा स्पष्ट करते हुए कहा, रामराज्य में राजा सेवा करने के लिए होता है, सेवा लेने के लिए नहीं। राम का नेतृत्व सत्ता (पॉवर) में नहीं बल्कि सेवा में निहित है। उन्होंने कहा कि रामराज्य किसी पंचवर्षीय योजना से नहीं, बल्कि मानवीय भाव से संभव है। आध्यात्मिक गुरु दीदी मां मंदाकिनी ने पं. रामकिंकर उपाध्याय के विचारों को साझा करते हुए कहा कि रामराज्य के साकार होने के लिए राम के साथ-साथ भरत, लक्ष्मण और हनुमान जैसी निष्ठा की भी आवश्यकता होती है। उन्होंने राम और भरत को दो व्यक्तियों के बजाय दो विचारधाराओं का प्रतीक बताया। आचार्य कृष्णकांत ने अयोध्या पर्व को 'चल प्रतिष्ठा' की संज्ञा देते हुए कहा कि दिल्ली में साक्षात अयोध्या का आगमन हुआ है। शाम के सत्र में सांस्कृतिक रंगत बिखरी, जिसमें माधवी मधुकर झा ने संस्कृत स्तोत्र गायन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। वहीं, नवीन अग्रवाल द्वारा निर्देशित नाटक 'शबरी के राम' ने शबरी की प्रतीक्षा और भक्ति के अनछुए पहलुओं को भावपूर्ण ढंग से मंच पर जीवंत किया। इस मौके पर साधक की समस्याएं और शाश्वत समाधान पुस्तक का लोकार्पण किया गया। सत्र के समापन पर अयोध्या पर्व के संयोजक व पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने सभी अतिथियों और आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

एसआई भर्ती 2021 रद्द करने को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला स्वागत योग्यः हनुमान बेनीवाल

एजेंसी

जयपुर। जयपुर राजस्थान उच्च न्यायालय की डिविजन बैंच ने एसआई भर्ती 2021 को एकलपीठ द्वारा रद्द करने के फैसले को बरकरार रखा है जो स्वागत योग्य निर्णय है। यह बात राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने उच्च न्यायालय के निर्णय के बाद कही। सांसद ने कहा कि एसआई भर्ती भर्ती 2021 में हुई धांधली, पेपर लीक की वजह से लाखों मेहनतकश अभ्यर्थियों के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह खड़ा हो गया। तब राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने मेहनतकश अभ्यर्थियों के पक्ष में इस भर्ती को रद्द करवाने के लिए लंबा आंदोलन किया और जयपुर के शहीद स्मारक पर कई दिनों तक धरना दिया। बड़ी रैली भी राजधानी जयपुर में की। सांसद ने कहा कि जब राजस्थान उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने एसआई भर्ती 2021 को रद्द करने का फैसला दिया तो राजस्थान की दोगली बीजेपी सरकार ने इस भर्ती को यथावत रखवाने का पुरजोर प्रयास किया। मगर आज फिर से मेहनतकश अभ्यर्थियों की भावनाओ की कोर्ट में जीत हुई है। राजस्थान सरकार के इशारे पर राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा कल से होने वाली एसआई भर्ती को लेकर जिस तरह की जल्दबाजी दिखाई वो उचित नहीं थी। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से प्रश्न है किया कि जब तीसरे चरण में सभी को मौका दिया जा सकता था, तो बिना समाधान के RPSC की आखिरकार सुप्रीम कोर्ट जाने की क्या मजबूरी थी? उन्होंने कहा कि क्या सरकार की नजरों में युवाओं की मेहनत, उनके समय और उनके भविष्य की कोई कीमत नहीं है?

एनर्जी मिक्स से करें ऊर्जा की दीर्घकालिक मांग का समुचित प्रबंधन -केन्द्रीय विद्युत सचिव

एजेंसी

जयपुर। केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल ने दीर्घकालिक ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विभिन्न ऊर्जा स्रोतों के मिश्रण (एनर्जी मिक्स) पर आधारित परियोजनाओं को गति देने के निर्देश प्रदेश के विद्युत निगमों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय एवं गैर नवीकरणीय स्रोतों की बंडलिंग से राज्य में ऊर्जा की बढ़ती मांग का बेहतर प्रबंधन किया जा सकता है। केन्द्रीय विद्युत सचिव विद्युत भवन में राज्य के एनर्जी सेक्टर से संबंधित विषयों पर ऊर्जा विभाग एवं विद्युत निगमों के वरिष्ठ अधिकारियों से फीडबैक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पीएम-कुसुम योजना के माध्यम से विकेन्द्रित सौर ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा मिला है। केन्द्रीय विद्युत सचिव ने कहा कि डिसेन्ट्रलाइज सोलर परियोजनाएं विकसित होने के बाद ग्रिड में उत्पादित सौर ऊर्जा के इंटीग्रेशन की चुनौती भी पैदा हो रही है। ऐसे में वितरण निगम ग्रिड स्थिरता की दिशा में स्वयं को बेहतर तरीके से तैयार करें। उन्होंने पीक ऑवर्स में बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली सहित अन्य परियोजनाओं को समय पर

विकसित करने पर जोर दिया।केन्द्रीय विद्युत सचिव ने राज्य के 24 जिलों में कृषि क्षेत्र को दिन में सप्लाई, लॉस रिडक्शन, आरडीएसएस योजना के अन्तर्गत स्मार्ट मीटर की प्रगति, रिसोर्स एडीक्वेसी प्लान आदि पर चर्चा की। उन्होंने प्रदेश में ट्रांसमिशन परियोजनाओं के विस्तार, एसटीयू नेटवर्क पर नवीकरणीय ऊर्जा की कनेक्टिविटी आदि की भी जानकारी ली। इस अवसर पर रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन (आरईसी) के सीएमडी जितेन्द्र श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। ऊर्जा विभाग की शासन सचिव आरती डोगरा ने केन्द्रीय विद्युत सचिव को अवगत कराया कि पीएम कुसुम में अब तक करीब 3800 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं स्थापित हो चुकी हैं। उन्होंने जयपुर, अजमेर एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम द्वारा लॉस रिडक्शन की दिशा में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता, राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ सिहाग, उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेन्द्र श्रृंगी ने भी केन्द्रीय सचिव को संबंधित विषयों से अवगत कराया। इस दौरान केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के संयुक्त सचिव (वितरण) शशांक मिश्रा सहित केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

मुंबई पुलिस ने 1,541 से ज्यादा चोरी और गुम हुए मोबाइल फोन बरामद किए

एजेंसी

मुंबई। मुंबई पुलिस ने एक संगठित अभियान चलाते हुए न केवल बड़ी संख्या में चोरी और गुम हुए मोबाइल फोन बरामद किए, बल्कि उन्हें उनके असली मालिकों को वापस भी सौंप दिया। मुंबई पुलिस कमिश्नरेट के जोन-3 की टीम द्वारा पिछले कुछ महीनों में चलाए गए विशेष ऑपरेशन के तहत कुल 1,541 चोरी और गुम हुए मोबाइल फोन का सफलतापूर्वक पता लगाया गया। इन मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत 3 करोड़ 37 लाख 44 हजार 500 रुपए बताई गई है। पुलिस ने एक विशेष कार्यक्रम आयोजित कर इन सभी मोबाइल और अन्य बरामद सामान को उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया, जिससे लोगों के चेहरों पर संतोष और खुशी साफ दिखाई दी। पुलिस के अनुसार, पिछले तीन महीनों के दौरान ही जोन-3 के विभिन्न थानों ने मिलकर 662 मोबाइल फोन बरामद किए। इनकी कीमत करीब 1 करोड़ 35 लाख 71 हजार रुपए आंकी गई है। इस अभियान में सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल, साइबर सेल और डिटेक्शन ब्रांच की अहम भूमिका रही। इसके अलावा, करीब 30 लाख

54 हजार रुपए के अन्य कीमती सामान भी बरामद किए गए। आयोजित कार्यक्रम में कुल 1 करोड़ 66 लाख 25 हजार रुपए मूल्य की संपत्ति नागरिकों को लौटाई गई।

जोन-3 के अंतर्गत आने वाले अलग-अलग पुलिस थानों की भूमिका भी इस अभियान में उल्लेखनीय रही। नागपाड़ा पुलिस स्टेशन ने सबसे अधिक 139 मोबाइल फोन बरामद किए, वहीं वर्ली पुलिस स्टेशन ने 108, ताड़देव पुलिस स्टेशन ने 105, एनएम जोशी मार्ग पुलिस स्टेशन ने 104, आग्रीपाड़ा पुलिस स्टेशन और भायखला पुलिस स्टेशन ने 103-103 मोबाइल फोन बरामद किए।

इस पूरे अभियान का नेतृत्व डीसीपी कृष्णकांत उपाध्याय के मार्गदर्शन में किया गया। उनके निर्देशन में अब तक तीन बड़े रिकवरी ड्राइव संचालित किए जा चुके हैं। इन अभियानों के माध्यम से पुलिस ने न केवल तकनीक और समन्वय का बेहतरीन उदाहरण पेश किया, बल्कि आम जनता का भरोसा भी मजबूत किया है।

विज़िट मलेशिया कार्निवल ने लोगों को मलेशियाई संस्कृति, व्यंजन, पर्यटन और उद्योग से कराया रूबरू

नई दिल्ली। भारत में मलेशियाई उच्चायोग ने चाणक्यपुरी स्थित अपने परिसर में रंगारंग 'विज़िट मलेशिया कार्निवल 2026' का आयोजन किया। इसका उद्देश्य न केवल मलेशिया की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन आकर्षणों को प्रदर्शित करना था, बल्कि भारत और मलेशिया के बीच बढ़ते आर्थिक एवं औद्योगिक सहयोग को भी सशक्त रूप से प्रस्तुत करना था। इस कार्निवल में परिवारों, विद्यार्थियों, यात्रा प्रेमियों, राजनयिक समुदाय तथा भारतीय समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया, जिससे कार्यक्रम में संस्कृति, स्वाद, व्यवसायिक सहभागिता और उत्सव का जीवंत माहौल देखने को मिला।

इस अवसर पर भारत में मलेशिया के उच्चायुक्त दातो मुजफर शाह मुस्तफा ने कहा कि विज़िट मलेशिया कार्निवल 2026, मलेशिया और भारत के बीच मजबूत संबंधों को और प्रगाढ़ बनाएगा। संस्कृति, व्यंजन और साझा अनुभवों के माध्यम से हमारा उद्देश्य भारत के मित्रों को मलेशिया

के और करीब लाना है और उन्हें विज़िट मलेशिया ईयर 2026 के दौरान हमारे देश की विविध विशेषताओं को देखने के लिए आमंत्रित करना है। 'यह कार्निवल केवल एक सांस्कृतिक प्रदर्शन नहीं, बल्कि भारतीय यात्रियों के लिए मलेशिया को एक पसंदीदा अवकाश स्थल के रूप में दिखाने का आमंत्रण है। हम अधिक भारतीय पर्यटकों का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं, ताकि वे मलेशिया की प्राकृतिक सुंदरता, द्वीपों, शॉपिंग, व्यंजनों और बहुसांस्कृतिक सामंजस्य का अनुभव कर सकें। 'कार्निवल में आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, प्रामाणिक मलेशियाई व्यंजनों के लाइव कुकिंग डेमो, शिक्षा, पर्यटन और व्यापार से जुड़े स्टॉल, मनोरंजक गतिविधियाँ तथा सभी आयु वर्ग के आगंतुकों के लिए रोमांचक रैफल ड्रॉ का आयोजन किया गया। आगंतुकों ने मलेशियाई व्यंजनों और उष्णकटिबंधीय फलों का आनंद लिया, जिसने नई दिल्ली में मलेशिया का वास्तविक स्वाद प्रस्तुत किया।इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण रणनीतिक औद्योगिक साझेदारों की मजबूत भागीदारी रही, जिसने कार्निवल को एक विशिष्ट व्यावसायिक आयाम प्रदान किया।

प्लेटिनम पार्टनर्स के रूप में एसएमएच रेल इंडिया प्रा.लि., पेटरा ग्रुप , जेनतारी इंडिया तथा अलानसन प्रा.लि. शामिल रहे। ये संस्थाएं रेलवे परियोजनाओं, इंजीनियरिंग समाधान, सतत विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, हरित गतिशीलता, डिकार्बोनाइजेशन और कृषि व्यापार जैसे क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष ने ईस्टर के अवसर पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को ईस्टर के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति ने एक्स पर कहा, आप सभी को ईस्टर की हार्दिक शुभकामनाएं! प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान का यह पवित्र अवसर हमें सत्य, प्रेम, करुणा, त्याग और क्षमा के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। इस दिन, आइए हम सद्भाव, शांति और भाईचारे को बढ़ावा देने और एक बेहतर भविष्य के लिए मिलकर प्रयास करने का संकल्प लें। उप राष्ट्रपति ने कहा कि यीशु मसीह का जीवन और उनकी शिक्षाएं प्रेम, त्याग, क्षमा और सेवा

जैसे शाश्वत मूल्यों को दर्शाती हैं। यह पवित्र अवसर हमारी आशा को नवीकृत करे। ओम बिरला ने कहा कि ईश्वर की कृपा से यह सुंदर दिन आपके जीवन में नई शुरुआत लाए। आपके विश्वास को मजबूत करे और आपको सुख, शांति और अनगिनत आशीर्वादों से भर दे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि ईस्टर की यह तिथि करुणा को प्रेरित करे, भाईचारे के बंधन को मजबूत करे और एक उज्जवल, आशापूर्ण भविष्य का मार्ग प्रशस्त करे। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी ने कहा कि यह विशेष अवसर आपके जीवन को खुशियों, सद्भाव और समृद्धि से भर दे।

बीएफयूएचएस कैंसर इंस्टीट्यूट को अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जाएगा : मुख्यमंत्री

एजेंसी

बठिंडा। बठिंडा पंजाब में कैंसर देखभाल को अपग्रेड करने के लिए निर्णायक प्रयासों के तहत मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (बी.एफ.यू.एच.एस.) में एडवांस्ड कैंसर इंस्टीट्यूट का अचानक निरीक्षण किया और उन्होंने बुनियादी ढांचे, तकनीकी तथा मानव संसाधन के व्यापक सुधार के आदेश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि इलाज के मानकों में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। परिवर्तन के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि संस्थान को विश्व स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें रोबोटिक सर्जरी सहित उन्नत सुविधाओं की शुरुआत की जाएगी और स्टाफ की भर्ती को मजबूत करने के लिए तुरंत कदम उठाए जाएंगे, जिसका उद्देश्य मालवा क्षेत्र में मरीजों की देखभाल को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना है। अस्पताल के अचानक दौरे के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने संस्थान के कामकाज का जायजा लिया और जमीनी हकीकतों का मूल्यांकन करने तथा तुरंत ध्यान देने वाले क्षेत्रों की पहचान करने के लिए मुख्य हितधारकों से बातचीत की। उन्होंने जोर देकर कहा, 'इस दौरे का

उद्देश्य संस्थान को समर्थन देना और मजबूत करना है, न कि कमियों को ढूंढना। दौरे का व्यापक उद्देश्य इसे पूरे राज्य के लिए प्रमुख स्वास्थ्य देखभाल केंद्र में बदलना है।' मुख्यमंत्री ने पुष्टि की, 'बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (बी.एफ.यू.एच.एस.) में एडवांस्ड कैंसर इंस्टीट्यूट विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस होगा। यह अस्पताल पहले से ही मालवा क्षेत्र के मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है और हमारी कोशिश है कि इसे पूरे पंजाब में अग्रणी स्वास्थ्य देखभाल केंद्र के रूप में और मजबूत किया जाए।' लगातार अपग्रेडेशन की जरूरत पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'इस दौरे का उद्देश्य खामियां ढूंढना नहीं है, बल्कि इस संस्थान को राज्य भर में प्रमुख स्वास्थ्य देखभाल केंद्र के रूप में विकसित करना है। दौरे के दौरान मैंने इस महत्वपूर्ण संस्थान की जमीनी हकीकतों और जरूरतों से अवगत कराने के लिए सभी मुख्य हितधारकों से बातचीत की।'

मरीजों के इलाज को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की कि संस्थान में कई जरूरी सुविधाएं शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा, 'कई सुविधाएं शुरू करके मरीजों की सेहत सुनिश्चित करने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे। इस अस्पताल में रोबोटिक सर्जरी भी शुरू की जाएगी ताकि मरीजों को बड़े स्तर पर लाभ पहुंच सके।' इलाज के तरीकों को आधुनिक बनाने की जरूरत पर जोर देते हुए उन्होंने आगे कहा, 'इस अस्पताल में रोबोटिक सर्जरी शुरू करने के लिए जल्द से जल्द जरूरी कदम उठाए जाएंगे और इसमें कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी।' स्टाफ की चिंताओं पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अस्पताल इस समय स्टाफ की कमी का सामना कर रहा है।

प्रेमी के लिए भाई का कत्लः शराब में मिलाया जहर, तड़प-तड़पकर तीन ने तोड़ा दम, मौत के बाद शव से लिपटकर रोई बहन

एजेंसी

दौराला । दौराला कस्बे में तीन लोगों की मौत के मामले में अंकित की बहन अलका के बयानों ने ही उसकी गर्दन कानून के शिकंजे में फंसा दी। जिसे शुरुआत में एक जहरीली शराब का हादसा माना जा रहा था वह अलका के विरोधाभासी बयानों के कारण एक सुनियोजित हत्याकांड की साजिश के रूप में सामने आया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ के दौरान अलका का व्यवहार शुरू से ही संदिग्ध था। वह बार-बार अपने बयान बदल रही थी। पहले उसने खुद को पूरी तरह अनजान बताया और रोने-बिलखने का नाटक कर इसे सामान्य हादसा साबित करने की पूरी कोशिश की। जब पुलिस ने कड़ाई से शराब के स्रोत और घर की परिस्थितियों पर सवाल किए तो वह हर बार नई कहानी सुनाने लगी। उसके बयानों में तालमेल न होने के कारण पुलिस का शक उस पर गहराता चला गया।

जांच भटकाने का नाकाम प्रयास

अधिकारियों का कहना है कि अलका लगातार इमोशनल ड्रामा रच रही थी ताकि जांच की सुई उसकी तरफ न मुड़े। वह बार-बार जांच

अधिकारियों को गुमराह करने और तथ्यों को छिपाने का प्रयास करती रही लेकिन जब पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सख्ती का सहारा लिया तो वह टूट गई और सच्चाई उगल दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता और अलका के संदिग्ध आचरण को देखते हुए उसे और उसके प्रेमी पवन उर्फ पोली को हिरासत में ले लिया है। पुलिस का मानना है कि यह कोई इत्तेफाक नहीं बल्कि एकसोची-समझी साजिश थी। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से गहनता से पूछताछ कर रही है। जल्द ही पुलिस इस पूरे मामले का आधिकारिक रूप से खुलासा कर देगी।

यह है मामला

अंकित की बहन ने प्रेमी संग मिलकर शराब में मिलाया था जहर

दौराला में तीन लोगों मौत के मामले में चौकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस की तफ्तीश में सामने आया है कि स्पेलर संचालक बाबूराम प्रजापति, जितेंद्र कश्यप व अंकित उर्फ दौलत की मौत शराब पीने से नहीं, बल्कि एक सोची-समझी हत्या थी। अंकित उर्फ दौलत की सगी बहन अलका ने ही अपने प्रेमी पवन उर्फ पोली के साथ मिलकर यह साजिश रची थी। पुलिस ने अलका और उसके प्रेमी पवन को हिरासत में ले लिया है। कड़ी पूछताछ के दौरान दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि अंकित की बहन अलका का गांव के ही पवन उर्फ पोली के साथ काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। अंकित इस रिश्ते का विरोध करता था जो अलका और पवन की राह में सबसे बड़ा रोड़ा बना हुआ था। इसके अलावा अलका की नजर अंकित के हिस्से की जमीन पर भी थी। प्रेमी युगल ने योजना बनाई थी कि अंकित को रास्ते से हटाकर वे शादी कर लेंगे और जमीन बेचकर ऐश करेंगे।

एक की हत्या की योजना में तीन की गई जान

अलका और पवन ने अंकित को ठिकाने लगाने के लिए बेहद शातिराना तरीका अपनाया। उन्हें पता था कि अंकित शराब पीता है इसलिए उन्होंने घर में रखी शराब में जहर मिला दिया। अलका को डर था कि अगर अंकित अकेला मरता है तो शक की सुई उस पर घूम सकती है। इसलिए उसने शराब में जहर मिलाया ताकि यह एक सामान्य जहरीली शराब का मामला लगे। अनजाने में अंकित वही जहरीली शराब लेकर अपने दोस्त बाबूराम के स्पेलर पर पहुंच गया। वहां अंकित के साथ बाबूराम और जितेंद्र ने भी वही शराब पी ली जिससे चंद मिनटों में तीनों की तड़प-तड़प कर मौत हो गई।

वाराणसी में महानाट्य के मंचन के दूसरे दिन जीवंत हुए सम्राट विक्रमादित्य के जीवन से जुड़े प्रसंग

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन संस्कृत विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से वाराणसी में सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित तीन दिवसीय महानाट्य के मंचन के दूसरे दिन शनिवार की शाम सम्राट विक्रमादित्य से जुड़े प्रसंगों को जीवंत रूप में दिखाया गया। महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के मंचन के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवा नियोजन मंत्री अनिल राजभर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस महानाट्य के मंचन का बाबा विश्वनाथ के हजारों भक्तों, कला रसिकों, कला प्रेमियों और स्थानीय नागरिकों ने भरपूर आनंद लिया। महानाट्य में कार्यक्रम स्थल पर एक साथ तीन विशाल एवं भव्य मंच तैयार किए गए थे, जिन पर समानांतर विभिन्न दृश्य प्रस्तुत किए गए। इन मंचों के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के बाल जीवन, राजतिलक, वीरता, न्यायप्रियता, सुशासन और विद्वानों के प्रति सम्मान जैसे प्रसंगों को जीवंत रूप में दिखाया गया। प्रकाश, ध्वनि और दृश्य परिवर्तन की आधुनिक तकनीक ने प्रस्तुति को और भी आकर्षक बना दिया। महानाट्य में 200 से अधिक कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। करीब 1.45 घंटे की इस प्रस्तुति ने सम्राट विक्रमादित्य के विभिन्न जन कल्याणकारी पहलुओं को दर्शकों के सामने रखा। मंच पर उज्जैन के महाकाल मंदिर की प्रतिकृति ने बाबा महाकाल के दर्शन कराए, जो विशेष आकर्षण का केन्द्र था। मंच के सामने युद्ध के दृश्य में घोड़े दौड़ते हुए दिखाई दिए। मानो ऐसा लगा कि युद्ध प्रत्यक्ष में चल रहा हो और सम्राट विक्रमादित्य इस युद्ध में विजय प्राप्त कर रहे हैं। महानाट्य में 18 घोड़ें, 2 रथ, 4 ऊँट, 2 पालकी और 1 हाथी के साथ जीवंत दृश्य से सम्राट विक्रमादित्य के जीवन प्रसंगों को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर वाराणसी के महापौर अशोक तिवारी, विधान परिषद सदस्य अश्विन त्यागी, पूर्व विधायक जगदीश पटेल, सतेंद्र कुमार एवं अन्य अतिथि सहभागी रहे। इसके पूर्व डॉ. राजेश कुशवाहा, पंडित नरेश शर्मा, महानाट्य निर्देशक संजीव मालवीय एवं राजा भोज शोध प्रभाग के निदेशक संजय यादव द्वारा अतिथियों का अंग वस्त्र, विक्रम पंचांग एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के मंचन से पहले मंच पर मध्य प्रदेश के लोक कलाकारों द्वारा पूर्वरंग प्रस्तुतियों में 150 से अधिक कलाकारों ने मध्य प्रदेश के लोक नृत्य जैसे मालवा की मटकी, निमाड़ का गणगौर, डिंडोरी का गुदुमबाजा, सागर का बरेदी और उज्जैन के डमरू को प्रस्तुत किया।

आईपीएल 2026: सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर लखनऊ सुपर जाएंट्स ने दर्ज की जीत, ऋषभ पंत की बेहतरीन पारी

हैदराबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का 10वां लीग मैच सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेला गया। जिसे लखनऊ सुपर जाएंट्स ने 1 गेंद शेष रहते हुए 5 विकेट से अपने नाम किया। ये मुकाबला आखिरी ओवर तक रोमांचक रहा। इस दौरान लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने दमदार अर्धशतकीय पारी खेली। जबकि मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव और आवेश खान ने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

वहीं टॉस गंवा कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद ने हेनरिक क्लासेन और नितीश कुमार रेड्डी के अर्धशतकों के दम पर 156 रन बनाए। जिसके जवाब में लखनऊ ने 5 विकेट खोकर 19.5 ओवर में 157 रनों का टारगेट चेज कर लिया। इस दौरान पंत ने 68 रन बनाकर नाबाद लौटे।

इस दौरान एडेन मार्करम और मिचेल मार्श की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 37 रन की साझेदारी की। मार्श ने 12 गेंदों पर 14 रन बनाकर आउट हुए वहीं मार्करम ने 27 गेंदों पर 45 रन का योगदान दिया। उन्होंने 6 और 2 छक्के जड़े। आयुष बडोनी 12 रन बनाकर आउट हुए वहीं निकोलस पूरन एन रन बनाकर रनआउट हो गए। पंत ने 50 गेंदों पर नाबाद 68 रन बनाए। उन्होंने चौका जडकर टीम को पहली जीत दिलाई। पंत ने अपनी मैच विनिंग पारी में 9 चौके लगाए।

इससे पहले शमी के करिश्माई स्पैल के बाद हेनरिक क्लासेन और नीतिश कुमार रेड्डी की आक्रामक शतकीय साझेदारी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 9 विकेट पर 156 रन बनाए। शुरुआती 10 ओवर में 35 रन पर चार विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही हैदराबाद के लिए क्लासेन और नीतिश रेड्डी ने आक्रमण ही सर्वश्रेष्ठ बचाव की रणनीति पर अमल किया। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 63 गेंदों में 116 रन की रिकॉर्ड साझेदारी के दौरान सात छक्के जड़े। दोनों के जल्दी- जल्दी आउट होते ही लखनऊ ने मैच पर फिर से पकड़ बना ली और मेजबान टीम को 160 रन से नीचे रोकने में सफलता हासिल की।

एक दिवसीय वर्ल्ड कप 2027 पर हार्दिक पांड्या की नजर

– 10 ओवर गेंदबाजी के लिए कर रहे खास तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अभी से वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पांड्या ने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट को स्पष्ट कर दिया है कि वह 2027 विश्व कप का हिस्सा बनना चाहते हैं। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए वह पिछले कुछ महीनों से अपनी गेंदबाजी पर खास काम कर रहे हैं। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स की सबसे बड़ी शर्त यह है कि पांड्या वनडे क्रिकेट में जरूरत पड़ने पर पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने के लिए पूरी तरह फिट रहें। हालांकि हर मैच में उनसे पूरा स्पेल नहीं कराया जाएगा, लेकिन टीम को जब जरूरत हो, तब वह यह जिम्मेदारी निभा सकें। यही कारण है कि पांड्या अपनी फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

इस दिशा में उनकी प्रगति का संकेत विजय हजारे ट्रॉफी में देखने को मिला, जहां उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ मुकाबले में पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके। इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया कि वह लंबा स्पेल डालने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्हें इसी वजह से शामिल नहीं किया गया था क्योंकि तब वह 10 ओवर गेंदबाजी के लिए पूरी तरह फिट नहीं माने गए थे। वर्ल्ड कप 2027 दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा, जहां की पिचें तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती हैं। ऐसे में हार्दिक पांड्या जैसे सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर की भूमिका टीम के लिए बेहद अहम हो सकती है। हालांकि, चयनकर्ता उनकी फिटनेस को लेकर सतर्क हैं, क्योंकि वह पहले भी चोट के कारण लंबे समय तक टीम से बाहर रह चुके हैं।

पांड्या के बैकअप के तौर पर चयनकर्ताओं की नजर नितीश कुमार रेड्डी पर भी बनी हुई है। उन्होंने भी घरेलू क्रिकेट में अपनी गेंदबाजी पर काम किया है और वर्कलोड बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर पांड्या के पिछले रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर उन्होंने 6 वनडे मैचों में 44 ओवर गेंदबाजी कर 4 विकेट लिए थे और उनका इकॉनमी रेट 4.90 रहा था। हालांकि बल्लेबाजी में वह ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके थे। कुल मिलाकर, हार्दिक पांड्या का फोकस साफ है फिटनेस, निरंतरता और ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर वह 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के लिए अहम भूमिका निभाना चाहते हैं।

ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में समीर, बिश्नोई शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अब तक हुए मुकाबलों के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए दावेदार सामने आये हैं। आईपीएल में अबतक 9 मुकाबलों के बाद आरेंज कैप की दौड़ में दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजरी शीर्ष पर पहुच गये हैं। उनके पीछे ईशान किशन और रोहित शर्मा के अलावा आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी भी हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में रवि बिश्नोई पहले नंबर पर है उनके पीछे विजयकुमार वैशाक, टी नटराजन, लुंगी एनगिडी, जयदेव उनादकट और प्रसिद्ध कृष्णा हैं।

पिछले सीजन के पर्पल कैप विजेता प्रसिद्ध कृष्णा ने इस बार भी बेहतर प्रदर्शन कर दौड़ में अपने को बरकरार रख हैं। इस बार समीर और आयुष जैसे नये खिलाड़ी भी पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं।

ऑरेंज कैप के पहले नंबर के दावेदार

समीर ने 2 मैचों में 160 रन बनाए हैं, दोनों मुकाबलों में अर्धशतक लगाय है। वे जाहिर तौर पर ऑरेंज कैप के बड़े दावेदार दिख रहे हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के रोहित ने एक अर्धशतक सहित113 रन बनाए लिए हैं। वहीं केकेआर के अंगकृष रघुवंशी ने अब तक दोनों मैचों में अर्धशतक लगाते हुए कुल 103 रन बना लिए हैं। पंजाब किंग्स के कूपर कॉनोली ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी कर 108 रन बनाये हैं।

वहीं पर्पल कैप की बात करें तो रवि विश्नोई के पांच विकेट है और वह सबसे आगे हैं। प्रसिद्ध कृष्णा 4 विकेट के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और पंजाब किंग्स का मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सोमवार को आईपीएल में अपने तीसरे मुकाबले मे पंजाब किंग्स के खिलाफ ईडन गार्डन में जीत की उम्मीद से उतरेगी। केकेआर का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर अपना खाता खोलना रहेगा। 2024 की विजेता केकेआर के लिए अब तक का सत्र बेहद खराब रहा है और उसे अपने दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले मैच में उसे मुम्बई इंडियंस जबकि दूसरे मैच में सनराइजर्स से हार का सामना करना पड़ा है। इससे टीम पर काफी दबाव है। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स अपने शुरुआती दोनो मैच जीतकर उत्साह से भरी है उसने पहले मैच में गुजरात टाइटंस और दूसरे मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स को हराया था। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो केकेआर और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल में कड़ी टक्कर हुई है, जिसमें कुल 35 मैचों में से केकेआर ने 21 और पंजाब ने 13 मैच जीते हैं पर ईडन में केकेआर हावी रही है उसने यहां 14 में से 9 मैच जीते हैं। केकेआर की कप्तानी आजिंक्य रहाणे जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर कर रहे हैं।

केकेआर की गेंदबाजी इस बार कमजोर है। उसे हर्षित राणा, आकाश दीप और मथीशा पथिराना जैसे तेज गेंदबाजों के बिना उतरना पड़ रहा है। इसके अलावा उसके कप्तान रहाणे की रणनीति भी अबतक विफल रही है। कप्तान के तौर पर रहाणे ने सबसे अधिक रन बनोय हैं पर वह टीम को प्रेरित नहीं कर पाये हैं। टीम के अन्य बल्लेबाजी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। फिन एलेन, टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे बल्लेबाजों का भी केकेआर सही तरीके से प्रयोग नहीं कर पायी है। अब तक केवल सिर्फ एलेन को मौका मिला है जबकि सीफर्ट और स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविंद्र अबक अंतिम ग्यारह से बाहर हैं। केकेआर के सुनील नारायण भी इस बार प्रभावित नहीं कर पाये। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन केवल बल्लेबाजी ही कर रहे है और गेंदबाजी नहीं कर रहे जिसका नुकसान कभी केकेआर को हो रहा है। इसके अलावा रोवमैन पावेल को भी अंतिम ग्यारह में अब तक अवसर नहीं मिला है। टीम के लिए राहत की बात ये है कि युवा कार्तिक त्यागी और युवा अंगकृष रघुवंशी का प्रदर्शन अच्छा रहा है पर इसके बाद भी टीम की बल्लेबाजी बेहद सामान्य रही है। रहाणे के सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरने से भी कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है। पांचवें नंबर के बाद बल्लेबाज क्रम कमजोर हुआ है। अपने मैच में केकेआर टीम सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 16 ओवर में 161 रन ही बना पायी निचले मध्य क्रम में रमनदीप सिंह और अनुकूल रॉय भी विफल रहे हैं। दूसरी ओर श्रेयस की कप्तानी में पंजाब के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। युवा कूपर कोनोली ने दो मैच में 108 रन बनाकर तीसरे नंबर पर प्रभावित किया है जबकि प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने भी टीम को अच्छी शुरुआत दी है। अय्यर ने बीच के ओवरों में अच्छीसाथ बल्लेबाजी की है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो अर्शदीप सिंह, मार्को यानसेन और विजयकुमार वैशाख के होने से गेंदबाजी बेहतर हुई है। स्पिन की कमान लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल संभालेंगे। कुल मिलाकर इस मैच में देखा जाये तो पंजाब का पलड़ा भारी है और वह अपने जीत के सिलसिले को बरकरार रखने उतरेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह (उपकप्तान), फिन एलेन, तेजस्वी दहिया, मनीष पांडे, रोवमैन पावेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, सार्थक रंजन, टिम सीफर्ट, राहुल त्रिपाठी, दक्ष कामरा, कैमरन ग्रीन, सुनील नारायण, रचिन रविंद्र, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, ब्लेसिंग मुजरबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी और उमरान मलिक।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, निहाल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, विजयकुमार वैशाख, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पायला अविनाश और शशांक सिंह।

सूर्यकुमार ने हार पर निराशा जतायी, हम 15 से 20 रन कम बना पाये

नई दिल्ली । सूर्यकुमार यादव ने मुंबई इंडियंस को आईपीएल के दूसरे ही मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली हार पर निराशा जताया है । नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के फिट नहीं होने के कारण सूर्या ने इस मैच में टीम की कप्तानी की थी । सूर्या के अनुसार इस मैच में उनकी टीम अगर 15 से 20 रन और बनाती तो परिणाम कुछ और होता । सूर्यकुमार ने कहा, जब आप पहले बल्लेबाजी कर रहे होते हैं, तो कितना स्कोर पर्याप्त रहेगा ।इस बारे में नहीं जान सकते हैं । आप बस बल्लेबाजी करते रहते हैं ।बाद में अंदाजा आया कि 180 से 185 एक अच्छा स्कोर होता ।हम 15 से 20 रन पीछे रह गए ।जहां तक विकेट की बात है वह ठीक था ।फिर भी बल्लेबाजी को देखें हम 15–20 रन पीछे रह गए ।हालांकि गेंदबाजों से अपनी भूमिका ठीक से निभाई ।सूर्यकुमार ने इस मैच में 51 रन बनाये पर इसके बाद भी उनकी टीम 6 विकेट पर 162 रन ही बना पायी ।नमन ने भी 21 गेंदों में 28 रन बनाये ।मुम्बई की बल्लेबाजी को लेकर सूर्यकुमार ने कहा, मैं और नमन, हम दोनों गलत समय पर आउट हो गए, अगर ऐसे नहीं होते तो हम औसत से अधिक स्कोर बना देते । साथ ही कहा कि ऐसा भी होता है जब प्रयास के बाद भी सफलता नहीं मिलती ।

शुभमन के अगले मैच तक फिट होने की संभावना : पार्थिव पटेल

मुम्बई ।गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल के अनुसार कप्तान शुभमन गिल के अगले मैच में खेलने की काफी संभावनाएं हैं । शुभमन चोटिल होने के कारण राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से बाहर रहे थे ।इस मैच में टीम को उनकी कमी खली थी ।इसी कारण प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि शुभमन अगले मैच तक फिट हो जाएंगे । इसी को लेकर पार्थिव ने कहा, इंजरी मैनेजमेंट के बारे में मुझे जानकारी नहीं है पर मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि वह ठीक हो जाएंगे ।इससे अंदाजा होता है कि कि शुभमन की चोट अधिक गंभीर नहीं है ।पार्थिव ने कहा कि शुभमन को कुछ दिन पहले ही मांसपेशियों में खिंचाव आया था ।जिसके कारण उन्हें पिछले मैच में जगह नहीं दी गयी थी ।उन्होंने कहा, उन्हें पहले गर्दन में मोच आई थी और कुछ दिन पहले मांसपेखी में खिंचाव आया था ।हमें उम्मीद है कि वह अगले मैच तक फिट हो जाएंगे । यह चोट ज्यादा गंभीर नहीं लग रही है । टीम प्रबंधन उनकी फिटनेस पर नजर रख रहे हैं । गिल के बाहर होने से पिछले मैच में टीम की कप्तानी राशिद खान ने संभाली थी पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये । वहीं मैच के बाद राशिद ने भी शुभमन की फिटनेस को लेकर कहा, वह ठीक हैं । उम्मीद है कि अगले मैच तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे ।उन्हें केवल मांसपेशी में खिंचाव है ।इसलिए उम्मीद है कि वह जल्द वापसी करेंगे । शुभमन जैसे बेहतरीन बल्लेबाज के होने से टीम बड़ा स्कोर बना सकती है । गुजरात टाइटंस का अगला मैच 8 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स से होगा । गुजरात की टीम अभी तक दोनों मैच हार चुकी है, जबकि दिल्ली ने अपने दोनों मैच जीते हैं । ऐसे में टीम को जीत की राह पर लौटने के लिए शुभमन की वापसी बेहद जरूरी मानी जा रही है ।

आईपीएल 2026: 'अब टी20 में फिनिशर जैसी कोई भूमिका नहीं', स्टीफन फ्लेमिंग का बड़ा बयान

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि आधुनिक टी20 क्रिकेट में पारंपरिक फिनिशर की भूमिका अब पहले जैसी अहम नहीं रह गई है। उनका कहना है कि आज के खेल में बल्लेबाज शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हैं, जिससे मैच का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद फ्लेमिंग ने कहा कि अब टी20 क्रिकेट में हर बल्लेबाज पहली ही गेंद से बड़े शॉट खेलने की कोशिश करता है। पहले जहां टीमें 15-16 ओवर तक पारी को संभालकर खेलती थीं और अंत में तेजी लाती थीं, अब ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में शुरुआत से ही 10-12 रन प्रति ओवर की दर बनाए रखना जरूरी हो गया है, इसलिए टीमों को ऐसे बल्लेबाजों की

जरूरत है जो पूरे मैच में आक्रामक खेल सकें।

सीएसके की टीम संरचना पर बात करते हुए फ्लेमिंग ने माना कि टीम में टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा है, जिससे मिडिल और लोअर ऑर्डर में पारंपरिक फिनिशर की कमी महसूस हो सकती है। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया कि टीम के पास पर्याप्त बल्लेबाजी ताकत मौजूद है। उन्होंने बताया कि डेवाल्ड ब्रेविस चोट के कारण बाहर हैं, जबकि महेंद्र सिंह धोनी भी फिट नहीं हैं। इन दोनों की अनुपस्थिति टीम के संतुलन को प्रभावित कर रही है। फ्लेमिंग ने संजू सैमसन का भी समर्थन किया, जो शुरुआती मुकाबलों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि सैमसन नेट्स में अच्छा अभ्यास कर रहे हैं और जब वह फॉर्म में आते हैं तो मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। इसलिए उनके खराब प्रदर्शन को लेकर ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है।

कोच ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे खेल का संतुलन बल्लेबाजों के पक्ष में झुक गया है। उनका मानना है कि इस नियम ने मैच की गति और रणनीति दोनों को प्रभावित किया है, जिससे गेंदबाजों के लिए चुनौती बढ़ गई है। वहीं, पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य की तेज पारी की भी चर्चा रही। इस पर उनके साथी शशांक सिंह ने कहा कि प्रियांश मानसिक रूप से बेहद मजबूत खिलाड़ी हैं और अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कम उम्र में जिस तरह की परिपक्वता दिखाई है, वह काबिल-ए-तारीफ है। कुल मिलाकर, फ्लेमिंग का मानना है कि टी20 क्रिकेट का नया दौर पूरी तरह आक्रामक बल्लेबाजी का है, जहां हर खिलाड़ी को शुरुआत से अंत तक तेज रन बनाने की जिम्मेदारी निभानी होती है।

हेनरिच क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से किया इनकार

नई दिल्ली ।दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज हेनरिच क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की संभावनाओं को खत्म करते हुए साफ कर दिया है कि वह अब दोबारा राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलेंगे ।34 वर्षीय क्लासेन ने यह फैसला अपने परिवार को प्राथमिकता देने के कारण लिया है ।गौरतलब है कि केंद्रीय अनुबंध नहीं मिलने के बाद उन्होंने पिछले साल जून में क्रिकेट के सभी अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों से संन्यास ले लिया था और तब से वह दुनियाभर की टी20 लीग में सक्रिय हैं ।हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़े एक वीडियो में क्लासेन ने नीतिश कुमार रेड्डी के साथ बातचीत के दौरान अपने फैसले का खुलासा किया ।उन्होंने बताया कि वापसी को लेकर उन्होंने करीब दो हफ्तों तक गंभीरता से विचार किया, लेकिन अंततः यह तय किया कि अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटना सही नहीं होगा ।क्लासेन ने स्वीकार किया कि टी20 विश्व कप के दौरान अपने साथियों को अच्छा प्रदर्शन करते देख उनके मन में वापसी का विचार जरूर आया था ।उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें महसूस हुआ कि वह टीम का हिस्सा क्यों नहीं हैं और उन्होंने दोबारा खेलने की इच्छा भी जताई थी ।इस दौरान उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडन मार्करम से भी बातचीत की थी ।हालांकि, क्लासेन ने बताया कि बातचीत के बाद भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई और विश्व कप के बाद उन्हें यह एहसास हुआ कि उनकी वापसी की संभावना कम है ।इसके चलते उन्होंने दोबारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट न खेलने का अंतिम निर्णय ले लिया ।बता दें कि क्लासेन ने 2024 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था और अब वह पूरी तरह से फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं ।उनका यह फैसला दिखाता है कि आधुनिक क्रिकेट में खिलाड़ी अपने करियर और निजी जीवन के बीच संतुलन को कितना महत्व देने लगे हैं ।

मेसी और सुआरेज के गोल से इंटर मियामी ने ऑस्टिन एफसी के साथ 2–2 से ड्रॉ खेला

नई दिल्ली ।इंटर मियामी सीएफ ने 5 अप्रैल को मियामी के बीचों–बीच बने अपने नए और आधुनिक स्टेडियम में ऐतिहासिक होम ओपनर खेला ।इंटर मियामी का मुकाबला ऑस्टिन एफसी से था ।मैच 2–2 की बराबरी पर समाप्त हुआ ।मैच की शुरुआत में ऑस्टिन एफसी ने आक्रामक रुख अपनाते हुए छठे मिनट में बढ़त हासिल कर ली ।

गुइलहर्मे बिरो ने शानदार गोल दागकर मेहमान टीम को 1–0 से आगे कर दिया। हालांकि, इंटर मियामी ने जल्द ही वापसी की ।टीम के कप्तान लियोनल मेसी ने बॉक्स के अंदर से बेहतरीन हेडर लगाकर क्लब का पहला ऐतिहासिक गोल किया और स्कोर 1–1 कर दिया ।यह इस एमएलएस सीजन में मेसी का पहला गोल भी रहा ।पहले हाफ के अंत तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं, लेकिन दूसरे हाफ में ऑस्टिन ने 53वें मिनट में एक और गोल कर बढ़त बना ली । इससे इंटर मियामी पर दबाव बढ़ गया, लेकिन टीम ने हार नहीं मानी । मैच के अंतिम चरण में कोच जेवियर माशेरानो ने रणनीतिक बदलाव करते हुए लुइस सुआरेज को मैदान पर उतारा । सुआरेज ने कोच के भरोसे को सही साबित करते हुए 82वें मिनट में कॉर्नर के बाद शानदार गोल कर स्कोर 2–2 से बराबर कर दिया । यह इस सीजन में उनका पहला गोल था और इसी के साथ इंटर मियामी ने अपने नए स्टेडियम में कम से कम एक अंक सुनिश्चित कर लिया ।मैच के बाद माशेरानो ने स्वीकार किया कि टीम ने आखिरी 20–25 मिनट में काफी जोखिम उठाए, लेकिन घरेलू मैदान पर आक्रामक खेल दिखाना जरूरी था । उन्होंने यह भी कहा कि टीम अपने चैंपियन होने का दर्जा बनाए रखना चाहती है । पहला मैच ड्रॉ रहने के बावजूद इंटर मियामी के लिए यह एक सकारात्मक शुरुआत रही । क्लब पहले ही एमएलएस कप 2025, 2024 सपोर्टर्स शील्ड, और लीग्स कप 2023 जैसे बड़े खिताब जीत चुका है, और अब वह इस नई शुरुआत को और भी यादगार बनाने के इरादे से आगे बढ़ रहा है ।

टॉमी पॉल ने टियाफो को हराकर पहले एटीपी टूर क्ले फाइनल में जगह बनाई

ह्यूसटन । टॉमी पॉल ने 5 अप्रैल को ह्यूस्टन में यूएस मेन्स क्ले कोर्ट चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में फ्रांसिस टियाफो को हराकर अपने पहले एटीपी टूर क्ले फाइनल में जगह बनाई । अमेरिकी खिलाड़ी ने तीन सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में 7–5, 4–6, 7–6(7) से जीत हासिल की । इस जीत के साथ, पॉल ने ह्यूस्टन में एटीपी 250 इवेंट में लगातार चौथे चैंपियनशिप मैच में पहुंचने की उम्मीदों को समाप्त कर दिया । मैच लगभग दो घंटे और 45 मिनट तक चला । मैच की शुरुआत पॉल ने बेहतरीन खेल से की और पहला सेट 7–5 से जीत लिया । टियाफो ने दूसरे सेट में जल्दी ब्रेक लेकर मुकाबले में वापसी की और सेट 6–4 से अपने नाम किया । मैच के दौरान 90 मिनट की बारिश की देरी ने पॉल के मोमेंटम को थोड़ा बाधित किया, लेकिन उन्होंने फिर भी मजबूती दिखाते हुए ब्रेक पॉइंट बचाया और सेट को अपने पक्ष में किया । तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों ने कड़ा संघर्ष किया । टियाफो ने शुरुआती ब्रेक लिया, लेकिन पॉल ने वापसी की और 4–2 से बढ़त बनाई । टियाफो ने फिर 4–4 से बराबरी कर ली, जिससे मुकाबला टाई–ब्रेक में चला गया । टाई–ब्रेक में पॉल 6/4 से आगे थे, लेकिन टियाफो ने दो मैच पॉइंट बचाए । अंततः चौथे सीड वाले पॉल ने अंतिम गेम में दबाव में रहते हुए रोमांचक मुकाबला अपने नाम किया । पॉल ने मैच के बाद कहा, 'जब मुझे जरूरत थी, मैंने अच्छा खेला । यह टियाफो के साथ एक शानदार मुकाबला था । वह हमेशा देखने में सबसे एंटरटेनिंग खिलाड़ियों में से रहे हैं । मुझे खुशी है कि हमें यह मैच यहां खेलने का मौका मिला ।' अब पॉल फाइनल में रोमन एंड्रेस बुरुचागा का सामना करेंगे । बुरुचागा ने सेमीफाइनल में अपने ही देश के खिलाड़ी थियागो अगस्टिन तिरांटे को 6–1, 6–1 से हराकर पहले एटीरी टूर फाइनल में प्रवेश किया ।

आईपीएल 2026: 'पिछला सीजन काफी खराब रहा', भारतीय स्पिनर ने खुद बताई अपनी बड़ी कमजोरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय स्पिनर रवि बिश्नोई ने अपने खराब पिछले सीजन और अपनी सबसे बड़ी कमजोरी को लेकर खुलकर बात की है। राजस्थान रॉयल्स के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपनी गेंदबाजी की सबसे बड़ी कमी पर काम किया, जिसका फायदा अब आईपीएल में मिल रहा है।

पिछला सीजन रहा मुश्किल

रवि बिश्नोई ने मैच के बाद कहा कि 'पिछला सीजन काफी कठिन रहा था, लेकिन मैंने अपने प्रोसेस पर भरोसा रखा।' उन्होंने कहा कि अगर उनकी लेंथ सही नहीं होती थी तो बल्लेबाज उन्हें आसानी से चौके-छक्के मार देते थे। यही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी थी, जिस पर उन्होंने पूरे घरेलू सीजन में काम किया।

बिश्नोई ने बताया कि 'जब उनकी लेंथ सही जगह पर पड़ती है तो बल्लेबाजों के लिए रन बनाना मुश्किल हो जाता है, लेकिन जब गेंद ज्यादा फुल हो जाती है तो उन्हें मार पड़ती है।'

घरेलू क्रिकेट में किया सुधार

बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने ऑफ सीजन और घरेलू क्रिकेट के दौरान अपनी गेंदबाजी पर काफी मेहनत की। उन्होंने मानसिक, तकनीकी और शारीरिक - तीनों पहलुओं पर काम किया, जिसका परिणाम अब देखने को मिल रहा है।

आईपीएल में शानदार वापसी

आईपीएल 2026 में रवि बिश्नोई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में चार महत्वपूर्ण विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। यह गुजरात के खिलाफ किसी स्पिनर का बेहतरीन प्रदर्शन भी रहा।

LSG के लिए ऐसा रहा प्रदर्शन

रवि बिश्नोई 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े थे। पहले दो सीजन में उन्होंने 13 और 16 विकेट लिए, लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन गिर गया। आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैच में 10 विकेट लिए, जबकि पिछले सीजन में 11 मैच में सिर्फ 9 विकेट ही ले सके और उनका इकॉनमी रेट भी काफी ज्यादा रहा।

पर्पल कैप की रेस में आगे

आईपीएल 2026 में बिश्नोई शानदार फॉर्म में हैं और दो मैचों में पांच विकेट लेकर पर्पल कैप की रेस में आगे चल रहे हैं। अब उनका अगला मुकाबला मुंबई इंडियंस के खिलाफ 7 अप्रैल को गुवाहाटी में खेला जाएगा।

कपूर या खान सरनेम होने से मिलते हैं फायदे

अभिनेता अभिलाष थपलियाल कई फिल्मों में अपने अलग किरदारों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 'दिल जंगली', 'केनेडी', 'मैदान' और दूसरी फिल्मों में अदाकारी की है। अभिलाष थापलियाल ने अब फिल्म इंडस्ट्री में बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के अपनी जगह बनाने में आने वाली मुश्किलों के बारे में खुलकर बात की है।

फिल्मी परिवार से होना है सौभाग्य

अभिलाष थापलियाल ने एचटी से बातचीत में बताया कि एक जाना-माना सरनेम इस इंडस्ट्री में उनके लिए दरवाजे खोल सकता है। उन्होंने कहा, 'बेशक। यह एक सौभाग्य है। अगर वह मिल जाए, तो उससे बेहतर कुछ नहीं। मेरा मतलब है, अगर मेरा सरनेम भी कपूर या खान होता, तो बात कुछ और ही होती।' उन्होंने खुद के बारे में कहा 'जरा सोचिए, एक एक्टर जो विलेन का रोल कर रहा है, जो एक शराबी का रोल कर रहा है, एक फोटोग्राफर का रोल कर रहा है। अगर कोई स्टार किड यह करता, तो चर्चा हो जाती?'

फिल्मी परिवार से न होने के नुकसान

अभिनेता ने उन लोगों को होने वाली मुश्किलों पर भी चर्चा की, जो फिल्मी परिवारों से नहीं आते। उन्होंने बताया कि बाहर से आए लोगों के पास अक्सर सीमित विकल्प होते हैं। उन्होंने कहा, 'एक बाहरी व्यक्ति के तौर पर, हम सिर्फ उन्हीं चीजों में से चुन सकते हैं, जो हमें ऑफर की गई हैं।'

टैलेंट अब भी मायने रखता है

भाई-भतीजावाद के फायदों को मानते हुए भी, अभिलाष ने इस बात पर जोर दिया कि टैलेंट अब भी जरूरी है। उन्होंने इस बात से सहमति जताई कि जब टैलेंट के साथ इंडस्ट्री का साथ भी मिल जाए, तो इससे करियर को काफी बढ़ावा मिल सकता है।

'केनेडी' में नजर थे आए

अभिलाष हाल ही में अनुराग कश्यप की फिल्म 'केनेडी' में नजर आए थे। इस फिल्म में राहुल भट्ट और सनी लियोनी भी अहम किरदारों में हैं।

टॉक्सिक में अपने किरदार को लेकर उत्साहित हैं कियारा

'केजीएफ' स्टार यश की आगामी फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज में वक्त है। फिल्म यश के नए लुक के साथ-साथ अपनी स्टारकास्ट, खासकर महिला किरदारों को लेकर भी लगातार सुर्खियां बटोर रही है। अब फिल्म में नादिया का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर बात की है।

हालिया बातचीत में कियारा ने अपने किरदार को लेकर कहा कि नादिया का किरदार अब तक पढ़े गए किरदारों में सबसे अनोखा है। मेरी निर्देशक गीतु मोहनदास ने जिस तरह से इस किरदार को लिखा और उसकी यात्रा को आकार दिया है, उससे मैं बेहद उत्साहित हूं। मुझे लगा कि मैं इस चुनौती को स्वीकार करने और उनकी नजर में इस भूमिका को पर्दे पर उतारने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। फिल्म से कियारा का पहला लुक सामने आ चुका है। इसमें एक्ट्रेस ब्लैक ड्रेस में एक स्टेज पर खड़ी नजर आई थीं। इसके बाद इसी महीने की शुरुआत में फिल्म का पहला गाना 'तबाही' रिलीज किया गया है। हालांकि, अभी तक गाने का सिर्फ ऑडियो वर्जन ही सामने आया है। लेकिन गाने के पोस्टर में कियारा यश के साथ रोमांटिक पोज में दिखी थीं। इस गाने को विशाल मिश्रा ने गाया है और उन्हींने संगीत भी दिया है। गाने को हिंदी के अलावा कन्नड़, तेलुगु, तमिल और मलयालम भाषा में भी रिलीज किया गया है।

इस वजह से आगे बढ़ी रिलीज डेट

'टॉक्सिक' का टीजर भी सामने आ चुका है, जिसमें यश के नए लुक को देखकर फैंस फिल्म को लेकर और भी उत्साहित हो गए थे। पहले 'टॉक्सिक' 19 मार्च को 'धुरंधर : द रिवेंज' के साथ ही रिलीज होने वाली थी। लेकिन गल्फ देशों में चल रहे तनाव के चलते फिल्म को आगे बढ़ा दिया गया। अब 'टॉक्सिक' 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

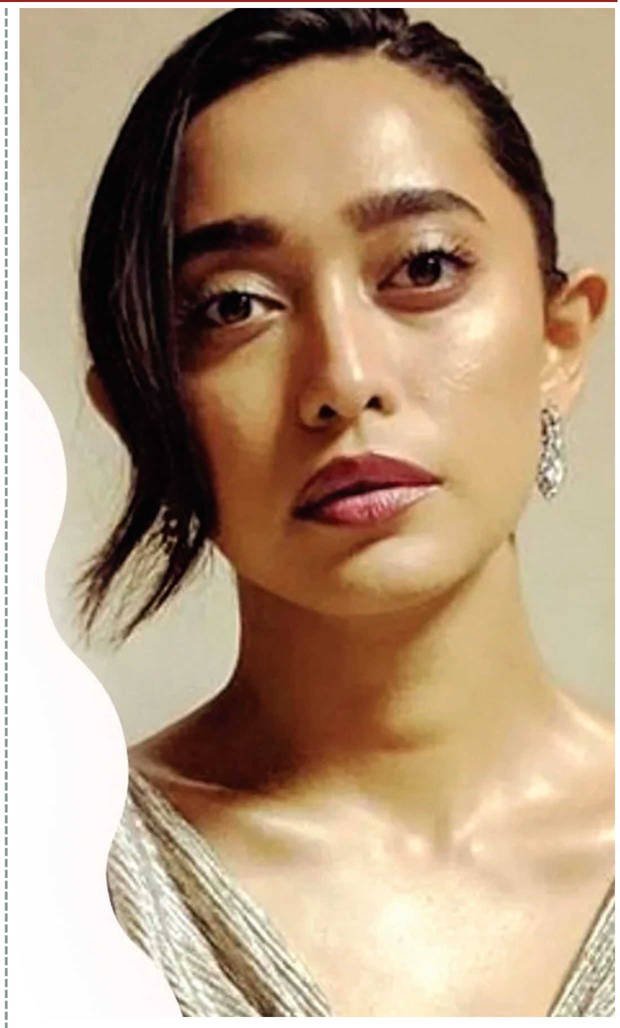

सयानी गुप्ता ने लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस; पहली फिल्म का किया एलान

अभिनेत्री सयानी गुप्ता ने 'आर्टिकल 15', 'जॉली एलएलबी 2', 'फैन' और 'पार्च्ड' जैसी फिल्मों में काम किया है। अब वे बतौर निर्माता अपने करियर की शुरुआत कर रही हैं। सयानी ने अपना प्रोडक्शन हाउस, 'सयानी गुप्ता मूवीज' लॉन्च किया है। इस प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत उनकी पहली शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' से हो रही है, जो इस बैनर के तहत बनने वाला पहला प्रोजेक्ट है। फिल्मों और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर एक दशक से ज्यादा समय तक काम करने के बाद अभिनत्री सयानी गुप्ता का कहना है कि प्रोडक्शन की तरफ उनका यह कदम इसलिए है, क्योंकि अब वे स्टोरीटेलिंग में ज्यादा शामिल होना चाहती हैं। सयानी ने कहा, 'यह मेरा एक पुराना सपना रहा है। मैं हमेशा से कुछ खास तरह की कहानियां कहना चाहता थी और इसका मकसद सहयोग के लिए एक ऐसा माहौल बनाना है, जो काम को सरल और सहज बनाए। हम धीरे-धीरे, लेकिन लगातार आगे बढ़ेंगे। एक समय में सिर्फ एक फिल्म पर ध्यान देंगे। हमारे लिए लेखन की गुणवत्ता, कला और कहानी कहने का तरीका हमेशा पहले रहेगा। ऐसा करने के लिए, हर प्रोजेक्ट को सही समय, देखभाल और पूरा ध्यान देना जरूरी है'।

इन फिल्मों के प्रोडक्शन में भूमिका निभा चुकी हैं सयानी

शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' पहला प्रोजेक्ट है। इसमें रेवती के साथ-साथ दरिया बेदी और अभय कौल मुख्य भूमिका में हैं। इसे सयानी ने लिखा है। निर्देशन का जिम्मा भी उन्होंने ही संभाला है और वे ही इसे प्रोड्यूस कर रही हैं। हालांकि, इससे पहले उन्होंने 'व्हेयर द विंड्स ब्लो' और 'ऊपर नीचे' जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ 'डियर मेन' और ऑस्कर के लिए क्वालिफाई करने वाली फिल्म 'शेमलेस' जैसी कई शॉर्ट फिल्में को-प्रोड्यूस की थीं, लेकिन 'आसमानी' उनका पहला पूरी तरह से अपना प्रोडक्शन है। इस फिल्म के लिए सयानी ने पूरे महाराष्ट्र में लोकेशन ढूंढने में एक साल से ज्यादा समय बिताया।

शाहरुख खान ने 'धुरंधर 2' पर नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

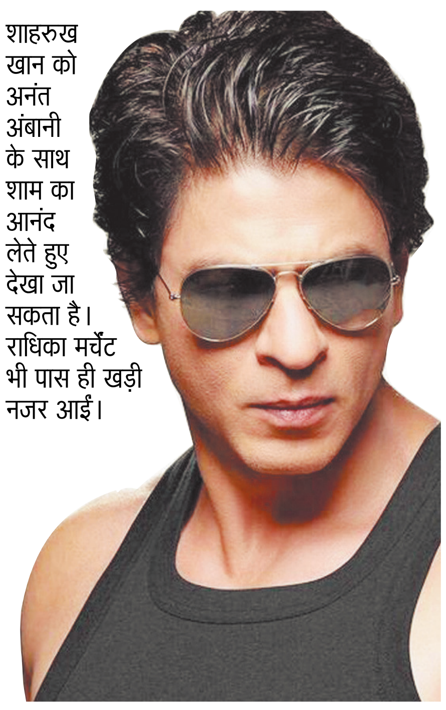

शाहरुख खान को अनंत अंबानी के साथ शाम का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। राधिका मर्चेंट भी पास ही खड़ी नजर आईं।

शाहरुख खान ने रणवीर सिंह की नई फिल्म 'धुरंधर 2' पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच मुंबई की एक पार्टी में अभिनेता को रणवीर सिंह के साथ देखा गया है। दोनों एक ही फ्रेम में नजर आए हैं।

सलमान-शाहरुख ने नहीं दी प्रतिक्रिया

फिल्म 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। इसने दुनियाभर में 1500 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। जहां कई मशहूर हस्तियों ने इस फिल्म की तारीफ की है, वहीं कुछ फैंस ने यह भी गौर किया है कि शाहरुख खान और सलमान खान ने अब तक इस फिल्म पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

एक ही फ्रेम में नजर आए शाहरुख और रणवीर

इसी चर्चा के बीच, मुंबई में हुई एक हाई-प्रोफाइल जन्मदिन पार्टी की एक तस्वीर सामने आई है। यह पार्टी एक आलीशान होटल में हुई। इस पार्टी में फिल्म जगत की हस्तियों और राजनीतिक हस्तियों का मेल देखने को मिला। तस्वीर में, शाहरुख खान और रणवीर सिंह दोस्तों के एक ग्रुप के साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर में जहां कई लोग खड़े हैं वहीं रणवीर सिंह बैठकर पोज दे रहे हैं।

शाम का आनंद लेते नजर आए शाहरुख

ग्रुप फोटो के अलावा, पार्टी के अंदर का एक और वीडियो भी ऑनलाइन वायरल हो रहा है। इसमें

अब एनीमेशन फिल्में और सीरीज बनाएंगे सुभाष घई

निर्देशक सुभाष घई ने अब प्रोडक्शन क्षेत्र में एक कदम आगे बढ़ा लिया है। दरअसल, उनकी अपनी कंपनी मुक्ता आर्ट्स लिमिटेड ने फिल्में बनाने के लिए एक बड़ी साझेदारी की है। निर्देशक की कंपनी ने प्रसिद्ध एनीमेशन कंपनी ग्रीन गोल्ड एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है।

इसके तहत मुक्ता आर्ट्स की नई डिवीजन एसजीएम स्टूडियो ग्रीन गोल्ड के साथ मिलकर एनीमेशन फिल्में और सीरीज बनाएगी। सुभाष घई ने अपने आधिकारिक इंस्टग्राम अकाउंट पर अपने स्टूडियो का लोगो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'मुक्ता आर्ट्स अब दुनियाभर के सिनेमा के लिए एनिमेशन फिल्में बनाने के नए दौर में कदम रखा रहा है। इसके लिए हमारी नई डिवीजन एसजीएम एनीमेशन स्टूडियो शुरू की गई है, जो प्रसिद्ध कंपनी ग्रीन एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ काम करेगी। निर्देशक ने कंपनी की ग्रीन एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड की प्रसंशा करते हुए कहा कि इस प्रसिद्ध कंपनी ने छोटा भीम जैसे कई सफल प्रोजेक्ट बनाए हैं। उन्होंने लिखा, 'हमें बहुत खुशी है कि हम अपनी भारतीय कहानियों को एनिमेशन के जरिए नई पीढ़ी और परिवारों तक पहुंचाएंगे। इसमें हमारे साथ राजीव चिलाका जी जैसे अनुभवी पार्टनर हैं। छोटा भीम और नरसिम्हा की सफलता ने हमें प्रेरित किया है कि हम अपनी मजबूत कहानियों पर और फिल्में बनाएं। राजीव जी को ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाई।'

इस साझेदारी से भारतीय एनीमेशन इंडस्ट्री को नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद है। यह सुभाष के करियर का नया अध्याय है। वे पहले भी कई नए कलाकारों को मौका दे चुके हैं। अब एनीमेशन के जरिए वे अपनी फिल्मी विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने जा रहे हैं। इससे पहले भी सुभाष घई ने कई बार एनीमेशन और एआई के बारे में खुलकर बातें की थीं। उन्होंने एक आयोजन के दौरान बातचीत में बताया था कि वे सबसे पहले कौन सी फिल्म निकालेंगे। उन्होंने कहा था, 'मैं सबसे पहले तो अपनी फिल्म कालीचरण को दिखाना चाहता हूं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इसकी कहानी बहुत दिलचस्प और मजेदार है और मुझे लगता है कि आज के बच्चों को भी इसकी कहानी जाननी चाहिए। यह ऐसी फिल्म है जिसे थिएटर में भी दिखाया जा सकता है और एनीमेशन के रूप में भी बनाया जा सकता है।' उन्होंने कहा था, 'कहानी की मूल कहानी (प्लॉट) वही रहेगी, लेकिन कलाकार और उसे प्रस्तुत करने का अंदाज अलग होगा।'

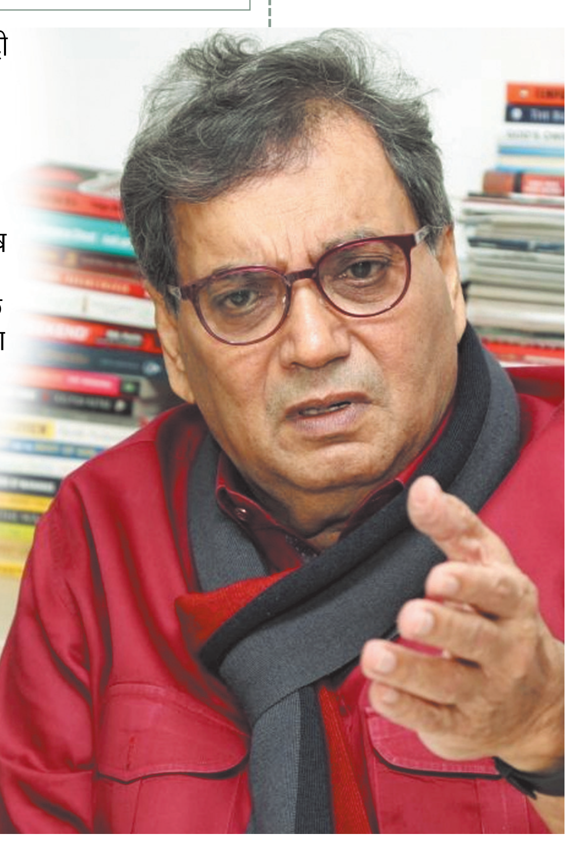

हर इंसान की अपनी पसंद और अपना कंफर्ट जोन होता है

कभी इंवेस्टमेंट बैंकर बनने का लक्ष्य रखने वाली एक्ट्रेस नेहा हरसोरा अब टेलीविजन जगत का जाना-पहचाना नाम बन चुकी हैं। 'अग्नि वायु', 'थोड़ा सा बादल थोड़ा सा पानी', 'राज महल' और 'ध्रुव तारा' जैसे टीवी शोज ने नेहा को पॉपुलैरिटी दी। मुंबई में पैदा हुई नेहा के माता-पिता गुजरात से हैं। बातचीत में नेहा ने टीवी पर अपने डेब्यू, इंवेस्टमेंट बैंकर की पढ़ाई से इतर इस नए करियर, इसकी चुनौतियों और पढ़ाई की जरूरत पर बात की। नेहा साफ शब्दों में कहती हैं कि वह यह मानती हैं कि हर एक्टर के पास एक वैकल्पिक इनकम या पैशन जरूर होना चाहिए।

आपने एक्टिंग के साथ-साथ अपना ग्रेजुएशन और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग कोर्स पूरा भी किया। टीवी के डिमांडिंग करियर के साथ पढ़ाई को कैसे बैलेंस किया? एजुकेशन को आप कितना जरूरी मानती हैं?

मेरे परिवार के लिए पढ़ाई सबसे ज्यादा जरूरी थी। मेरे लिए भी एजुकेशन हमेशा पहली प्राथमिकता रही, क्योंकि बचपन में मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक्टर बनूंगी। मेरे घरवालों ने साफ कहा था कि पहले ग्रेजुएशन पूरा करो, पढ़ाई खत्म करो, उसके बाद जो करना है वो करना। मैंने बी.कॉम किया और उसके बाद इन्वेस्टमेंट बैंकिंग में सर्टिफिकेशन भी पूरा किया। मैं उसी फील्ड में आगे बढ़ने वाली थी पर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। साल 2021 में मुझे 'अग्नि वायु' से एक्टिंग में पहला बड़ा मौका मिला और यह ऐसा पेशा है, जिससे प्यार हो जाता है। फिर भी मुझे लगता है पढ़ाई बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा फील्ड बहुत अनिश्चित है। ऐसे में, एक मजबूत बैकअप होना बहुत जरूरी है। पढ़ाई आपको मुश्किल वक्त से लड़ना सिखाती है और एक विकल्प भी देती है। मैं सच में मानती हूं कि हर कलाकार के पास कोई न कोई वैकल्पिक इनकम या पैशन जरूर होना चाहिए।

आपकी छोटी बहन येशा भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। एक ही इंडस्ट्री में बहन का होना आपके लिए मददगार है या चुनौती?

मेरे लिए यह बिल्कुल भी चुनौती नहीं है, बल्कि मुझे बहुत अच्छा लगता है। मुझे उस पर गर्व है। चूंकि, वह भी इसी फील्ड में है तो मैं उसे अपनी गलतियों से सीखने में मदद कर सकती हूं और उसे वो गलतियां दोहराने से रोक सकती हूं। वहीं, मुझे भी उससे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। वह मेरी बहुत बड़ी ताकत रही है। अगर बहन येशा हरसोरा मेरे साथ न होती, तो शायद मैं इतनी कॉन्फिडेंट नहीं होती। जब परिवार साथ देता है तो आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है। वह भी बहुत अच्छा काम कर रही है। लोग जब मुझसे कहते हैं कि येशा बहुत बढ़िया कर रही है तो मुझे बेहद गर्व महसूस होता है। वह इतनी कम उम्र में अपने हमउम्र लोगों से कहीं आगे है।

अभी आपकी छवि एक प्यारी 'गर्ल नेक्स्ट डोर' लड़की की है, लेकिन एक एक्टर को हर तरह के किरदार निभाने पड़ते हैं। बोल्ड रोल या इंटीमेट सीन को लेकर आप कितनी सहज हैं?

हर इंसान की अपनी पसंद और अपना कंफर्ट जोन होता है। किसी के लिए एक्टर बनना ही चुनौती होती है और किसी के लिए हर तरह के रोल के ओपन होना चुनौती बन जाता है। मेरे लिए भी यह एक सीखने की प्रक्रिया है। वैसे, यह जरूरी नहीं है कि अगर मैं बोल्ड रोल करूं या हॉट इमेज बनाऊं तभी मुझे काम मिलेगा या मुझे एक्टर माना जाएगा। इसे लेकर हर किसी का नजरिया अलग होता है। मैंने एक्टिंग इसलिए चुनी क्योंकि मैं इसमें सहज महसूस करती हूं। अगर मुझे लगता है कि मैं कोई चीज अच्छे से कर सकती हूं तो मैं उसमें 150 प्रतिशत देती हूं, लेकिन जो चीज मेरे कंफर्ट जोन से बाहर होती है, उसमें मैं कोशिश जरूर करूंगी पर शायद उतना परफेक्ट न कर पाऊं और मैं किसी भी प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों को निराश नहीं करना चाहती।

खुद गुजराती होने के नाते अपने शो 'उड़ने की आशा' में मराठी किरदार निभाने के लिए कितनी तैयारी करनी पड़ी?

यह थोड़ा मुश्किल जरूर था, क्योंकि मेरी मातृभाषा गुजराती है। हालांकि, मैं महाराष्ट्र में ही पैदा हुई, यहीं पली-बढ़ी हूं, लेकिन मेरे ज्यादा दोस्त मराठी बैकग्राउंड से नहीं थे। ऐसे में, जब मैं इस शो का हिस्सा बनी तो मैंने अपने मुंहबोले भाई से मराठी संस्कृति, रीति-रिवाज और त्योहारों के बारे में काफी बातें कीं। वैसे, हमने स्कूल में मराठी पढ़ी है। मराठी संस्कृति की बहुत-सी बातें बिना जाने रोजमर्रा में फॉलो भी करते हैं। जैसे, मुझे मिसल पाव बहुत पसंद है। इस किरदार ने मुझे वो सब करीब से समझने का मौका दिया।

फिजियोथैरेपी वक्त की मांग

कॅरियर गाइडेंस देश व दुनिया में आज हेल्थ सेक्टर का जितना विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आगे चलकर काबिल फिजियोथैरेपी की मांग और बढ़ेगी। फिजियोथैरेपी विज्ञान की ऐसी विधा है जिसके अंतर्गत शारीरिक व्यायाम के जरिए व्यक्ति के रोगों व व्याधियों का उपचार किया जाता है।

फिजियोथैरेपिस्ट का काम रोगियों में किसी बीमारी, चोट, अक्षमता या बढ़ती उम्र की वजह से उपजी शारीरिक व्याधियों का उपचार करना है। आज लोग बीमारी के उपचार के लिए समग्र नजरिया अपनाने लगे हैं। इसकी वजह से दुनिया भर में फिजियोथैरेपिस्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है।

काम का दायरा

फिजियोथैरेपिस्ट्स अस्पतालों, विकलांगों की लिए बने पुनर्वास केन्द्रों, स्वास्थ्य केन्द्रों, शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए बने स्कूलों, स्वास्थ्य संगठनों के

अलावा डिफेंस मेडिकल प्रतिष्ठानों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी अपनी सेवाएं देते है। इंजुरी व फ्रैक्चर्स, जोड़ों के दर्द, खिंचाव, मोच, स्ट्रोक्स के उपचार में काबिल फिजियोथैरेपिस्ट की सेवाएं कारगर साबित होती हैं।

बढ़ती मांग

आज जिस तरह के अत्याधुनिक अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र व क्लीनिक्स खुल रहे हैं और हेल्थ सेक्टर का विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि फिजियोथैरेपिस्ट की मांग आगे चलकर और बढ़ेगा। कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी खुद को फिट रखने व फिटनेस संबंधी सुझाव लेने के लिए फुलटाइम पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की सेवाएं लेते हैं। विदेशों में और खासकर अमेरिका कनाडा व आस्ट्रेलिया जैसे देशों में पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की जबदस्त मांग है।

योग्यता

फिजियोथैरेपी में कोई डिग्री अथवा डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स करने के लिए अभ्यर्थी को फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायोलॉजी के साथ 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। अस्पताल व क्लीनिक्स अमूमन ऐसे लोगों को रोजगार देते हैं, जिनके पास फिजियोथैरेपी में बैचलर डिग्री (बीपीटी) हो। बीपीटी करने के बाद छात्र यदि चाहें तो अपनी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। फिजियोथैरेपी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि छह महीने से लेकर दो साल तक हो सकती है। डिग्री स्तर अवधि

तीन से चार साल तक होती है। प्रतिष्ठित संस्थान कॉमन टेस्ट सीईटी के जरिए बीपीटी में छात्रों की दाखिला देते है।

व्यक्तिगत योग्यता

फिजियोथैरेपिस्ट्स बनने के चाह रखने वाले अभ्यर्थियों में लंबे समय तक खड़े रहकर काम करने की क्षमता होनी चाहिए। काबिल फिजियोथैरेपिस्ट वहीं है जो मरीज की जरूरत को अच्छी तरह समझ सके, उसके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाए। सफल फिजियोथैरेपिस्ट बनने के लिए व्यक्ति में इन खूबियों के अलावा मानवीय संरचना का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी अति आवश्यक है।

पारिश्रमिक

इस क्षेत्र से जुड़े कोई फ्रेश ग्रेजुएट किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में ट्रेनी फिजियोथैरपिस्ट के तौर पर 8,000 से 12,000 रूपए वेतन पाने की उम्मीद कर सकता है। हालांकि प्रतिष्ठित अस्पतालों में आपको और भी अच्छा वेतन मिल सकता है। अनुभव हासिल करने के बाद आपके वेतन में खासा इजाफा हो सकता है। अनुभवी फिजियोथैरपिस्ट चाहे तो निजी क्लीनिक खोल कमाई कर सकते हैं।

डायटीशियन

कॅरियर का बेहतर विकल्प

आहार जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। हम जो आहार लेते है उसका शरीर में पाचन किया जाता है। प्रकृति ने विभिन्न खाद्य-पदार्थों को भोजन का रूप दिया है जिसे कच्चा या पका कर हम उपयोग करते हैं ऐसे पदार्थ हमारे पाचक अंगों द्वारा पचा लिए जाते हैं, जिनसे ऊतकों का निर्माण एवं पोषण होता है। चलने, फिरने दौडने या अन्य शारीरिक कार्य करते रहने से शरीर के भीतर के ऊतक टूटते-फूटते एवं घिसते रहते है। भोजन द्वारा हमारे शरीर की संरचना तथा मरम्मत के लिए विभिन्न पोषक तत्व मिलते रहते हैं, जिनसे हमें शक्ति मिलती हैऔर हमारे शीरीरिक के विभिन्न अंग अपना कार्य सुचारू रूप से करते रहते हैं।सन्तुलित आहार और सही आहार हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है लिहाजा हमारी शारीरिक जरूरतों के अनुसार कितने पोषक तत्वों की जरूरत होती हैं और कौन से खाद्य-पदार्थ से सेहत को नुकसान पंहुच सकते है, इसका जवाब डायटीशियन ही बता सकता है। जीवनशैली में आ रहे बदलावों और उसके दुष्णपरिणाम के चलते डायटीशियन एक बेहतर केरियर ऑप्शन के रूप में उभरा है। यह कोर्स अपनाकर आप अपना ही नहीं दूसरो की सेहत का भी ख्याल रख सकते है। एक डायटीशियन के रूप में आप नवजात शिशु से लेकर बुजुर्ग, बीमार, अभिनेताओं और खिलाडियों तक की डाइट का चार्ट बना सकते हैं। डायटीशियन लोगों को सलाह देता है, कि उसे स्वस्थ रहने के लिए किस तरह का भोजन करना चाहिए। डायटीशियन का कार्य जितना आसान दिखाई देता है वास्तव में वह उतना आसान नहीं हैं, क्योंकि रोगियों के लिए व्यक्तिगत आहार योजना बनाते हुए विभिन्न क्लीनिकल घटकों को ध्यान में रखना होता है। साथ ही रोगियों की जीवनशैली, खान-पान की आदतों पर भी विचार करना होता है ।पोरेट स्तर पर डायटीशियन की मांग बढ रही है और पांच सितारा होटलों में भी डायटीशियनों की सेवाएं ली जा रहीं हैं।

कराटे- दुश्मन को बिना किसी हथियार से हराने की तकनीक

करटे निहत्थे लडऩे की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है। जिस व्यक्ति को कराटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक कराटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं कराटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। कराटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है।

कराटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। कराटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं। इन सभी भागों को कड़ी मेहनत और प्रैक्टिस से कठोर बनाया जाता है। एक कराटे एक्सपर्ट कई इंच मोटी लकड़ी को अपने हाथ या पैर से तोड़ सकता है। सही टाइमिंग, कुशलता तथा जज्बा तो इसके लिए जरूरी है ही साथ ही जरूरी होती है शारीरिक कठोरता।

कराटे के खेल में वार को शरीर के संपर्क में आने से एक इंच पहले ही रोक लिया जाता है। कराटे में मैच सिर्फ 3 मिनट के होते हैं। एक खेल के तौर पर इसमें कुशलता का स्तर परखने के लिए दोनों में नकली लड़ाई और औपचारिक परीक्षण दोनों का आयोजन किया जाता है। यदि प्रतियोगी अच्छे से वार न कर पाए तो जज अपना फैसला मूवमैंट्स और डिफेंस तकनीक के आधार पर सुना सकते हैं ।जजों द्वारा खिलाडियों के प्रदर्शन को वैसे ही रेटिंग दी

जाती है, जैसे जिम्नास्टिक में होता है। कराटे एशिया में विकसित हुआ जिसे कई शताब्दियां लग गईं और 17वीं शताब्दी के दशक में जाकर यह कला के रूप में व्यवस्थित होने लगा। 1920 के दशक में यह जापान में बहुत प्रसिद्ध हुआ। आज पूरे विश्व में कई स्कूल कराटे की ट्रेंनिंग देते हैं। 1970 में कराटे वर्ल्ड चैम्पियनशिप टाइटल की स्थापना की गई थी।

प्राचीन चीन से शुरू और जापान में प्रसिद्ध हुआ युद्ध कौशल (मार्शल आर्ट) कराटे आज पूरे विश्व में अत्यधिक लोकप्रिय है। कराटे खेल भी, कला भी कराटे निहत्थे लडऩे की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है।

जिस व्यक्ति को कराटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक कराटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं कराटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। कराटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है। कराटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। कराटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं।

स्वरोजगार

कागज़ उद्योग

देश में सामाजिक-आर्थिक विकास की दृष्टि से कागज़ उद्योग देश का सबसे पुराना और अति महत्वपूर्ण उद्योग है। इस उद्योग का अनुमानित आकार 25000 करोड़ रुंपये (5.95 बिलियन डॉलर) है। विश्व के कागज और कागज बोर्ड उत्पाद में इसका हिस्सा लगभग 1.6 प्रतिशत है। इस उद्योग से 1.20 लाख लागों को प्रत्यक्ष रूप से और 3.40 लाख लोगों को परेक्ष रूप से रोजगार मिला हे। अधिकतर पेपर मिल पिछले लम्बे अर्से से कार्य कर रहे हैं और इस प्रकार वर्तमान समय में इनमें पुरानी से लेकर अति आधुनिक तकनीक वाली दोनों प्रकार की प्रौद्योगिकियाँ इस्तेमाल हो रही हैं।

पिछले पाँच वर्षों से कागज़ की खपत लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही है। कागज़ उद्योग को कागज के उत्पादन की किस्म के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है; जैसे क्रीमवोव, मैपलिथो, कोपलर, कोटेड पेपर, इंडिस्ट्रयल पेपर और स्पेस्लिटी पेपर। इंडिस्ट्रयल पेपर अधिक मात्रा में इस्तेमाल होता है, जो कि कुल खपत का लगभग 60 प्रतिशत है। अभी तक कागज उद्योग की वृद्धि सकल घरेलू उत्पाद में हुई वृद्धि के बराबर रही है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसमें औसतन 6-7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्तर पर भारत में कागज का बाजार तेजी से बढ़ रहा है ओर यह उत्सावर्धक स्थिति को दर्शाता है। आर्थिक संवृद्धि के साथ कागज की खपत में भी अत्याधिक उछाल आने की संभावनाएँ हैं और यह 2015-16 तक 13.95 मिलियन टन तक पहुँच सकता है। भावी अनुमान यह हे कि कागज की खपत में सकल घरेलू उत्पाद के गुणांकों में वृद्धि होगी और इस प्रकार प्रति व्यक्ति 1 किलाग्राम खपत की वृद्धि से उसकी मांग में 1 मिलियन टन की वृद्धि होगी। उद्योग के अनुमानानुसार वर्ष 2012-13 तक कागज़ उत्पादन 8.4 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि कागज की खपत 9 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ी है। कम खर्च व लागत में कागज उद्योग स्वरोजगार का बेहतर जरिया बन सकता है।

पैरा-मैडीकल कोर्सेज में संवारें कॅरिअर

यदि आपकी बारहवीं परीक्षा की श्रेणी या अंक बहुत अच्छे नहीं हैं तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। इसकी वजह यह है कि पैरा-मैडीकल कोर्सेज में प्रवेश के लिए सी.पी.एम.टी. जैसी कठिन प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होती। डॉक्टर जब मरीज को देख लेता है उसके बाद (कुछ मामलों में डाक्टर से पहले भी) सारा काम पैरा-मैडीकल के लोग ही संभालते हैं।

मरीज के खून, पेशाब, बलगम, वीर्य, टिश्यू आदि की जांच करनी हो, उसका एक्स-रे, ई.सी.जी., ई.ई.जी., एम.आर.आई., अल्ट्रा साऊंड, सी.टी. स्कैन, टी.एम.टी.,पी.एफ.टी., मैमोग्राफी आदि इंजैक्शन व दवा देनी हो तथा इसके अलावा भी अनेक ऐसे काम हैं जिसे पैरा-मैडीकल स्टाफ ही करता है। आप्रेशन करते समय एक डाक्टर को असिस्ट करने के लिए पैरा-मैडीकल स्टाफ होता है। मैडीकल फील्ड का लगभग सारा टैक्निकल स्टाफ पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही आता है।

इसके तहत प्रमुख कोर्स व संबंधित कार्य इस प्रकार हैं- मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी , एक्स-रे टैक्नोलॉजी एंड रेडियोलॉजी/रेडियोग्राफी, ऑप्टोमीट्री या ऑप्थाल्मिक टैक्नोलॉजी, प्रॉस्थैटिक एवं ऑथोटिक इंजीनियरिंग, फिजियोथैरिपी एंड ऑकुपेशनल थैरेपी, डैंटिस्ट असिस्टैंट, स्पीच थैरेपी एंड ऑडियोलॉजी, क्लीनिकल चाइल्ड डिवैल्पमैंट, रिहैबिलिटेशन, मैडीकल ट्रांसक्रिप्शन, कम्युनिटी हैल्थ वर्कर्स कोर्स (मेल/फीमेल/मल्टीपर्पज़) ऑप्रेशनल थैरेपिस्ट असिस्टैंट/ ऑप्रेशन थिएटर असिस्टैंट व टैक्नीशियन कोर्स, कॉर्डियोलॉजी टैक्नीशियन कोर्स, सी.टी. स्कैन टैक्नीशियन कोर्स।

इनके साथ ही फॉर्मेसी, नर्सिंग एवं मिडवाइफरी तथा साइकोलॉजी की गणना भी पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही की जाती है। उपरोक्त सभी कोर्सों में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, बी.एससी., एम.एससी., बैचलर या मास्टर डिग्री विभिन्न मान्यता प्राप्त संस्थानों में प्रदान की जाती है।

संस्थान

- पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल एजुकेशन एंड रिसर्च, सैक्टर-11,चंडीगढ़-1600012
- पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज, रोहतक-124001, हरियाणा।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110007